THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

इसरो ने जीएसएलवी-एफ15 से भेजा नेविगेशन सैटेलाइट, ऑर्बिट में स्थापित

श्रीहरिकोटा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। इंडियन स्पेस एजेंसी श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ15 के जरिए एनवीएस-02 सैटेलाइट लॉन्च किया। जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्चिंग व्हीकल 29 जनवरी को सुबह 6:23 बजे सतीश धवन स्पेस सेंटर के दूसरे लॉन्च पैड से उड़ान भरी। इसरो का यह 100वां लॉन्चिंग मिशन है। इसरो ने बताया कि एनवीएस-02 को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में स्थापित कर दिया गया है। यह सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम का हिस्सा है, जो भारत में जीपीएस जैसी नेविगेशन सुविधा को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है।

वर्ष-29 अंक : 308 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **माघ शु.1 2081 गुरुवार, 30 जनवरी-2025**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

'कुछ समय के लिए स्नान की प्रक्रिया में रुकावट आई पर अब सब ठीक है'

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए महाकुंभ में हुई भगदड़ की घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज की चुनाव सभा को संबोधित करने से पहले मैं महाकुंभ में जो दुःखद हादसा हुआ है, उस हादसे में हमें कुछ पुण्यात्माओं को खोना पड़ा है, कई लोगों को चोटें भी आई हैं। मैं प्रभावित परिवारों के प्रति संवदेना व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मैं उत्तर प्रदेश सरकार के साथ निरंतर संपर्क में हूं। मौनी अमावस्या की वजह से करोड़ों श्रद्धालु आज वहां पहुंचे हुए हैं। कुछ समय के लिए स्नान की प्रक्रिया में रुकावट आई थी, लेकिन अब कई घंटों से सुचारू रूप से यात्री स्नान कर रहे हैं।

यमुना का पानी पीएम भी पीता है : मोदी

> क्या हरियाणा वाले मुझे जहर देकर मारेंगे?

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पीएम मोदी बुधवार को विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए दिल्ली पहुंचे। पीएम ने करतार नगर में 50 मिनट की स्पीच दी। इस दौरान उन्होंने शिक्षा घोटाला, शराब घोटाला, शीशमहल का जिक्र किया। साथ ही यमुना में जहर मिलाने के केजरीवाल के आरोपों का भी जवाब दिया। पीएम ने कहा-दिल्ली के एक पूर्व सीएम ने हरियाणा के लोगों पर घिनौने आरोप लगाए। क्या हरियाणा के लोग अपने बच्चों के पानी में जहर मिला सकते हैं क्या।

हरियाणा का भेजा यही पानी दिल्ली में रहने वाले हमारे सारे जज, जस्टिस, सम्मानित सदस्य पीते हैं। आपका प्रधानमंत्री भी यही पानी पीता है। क्या कोई सोच सकता है कि मोदी को जहर देने के लिए हरियाणा ने जहर दिया होगा। क्या बात करते हो। पीएम ने चुनाव सभा के दौरान कुंभ हादसे का भी जिक्र किया। पीएम ने कहा- महाकुंभ में जो दुखद हादसा हुआ, उसमें हमने कुछ पुण्य आत्माओं को खोया है। उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। आप यहां वर्किंग डे होने के बाद भी इतनी विशाल संख्या में, दोपहर के समय हम सबको आशीर्वाद देने आए हैं। मैं आपका बहुत आभार व्यक्त करता हूं। लेकिन ये दृश्य है, ये दिल्ली का मूड बता रहा है। दिल्ली के जनादेश के दर्शन करा रहा है। दिल्ली कह रही है कि अब आप-दा के बहाने नहीं चलेगें। आप-दा के फर्जी वादे नहीं चलेंगे। दिल्ली कर रही है कि आप-दा की लूट और झूठ नहीं चलेगा। दिल्ली के लोग भाजपा की डबल इंजन की सरकार चाहते हैं। ऐसी सरकार चाहते हैं जो गरीबों के घर बनाए। दिल्ली को आधुनिक बनाए, हर घर नल से जल पहुंचाए, टैंकर माफिया से मुक्ति दिलाए। दिल्ली कह रही है 5 फरवरी आएगी, भाजपा आएगी, आप-दा जाएगा। ये 21वीं सदी है। इसके 25 साल बीत चुके। इसके पहले 14 साल आपने देखें हैं। इसमें कांग्रेस का कार्यकाल देखा है। 11 साल आप-दा सरकार को दिए। लेकिन दिल्ली की समस्या वहीं की वहीं है। 25 साल इन दोनों ने आप की दो-दो पीढ़ी बर्बाद की हैं। दिल्ली को इन हालात से कौन निकाल सकता है। आपका एक वोट इन मुसीबतों से मुक्ति दिला सकता है। हमें 11 साल के पेंडिंग काम करने है। आने वाले 25-30 साल की तैयारियां करनी हैं।

सरकार ने 17 घंटे बाद माना 30 की मौत

25 की पहचान हुई, 60 घायल

प्रयागराज, 29 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में संगम तट पर भगदड़ में मरने वालों की संख्या अब तक 35 से 40 तक की बताई जा रही है। सीएम योगी ने मृतक के परिजनों को 25 लाख रुपये का मुआवजा देने को कहा है। डीआईजी महाकुंभ नगर मेला क्षेत्र वैभव कृष्ण ने कहा- भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत हुई है, इनमें 25 की शिनाख्त हो चुकी है। 60 घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। करीब 20 शव उनके परिजनों को सौंपे जा चुके हैं। वे उन्हें लेकर चले भी गए हैं। हादसा मंगलवार देर रात करीब डेढ़ बजे हुआ। भगदड़ उस वक्त मची जब लोग संगम तट पर मौनी अमावस्या के स्नान लिए इंतजार कर रहे थे। यह हादसा क्यों हुआ, इसकी वजह सामने नहीं आई है।

आंध्र में जल्द शुरू होगा व्हाट्सएप गवर्नेंस

❊ पहले चरण में 161 सेवाएं उपलब्ध कराएगी सरकार

अमरावती, 29 जनवरी (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश सरकार गुरुवार यानी की 30 जनवरी से व्हाट्सएप गवर्नेंस शुरू करने जा रही है। लोग अब मैसेजिंग एप के जरिए 161 सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। इससे दस्तावेजों के लिए सरकारी दफ्तरों में बार बार चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। बुधवार को सचिवालय में समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को नए प्रोग्राम का प्रदर्शन दिया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, पहले चरण में सरकार 161 सेवाएं उपलब्ध कराएगी। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि कैसे लोग इन सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। ऊर्जा, एपीएसआरटीसी, राजस्व, अन्ना कैंटीन, सीएम राहत कोष (सीएमआरएफ) और नगर निगम विभागों से संबंधित सेवाएं पहले चरण में प्रदान की जाएंगी। दूसरे चरण में अधिक सेवाएं उपलब्ध कराने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह सुनश्चित करने का निर्देश दिया कि आम लोगों का डेटा अपराधियों के हाथों में न पड़े। इसके साथ ही फोरेंसिक और साइबर सुरक्षा को मजबूत करने की भी अपील की। बता दें कि पिछले साल 22 अक्तूबर को आंध्र प्रदेश ने व्हाट्सएप के माध्यम से सेवाओं का विस्तार करने के लिए मेटा के साथ समझौता किया था। प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि आईटी मंत्री नारा लोकेश व्हाट्सएप गवर्नेंस सेवाओं का उद्घाटन कर सकते हैं।

वक्फ संशोधन विधेयक को जेपीसी की मंजूरी

16 वोट पक्ष में 11 का विरोध

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। वक्फ (संशोधन) विधेयक की जांच कर रही संसद की जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) ने बुधवार को ड्रॉफ्ट रिपोर्ट को मंजूरी दे दी। 16 सदस्यों ने इसके पक्ष में वोट डाला। वहीं 11 मेंबर्स ने विरोध किया। जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा, अब यह रिपोर्ट गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के सामने पेश की जाएगी। उसके आगे की कार्यवाही वह करेंगे।

कमेटी में शामिल विपक्षी सांसदों ने इस बिल पर आपत्ति जताई। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, हमें कल रात 655 पन्नों की ड्रॉफ्ट रिपोर्ट मिली। 655 पन्नों की रिपोर्ट को रातों-रात पढ़ना असंभव है। मैंने असहमति जताई है और संसद में भी इस विधेयक का विरोध करूंगा। 27 जनवरी को वक्फ संशोधन अधिनियम पर जेपीसी की बैठक में 44 संशोधनों पर चर्चा की गई थी। भाजपा की अगुवाई में एनडीए सांसदों के 14 संशोधनों को स्वीकार किया गया था, जबकि विपक्ष के संशोधनों को सिरे से खारिज कर दिया गया था।

असहमति जताने के लिए शाम 4 बजे तक का समय दिया गया

अब तक तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी और नदीमुल हक के साथ-साथ डीएमके सांसद ए राजा, आप नेता संजय सिंह और शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत और असदुद्दीन ओवैसी ने औपचारिक रूप से अपनी असहमति दर्ज करा दी है। बाकी सदस्यों को 29 जनवरी की शाम 4 बजे तक असहमति जताने का समय दिया गया है। कांग्रेस सांसद डॉ. सैयद नसीर हुसैन ने कहा- कई आपत्तियां और सुझाव दिए गए थे, लेकिन उन्हें रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है। सरकार ने उनके अनुसार रिपोर्ट बनाई है। असंवैधानिक संशोधन लाए गए हैं और अल्पसंख्यकों के अधिकारों को नुकसान पहुंचाया गया है। संशोधन अल्पसंख्यकों, खासकर मुस्लिम समुदाय को अलग-थलग करने के लिए लाए गए हैं। डीएमके ने इस बिल के पारित होने के बाद इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करने की बात कही है। जेपीसी के सदस्य डीएमके सांसद ए राजा ने दावा किया कि यह प्रस्तावित कानून असंवैधानिक होगा।

गोविंद पनसारे की हत्या के छह आरोपियों को हाईकोर्ट ने दी जमानत

मुंबई, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सामाजिक कार्यकर्ता और लेखक गोविंद पनसारे की हत्या के छह आरोपियों को अदालत से बड़ी राहत मिली है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने इन आरोपियों को लंबी कैद के आधार पर बुधवार को जमानत दे दी। गौरतलब है कि साल 2015 में पनसारे की हत्या कर दी गई थी। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस एएस किलोर की एकल पीठ ने सचिन अंदुरे, गणेश मिस्किन, अमित देगवेकर, अमित बद्दी, भरत कुराणे और वासुदेव सूर्यवंशी की जमानत दे दी। इन आरोपियों को साल 2018 से 2019 के बीच गिरफ्तार किया गया था।

तीन तलाक पर केंद्र से जवाब तलब : सुप्रीम कोर्ट

> कानून के उल्लंघन पर दर्ज मुकदमों और आरोप-पत्रों की संख्या पूछी

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को तीन तलाक कानून के विरोध में दायर याचिकाओं पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिए कि मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम का उल्लंघन करके जीवनसाथी को तीन तलाक देने वाले पुरुषों के खिलाफ दर्ज एफआईआर और आरोपपत्रों की संख्या की जानकारी दी जाए।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कानून की सांविधानिकता को चुनौती देने वाली 12 याचिकाओं पर सुनवाई की। कोर्ट ने केंद्र और अन्य पक्षों से इन याचिकाओं पर अपने लिखित दलीलें दाखिल करने को भी कहा। पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम 2019 की धारा 3 और 4 के तहत लंबित कुल एफआईआर और आरोप पत्र की संख्या दाखिल करेगी। वहीं पक्षकार अपने तर्क के समर्थन में तीन पेज में लिखित प्रस्तुतियां भी दाखिल करेंगे। पीठ ने याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई 17 मार्च से शुरू होने वाले सप्ताह में तय की है। देश में 30 जुलाई 2019 को तीन तलाक को लेकर कानून बनाया गया था। इसके तहत तलाक-ए-बिद्दत यानी एक बार में तीन तलाक देना गैर कानूनी है। तीन तलाक संज्ञेय अपराध मानने का प्रावधान किया गया है। कानून के तहत तीन तलाक को अवैध और अमान्य घोषित किया गया है तथा इसके लिए पति को तीन साल की जेल की सजा होगी। खुद को सुन्नी विद्वानों का संघ बताने वाले केरल के जमीयतुल उलेमा ने मुस्लिम महिला अधिनियम 2019 को असांविधानिक बताते हुए याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि जब सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक को अमान्य करार कर दिया है तो इसे अपराध घोषित नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 22 अगस्त 2017 को एक ऐतिहासिक फैसले में तीन तलाक को असांविधानिक करार दिया था। अलग-अलग धर्मों वाले 5 जजों की बेंच ने 3-2 से फैसला सुनाते हुए सरकार से तीन तलाक पर छह महीने के अंदर कानून लाने को कहा था।

अमृतसर मेयर चुनाव को रद्द करने की मांग खारिज, एचसी ने कहा- इलेक्शन ट्रिब्यूनल के पास जाएं

चंडीगढ़, 29 जनवरी (एजेंसियां)। अमृतसर नगर निगम के मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव को रद्द करवाने के लिए हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। इस याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि याचिका मेंटेनेबल नहीं, आप इलेक्शन ट्रिब्यूनल के सामने चुनावी याचिका दाखिल कर सकते हैं। कांग्रेस के विकास सोनी ने याचिका दाखिल की थी। याचिका में कहा गया था कि सदन में उनकी पार्टी सबसे अधिक 40 सीटों पर जीती थी, बावजूद इसके सत्तारूढ़ पार्टी ने बिना कोई चुनाव करवाए ही मेयर का चयन कर लिया। इसके खिलाफ कांग्रेसी पार्षदों ने आवाज भी उठाई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। लिहाजा अब इस चुनाव को रद्द करते हुए नए सिरे से किसी रिटायर्ड जज की निगरानी में चुनाव करवाया जा रहा है। साथ ही 28 जनवरी को हुए चुनाव की वीडियोग्राफी करवाए जाने के हाईकोर्ट के आदेशों के तहत उस दिन का पूरा रिकॉर्ड हाईकोर्ट में पेश किए जाने के आदेश देने की मांग की गई थी।

वक्फ संशोधन बिल: उद्धव ठाकरे की पार्टी ने साफ किया रुख

'गैर मुस्लिम होगा तो, हमारे हिंदुओं के जो मंदिर हैं, उससे मुझे डर लग रहा है कि हिंदुओं के मंदिर की जो व्यवस्था है उसमें किसी गैर हिंदुओं के रहने की अनुमति नहीं है

मुंबई, 29 जनवरी (एजेंसियां)। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति ने मसौदा रिपोर्ट और संशोधित विधेयक को बहुमत से स्वीकार कर लिया है। सांसदों को अपनी असहमति दर्ज कराने के लिए बुधवार (29 जनवरी) को शाम चार बजे तक का समय दिया गया है। विपक्षी गुट में शामिल उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) ने भी विधेयक पर असमति दी है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता अरविंद सावंत ने कहा, "मैंने डिसेंट नोट दी है। पहले तो बहुत सारी गलतफहमियां फैलाई जा रही है। ये बिल इन्होंने राजनीतिक विचारों से लाया है, न की न्याय के लिए लाया है। इस बिल में संविधान का ही सम्मान नहीं है।" उन्होंने कहा, "जब आप कहते हैं कि वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिम भी होगा तो हमारे हिंदुओं के जो मंदिर हैं, उससे मुझे डर लग रहा है कि हिंदुओं के मंदिर की जो व्यवस्था है उसमें किसी गैर हिंदुओं के रहने की अनुमति नहीं है। फिर वो हिंदुओं की व्यवस्थाओं के लिए वो मांग करेंगे। संघीय ढांचे खत्म किए जा रहे हैं। उनका कहना है कि बोर्ड में नॉमिनेट करेंगे, पहले चुनकर आते थे। आप समझ सकते हैं कि नॉमिनेट करने से क्या होगा।देश की एकता और अखंडता पर चोट है।"

ओम बिरला को सौंपा जाएगा बिल

संसद की संयुक्त समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल प्रस्तावित कानून का संशोधित संस्करण गुरुवार (30 जनवरी) को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंप सकते हैं। समिति ने सोमवार (27 जनवरी) को हुई एक बैठक में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सदस्यों की तरफ से प्रस्तावित सभी संशोधनों को स्वीकार कर लिया था और विपक्षी सदस्यों के संशोधनों को खारिज कर दिया था।

जहां रहते हैं मगरमच्छ, वहीं से हो रहा रेत का अवैध उत्खनन पुलिस ने किया वाहन जब्त

शहडोल, 29 जनवरी (एजेंसियां)। शहडोल में रेत का अवैध उत्खनन करने के बाद उसका परिवहन करते हुए एक हाइवा ट्रक को पुलिस ने जब्त किया है। जहां से रेत निकाली गई वो इलाका प्रतिबंधित है। पुलिस के अनुसार सोन घड़ियाल प्रोजेक्ट से रेत का अवैध खनन करके परिवहन किया जा रहा था। प्राइवेट गाड़ी से पहुंची पुलिस ने कार्रवाई को अंजाम दिया है। जानकारी के अनुसार देवलौंद थाना के सोन घड़ियाल अभ्यारण से रेत का अवैध खनन माफिया कर रहे थे जिसकी जानकारी मुखबिर के द्वारा पुलिस को लगी। जानकारी लगते ही थाना प्रभारी डी के दहिया ने टीम के साथ ट्रक को पकड़ा। पुलिस के अनुसार ट्रक बैरिहाई के पास मिला, जिसमें अवैध रेत लोड थी,पुलिस ने बताया कि वाहन चालक राजेश यादव पिता हीरालाल यादव से पुलिस ने रेत से जुड़े वैध दस्तावेज मांगे लेकिन चालक ने कोई भी दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए। पुलिस की पूछताछ में चालक ने बताया कि वह रीवा का रहने वाला है।

शहरी नक्सलवाद पर सीएम फडणवीस बोले

शिक्षण संस्थानों को बनाया जा रहा अड्डा, युवाओं को लेकर कही बड़ी बात

मुंबई, 29 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विदर्भ क्षेत्र के अधिवेशन में शहरी नक्सलवाद और अराजक विचारधाराओं पर चिंता जताई। इस दौरान उन्होंने कहा कि शहरी नक्सलवाद घातक है, शिक्षा संस्थानों को अड्डा बनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि बंदूक के जरिए क्रांति लाने की कोशिश करने वाले नक्सली विचार सरकार के प्रयासों से समाप्ति की ओर है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने आगे कहा, जो लोग बंदूक लेकर हिंसा में शामिल था वह मुख्य धारा में लौट रहे हैं, लेकिन यह विचार अब शहरों के युवाओं के बीच फैलाने की कोशिश की जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय कॉलेज कैंपस को निशाना बनाया जा रहा है। ऐसे में अराजक विचारों से मुकाबला करने के लिए राष्ट्रवादियों को ताकत से खड़ा होने की आवश्यकता है।

माओवादी का खात्मा हुआ है: देवेंद्र फडणवीस

उन्होंने कहा, सत्ता में आना ही काफी नहीं है। हमारी विचारधारा पर स्थापित होते देख अराजकतावादी बेचैन हो गए हैं। शिक्षा संस्थान अराजकतावाद के बीजारोपण के सबसे बड़े अड्डे बन गए हैं। युवाओं को भ्रमित करने के लिए पूरी ताकत झोंकी जा रही है। मुख्यमंत्री ने शहरी नक्सलवाद का जिक्र करते हुए कहा, माओवादी का खत्मा हुआ है। अब शहरों में उनके विचारों की जड़े जमाने का प्रयास हो रहा है। संवैधानिक शक्ति का उपयोग कर उसे रोकने का पूरा प्रयास किया जाएगा। स्कूल और कॉलेज में पैर पसारकर युवाओं को अपने जाल में फंसने की नापाक कोशिश हो रही है।

स्टेशन पर खड़ी थी लोकल ट्रेन

तभी पीछे से उसी पटरी पर आ गई हावड़ा भद्रक एक्सप्रेस

हावड़ा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जंक्शन के पास बड़ा रेल हादसा होने से बच गया। यहां एक लोकल ट्रेन तकनीकी खराबी के कारण प्लैटफॉर्म पर खड़ी थी। तभी पीछे से एक्सप्रेस ट्रेन आकर रुक गई। इससे पहले कि वो लोकल ट्रेन से टकराती, एक्सप्रेस ट्रेन के ड्राइवर ने ब्रेक लगा दी।

इससे वहां लोगों के बीच चीख-पुकार मच गई। घटना बुधवार सुबह 10 बजे की है। लोकल ट्रेन संतरागाछी से पांशकुरा जा रही थी। लेकिन ट्रेन में कुछ तकनीकी खराबी आ गई। इस कारण वह कुलगछिया स्टेशन के पास रुकी रही। ट्रेन के अंदर यात्रियों ने हंगामा शुरू कर दिया। यात्री बोले- ट्रेन क्यों रोकी है। अभी हंगामा चल ही रहा था कि तभी अचानक पीछे से एक्सप्रेस ट्रेन आ गई। वह उसे भद्रक जाना था। लेकिन तभी ट्रेन के लोको पायलट ने ब्रेक लगाई।

तीन ट्रेनें हो सकती थीं हादसे का शिकार

रेलगाड़ी फिर बिल्कुल लोकल ट्रेन के पीछे आकर रुक गई। ब्रेक लगाने में जरा सी भी देर होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। उसी स्टेशन पर एक और लोकल ट्रेन भी खड़ी थी। वो भी हादसे का शिकार हो सकती थी। लोग यह देख सन्न रह गए। कुछ लोग चीखने-चिल्लान लगे। घटना की खबर पाकर रेलकर्मी इलाके में पहुंचे। आधे घंटे बाद स्थिति सामान्य हो गई। ऐसी घटना पहले भी कई बार हो चुकी है।

पहले भी हो चुकी है ऐसी घटना

इससे पहले बर्दवान के झापानडांगा स्टेशन के सामने एक मालगाड़ी रुकी थी। तभी पीछे से हावड़ा बोलपुर शांतिनिकेतन एक्सप्रेस आकर उसके पीछे रुक गई। जब ट्रेन बीच में रुकी तो यात्री डरकर ट्रेन से उतर गये। कुछ यात्री तो ट्रेन से ही कूद गए। जिस कारण उन्हें चोट आई।

निगहत अब्बास ने बीजेपी क्यों छोड़ा?

कांग्रेस का हाथ थामने के बाद खुद बताया

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले सोशल एक्टिविस्ट और बीजेपी की पूर्व प्रवक्ता निगहत अब्बास ने भारतीय जनता पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गईं हैं। निगहत अब्बास नेशनल टीवी पेनलिस्ट भी हैं। उन्होंने कांग्रेस ज्वाइन करने के बाद कहा कि आज सड़क पर चलने वाला मुसलमान डरता है।

यही कारण है कि मैं बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुई हूं। उन्होंने कहा, आज कई लोग कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए हैं, ये देश के लिए एक बहुत बड़ा संदेश है। ऐसा इसलिए क्योंकि सिर्फ 'सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास' कह देने से विश्वास नहीं आ जाता। बीजेपी को ये कहीं से भी शोभा नहीं देता कि वो 'बंटेंगे तो कटेंगे' वाली राजनीति करें। ये एक समुदाय को चाबी लगाने का काम किया जा रहा था कि लोग उकसेंगे तो लड़ेंगे। यह काम बीजेपी ने पूरे देश में किया है।

मैं कांग्रेस की सोच के साथ आगे बढ़ रही हूं- निगहत

निगहत अब्बास ने कहा, मैं कांग्रेस की सोच के साथ आगे बढ़ रही हूं कि साथ रहेंगे तो मजबूत रहेंगे। कांग्रेस में हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने की परंपरा रही है। कांग्रेस का मंच हर वर्ग के लोगों को समानता का अधिकार भी देता है और उसके अधिकारों की लड़ाई भी करता है। चाहे वो किसी भी जाति या समुदाय से आते हों। आज बीजेपी की डर और कट्टरता की राजनीति को खत्म करने का समय आ गया है।

क्यों छोड़ा बीजेपी?

निगहत ने कहा, मैं आज पहली बार कांग्रेस पार्टी के कार्यालय आई हूं, ये एक पार्टी का कार्यालय लगता है, लेकिन बीजेपी का कार्यालय एक '5 स्टार कार्यालय' है। ये तब है जब कांग्रेस की देश में ज्यादा समय तक सरकार रही है। साफ पता चलता है कि बीजेपी ने भ्रष्टाचार किया है। आज सड़क पर चलने वाला मुसलमान डरता है, यही कारण है कि मैं बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुई हूं। मुझे खुशी है कि यहां टीवी डिबेट्स में जाने से पहले बीजेपी की तरह ये नहीं बताया जाएगा कि मुसलमानों के खिलाफ बोलकर कैसे वायरल होना हैं।

'मैं ऐसे शख्स की बेटी हूं जिसने हमेशा आपकी रहनुमाई की

आपके सुख-दुख में आपका साथ दिया।', ओखला से कांग्रेस प्रत्याशी अरीबा खान का ये भाषण हो रहा वायरल

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ओखल विधानसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी अरीबा खान के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर कांग्रेस प्रत्याशी अरीबा खान ने जोरदार भाषण दिया। उनके भाषण की लोग तारीफ करते भी नजर आए। उन्होंने कहा कि ओखला क्षेत्र के लोगों के लिए ऐतिहासिक दिन है। राहुल गांधी ओखला में आए हैं। अब हम यहां पर मोहब्बत की पूरी फैक्ट्री खोलेंगे। ओखला से कांग्रेस प्रत्याशी अरीबा खान ने आगे कहा, "ए खाक नशीनों उठ बैठो, वो वक्त करीब आ पहुंचा है, जब तख्त गिराए जाएंगे, जब ताज उछाले जाएंगे। उन्होंने कहा, एक बार फिर मैं ओखला के अवाम से मुखातिब हो रही हूं। आज मैं इस इलाके के मुद्दों पर बात करूंगी। आप लोग 10 सालों से क्षेत्र की कई गंभीर समस्याओं को फेस कर रहे हैं। विकास के मसले पर प्रशासन की ज्यादती हो या केजरीवाल सरकार की बेरुखी।

मैं, इस क्षेत्र की हर तकलीफ से रूबरू हूं। आज मैं आप लोगों वादा करती हूं कि आपकी हर परेशानी को दूर करने का प्रयास करूंगी। मैं, एक ऐसे आदमी की बेटी हूं जिसने हमेशा आपकी रहनुमाई की। आपके सुख-दुख में आपका साथ दिया। अरीबा खान के मुताबिक पिछले 10 सालों में क्षेत्र के लोगों को सीवर, जर्जर सड़कें, बिजली मीटर, पीने के पानी का मसला हो या और कोई समस्या, दिल्ली सरकार ने ओखला की ओर ध्यान नहीं दिया। हम आज उस मायूसी का बदला लेने के लिए आए हैं। आप की आवाज को बुलंद करने आए हैं। अरीबा आज आपकी की तकलीफें बांटने आई है।

सैफ अली खान केस में बड़ा अपडेट, कोर्ट ने हमले के आरोपी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा

मुंबई, 29 जनवरी (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर हुए हमले के मामले में आज का दिन अहम है। इस केस के आरोपी शरीफुल शहजाद को बांद्रा कोर्ट में पेश किया गया है। जहां कोर्ट ने आरोपी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और पुलिस ने आरोपी शरीफुक इस्लाम के फेस रिकग्निशन के लिए सेम्पल एफएसएल भेजा है। पुलिस ने कहा कि कहां से हथियार खरीदे, वो हमने जांच की है। सारे हथियार रिकवर हुए हैं। गुनाह से पहले रेकी की गई है, वो जांच करनी है। कोई और साथी तो नहीं है, वो जांच करनी है। फेस रिकॉगनिशन करना है। एक टीम बंगाल गयी हुई है।

जम्मू-कश्मीर में बजट सत्र के दौरान कानून व्यवस्था से जुड़े सवाल नहीं कर पाएंगे विधायक, क्या है वजह?

जम्मू, 29 जनवरी (एजेंसियां)। कश्मीर में विधानसभा का पहला बजट सत्र जम्मू में मार्च में प्रस्तावित है। इस बजट सत्र में कोई भी विधायक जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पुलिस और कानून व्यवस्था से जुड़े सवाल नहीं पूछ पाएंगे। दरअसल जम्मू-कश्मीर में पुलिस और गृह विभाग केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है। इसलिए ऐसा करने किसी भी विधायक और जनप्रतिनिधि की लिए संभव नहीं है। मार्च में शुरू होने वाले बजट सत्र को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक तैयारी में जुटे हैं। इस सत्र में लोगों से जुड़े हुए मामलों पर कौन से सवाल उठाए जाएं और कौन से नहीं इस पर विधायक तैयारियां कर रहे हैं। लेकिन, यह विधायक विधानसभा में पुलिस और कानून व्यवस्था पर सवाल नहीं कर पाएंगे।

कानून व्यवस्था पर बहस असंभव

इसके साथ ही कानून व्यवस्था और सुरक्षा से जुड़े मामलों पर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में बहस भी नहीं हो पाएगी। लेकिन, अगर जम्मू-कश्मीर विधानसभा के स्पीकर किसी भी विशेष परिस्थिति में इसकी अनुमति दें तो यह बहस हो सकती है। वहीं जम्मू-कश्मीर सरकार को विधेयक और प्रस्ताव को लेकर उपराज्यपाल की मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी।

गृह मंत्रालय के अधीन है जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था

जम्मू-कश्मीर में संविधान विशेषज्ञ कहते हैं कि किसी भी राज्य में राज्य की अंदरुनी सुरक्षा का जिम्मा पूरी तरह से राज्य सरकार का होता है। लेकिन, अब क्योंकि जम्मू-कश्मीर राज्य से केंद्र शासित प्रदेश बन गया है, ऐसे में किसी भी केंद्र शासित प्रदेश की सुरक्षा पूरी तरह से केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास होती है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास सुरक्षा होने से पुलिस के कामकाज में स्थानीय राजनेताओं का हस्तक्षेप बंद हो जाता है। यही वजह है कि दिल्ली में भी पुलिस केंद्र सरकार के अधीन आती है।

मेरी दुल्हन को देखा है? तस्वीर लेकर लड़की को ढूंढता रहा दूल्हा, नहीं मिले घरवाले

ऊना, 29 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के ऊना में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहा हरोली के सिंगा गांव में एक बारात आई थी। लेकिन दूल्हे को बिना दुल्हन के ही वापस लौटना पड़ा। दरअसल, जिस गांव में बारात पहुंची थी, वहां न तो दुल्हन और न ही उसका घर मौजूद था। लड़कीवालों ने उनसे झूठ बोला गया था। इसके बाद दूल्हे के परिवार ने इस मामले की पुलिस से शिकायत की है। दूल्हा कुटलैहड़ के नारी अपर गांव का रहने वाला है। घरवालों के मुताबिक, पंजाब की एक महिला ने रिश्ता तय करवाया था। उसी ने लड़की की फोटो दिखाई थी। रिश्ता तय हुआ तो बैंड-बाजे के साथ वे सिंगा गांव पहुंचे। लेकिन वहां उनकी स्वागत के लिए कोई मौजूद नहीं था। जब दूल्हे के परिवारवालों ने लड़की की फोटो गांववालों को दिखाई तो उन्होंने ऐसी किसी भी लड़की के गांव में होने पर असहमति जताई। दूल्हा भी लड़की की फोटो लेकर गांव में घूमता रहा। जब लड़की नहीं मिली तो लड़के के परिवारवालों को ठगी का एहसास हुआ।

जय श्री गायत्री फूड प्रोक्ट्स कंपनी के 9 ठिकानों पर ईडी की रेड

फर्जी दस्तावेजों से व्यवसाय करने की शिकायत

भोपाल, 29 जनवरी (एजेंसियां)। भोपाल में स्थित जय श्री गायत्री फ़ूड प्रोडक्ट्स कंपनी पर ने छापा मारा है। यह कार्रवाई कंपनी के डायरेक्टर किशन मोदी, राजेंद्र प्रसाद मोदी समेत अन्य के खिलाफ है। इन पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर विदेश में बिजनेस करने और इसकी आड़ में मनी लॉंडिंग की शिकायत की है। कंपनी दूध के प्रोड्क्ट बनाकर विदेश में सप्लाई करती है। ईडी ने बुधवार सुबह 6 बजे भोपाल स्थित कंपनी के मुख्यालय समेत सीहोर और मुरैना में 9 जगह छापेमारी की है। कंपनी के डायरेक्टरों पर यह भी आरोप है कि यह मिलावटयुक्त दूध उत्पादों का उत्पादन और वितरण कर रहे है। इसके लिए फर्जी लैब सर्टिफिकेट्स का उपयोग देश और विदेश में उत्पादों को बेचने के लिए किया गया। इस मामले में एजेंसी को 63 फर्जी लैब सर्टिफिकेट्स का इस्तेमाल की जानकारी मिली है। इन सर्टिफिकेट्स से मिलावटयुकत दूध उत्पादों को बहरीन, हांगकांग, सिंगापुर, ओमान, कतर ओर यूएइ जैसे देशों में निर्यात करने किया गया।

छह माह पहले ईओडब्ल्यू ने भी थी कार्रवाई

6 माह पहले आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा भी इस मामले में कार्रवाई की गई थी, जिसमें फर्जी बिलिंग और उत्पादों में मिलावट की जांच की गई थी। अब ईडी भी इस मामले में जांच कर रहा है। इसमें विदेशी निवेश, फर्जी लैब रिपोर्ट और मनी लॉंडिंग की साजिश का खुलासा हो सकता है।

'ईज ऑफ डुइंग बिजनेस' रैंकिंग पर सुप्रिया सुले ने महायुति सरकार को घेरा, 'ओडिशा और छत्तीसगढ़ भी जैसे राज्य आगे हैं'

मुंबई, 29 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के व्यापार सरलता और देश के राजकोषीय घाटे के मामले को एनसीपी-एसपी की सांसद सुप्रिया सुले ने जोर शोर से उठाया है। उन्होंने राज्य और केंद्र दोनों ही सरकारों को सुनाया। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई से तीन साल से फिस्कल डेफिसिट मैनेजमेंट को लेकर नीति आयोग के रिपोर्ट के बारे में चेताया था। रिपोर्ट में बताया गया है कि आर्थिक और सामाजिक स्तर में गिरावट आ रही है। सुप्रिया सुले ने कहा, "अटल बिहारी वाजपेयी ने फिस्कल मैनेजमेंट नियम पेश किया था । एफआरपीएम एक्ट 2019 तक सही से चला। लेकिन इसके बाद राज्य और केंद्र सरकार द्वारा खर्च पर कितना नियंत्रण है ? ढाई साल से मैं ये विषय उठा रही हूं।

नीति आयोग की रिपोर्ट बता रही आर्थिक और सामाजिक स्तर में गिरावट हो रही है । फिस्कल डेफिसिट में हम 3 से 6 नंबर पर आ गए है।" वहीं व्यापार सरलता यानी ईज ऑफ डुइंग बिजनेस के मुद्दे पर सुप्रिया सुले ने कहा, "ईज ऑफ डुइंग बिजनस में महाराष्ट्र से आगे ओडिशा और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य आगे गए हैं। महाराष्ट्र नीचे क्यों जा रहा है ? जीएसटी कलेक्शन में राज्य आगे है। फिर आज राज्य में ऐसा क्या हुआ कि आर्थिक स्थिति खराब हुई है।" ईज ऑफ डुइंग बिजनस का इंडेक्स है जिसके माध्यम से किसी राज्य या देश में कारोबार करने की आसानी का आकलन किया जाता है। सुप्रिया सुले ने कहा कि वह बजट सत्र में ये सवाल उठाएंगी। इन मुद्दों पर सरकार को श्वेत पत्र लाना चाहिए।

माना जा रहा है कि विपक्ष बजट सत्र में कई मुद्दों पर केंद्र को घेरने की तैयारी कर रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश करेंगी। इसमें राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 4.5 प्रतिशत पर लाए जाने का लक्ष्य रखा जा सकता है।

'किसी भी आलतू-फालतू' को वोट मत देना', राघव चड्ढा ने दिल्ली चुनाव के बीच किस पर साधा निशाना?

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने गांधी नगर विधानसभा क्षेत्र में एक विशाल रोड शो का आयोजन किया। गांधी नगर सीट से आम आदमी प्रत्याशी दीपू चौधरी के समर्थन में आयोजित इस रोड शो में हजारों की तादाद में लोग शामिल हुए। रोड शो के दौरान 'भारत माता की जय' और 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारों के बीच सांसद राघव चड्ढा ने कहा, गांधी नगर विधानसभा क्षेत्र से हजारों लोग आम आदमी पार्टी के समर्थन में सामने आए हैं। गांधी नगर की जनता ने हमेशा विकास और ईमानदारी की राजनीति का समर्थन किया है। लोगों की भीड़ बता रही है कि जनता 'आप' और अरविंद केजरीवाल को आशीर्वाद देने वाली है।

मणिपुर के चुराचांदपुर में 6 रॉकेट जब्त, सेनापति जिले में अफीम की अवैध खेती की गई नष्ट

इंफाल, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों ने 6 रॉकेट जब्त किए हैं। पुलिस ने बुधवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हेंगलेप थाने के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत लोइलमकोट और नालोन क्षेत्र से सुरक्षाबलों ने 6 रॉकेट, एक लॉन्चर, एक देशी मोर्टार (पोम्पी), एक-एक 7.62 एमएम स्नाइपर राउंड और स्नाइपर मैगजीन और अन्य सामान जब्त किया गया है।

इसके अलावा पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित केसीबी-पीडब्लूजी के 2 कार्यकर्ताओं को मंगलवार को इंफाल पूर्वी जिले के मोरोक इनखोल गांव से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि ये कार्यकर्ता कथित तौर पर इंफाल के विभिन्न इलाकों में आम जनता, सरकारी अधिकारियों और दुकानों से जबरन वसूली में शामिल थे। उनके कब्जे से 9 एमएम की एक पिस्तौल, मैगजीन के साथ 9 एमएम के 7 कारतूस जब्त किए गए हैं। वहीं, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन। बिरेन सिंह ने बुधवार को कहा कि सेनापति जिले में 4.8 हेक्टेयर भूभाग में फैली अवैध अफीम की खेती को नष्ट कर दिया गया है। 'एक्स' पर एक पोस्ट में सिंह ने कहा, 'ड्रग्स के खिलाफ हमारी लड़ाई में मिली एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में सेनापति पुलिस, वन विभाग और जिला प्रशासन ने साझा अभियान चलाकर सेनापति के कांगजांग हिल्स में 4.8 हेक्टेयर भूभाग में फैली अवैध अफीम की खेती को नष्ट कर दिया है।' सीएम सिंह ने मंगलवार को चलाए गए ऑपरेशन की सफलता के लिए टीमों की सराहना भी की। उन्होंने कहा, 'मैं टीमों के समर्पण और प्रयासों की सराहना करता हूं। मादक पदार्थ के खिलाफ लड़ाई सिर्फ कानून प्रवर्तन का प्रयास नहीं है, बल्कि एक सामूहिक जिम्मेदारी है। मैं सभी नागरिकों से आग्रह करता हूं कि वे नशा मुक्त, स्वस्थ और अधिक समृद्ध मणिपुर के निर्माण में हमारे साथ खड़े हों।' बता दें कि मणिपुर में बड़े पैमाने पर अफीम की अवैध खेती होती है और मौजूदा सरकार ने इसके समूल नाश का संकल्प लिया है। पिछले कुछ ही हफ्तों में मणिपुर में अफीम की सैकड़ों एकड़ अवैध खेती को नष्ट किया जा चुका है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 30 जनवरी, 2025 3

सुविचार

छोटी छोटी खुशियां ही तो
जीने का सहारा बनती हैं !
इच्छाओं का क्या!
वो तो पल-पल बदलती हैं !

घर-घर जाकर किया गया व्यापक पारिवारिक सर्वेक्षण एक बड़ी सफलता : रेवंत रेड्डी

दो फरवरी को कैबिनेट उप-समिति को अंतिम रिपोर्ट सौंपी जाएगी

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना राज्य में व्यापक जाति जनगणना के सफल समापन पर समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में किए गए व्यापक घर-घर सर्वेक्षण ने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया और राज्य सरकार को सर्वेक्षण के सफल संचालन के लिए देश भर में सराहना मिली।उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा, उत्तम कुमार रेड्डी, सीतक्का, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, सरकारी सलाहकार के. केशव राव, पूर्व मंत्री जना रेड्डी, सरकार की मुख्य सचिव शांति कुमारी और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने आज (बुधवार) एकीकृत कमान नियंत्रण केंद्र में समीक्षा बैठक में भाग लिया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने व्यापक पारिवारिक सर्वेक्षण के सफल संचालन में शामिल अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी।

सीएम ने कहा कि जाति जनगणना के परिणाम सभी पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक और कमजोर वर्गों के सामाजिक सशक्तिकरण और व्यापक विकास के लिए उपयोगी होंगे। सर्वेक्षण का सफल संचालन विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए वादे को पूरा करने में सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है, सीएम ने कहा कि सांख्यिकीय डेटा का उपयोग सरकार द्वारा गठित पिछड़ा वर्ग समर्पित आयोग द्वारा किया जा रहा है। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि सर्वेक्षण डेटा प्रविष्टि पूरी हो चुकी है और एक या दो दिन में एक मसौदा रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को 2 फरवरी तक कैबिनेट सब-कमेटी को अंतिम रिपोर्ट सौंपने के आदेश दिए। राज्य सरकार ने 6 नवंबर को व्यापक घरेलू सर्वेक्षण (सामाजिक-आर्थिक शिक्षा रोजगार, राजनीतिक जाति सर्वेक्षण 2024) शुरू किया था। दिसंबर के पहले सप्ताह में सभी जिलों में सर्वेक्षण पूरा हो गया है। राज्य नियोजन विभाग द्वारा "महायज्ञ" के रूप में लिए गए घरेलू सर्वेक्षण में गणनाकार, पर्यवेक्षक और डेटा एंट्री ऑपरेटरों सहित एक लाख से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया।

सर्वेक्षण में राज्य में लगभग 1.16 करोड़ परिवारों की पहचान की गई। गणनाकारों ने प्रत्येक परिवार का घर-घर जाकर सर्वेक्षण किया और विवरण दर्ज किया। सर्वेक्षण टीमों ने 96 प्रतिशत से अधिक परिवारों का विवरण एकत्र किया। सभी विवरणों की डेटा प्रविष्टि भी पूरी हो गई है। अधिकारियों ने सीएम को बताया कि कुछ परिवारों ने विभिन्न कारणों से सर्वेक्षण में भाग नहीं लिया है जैसे कुछ परिवारों ने विवरण देने से इनकार कर दिया, कुछ घरों में ताले लगे थे और कुछ परिवार उपलब्ध नहीं थे। सत्ता संभालने के दो महीने के भीतर ही 4 फरवरी को सीएम के नेतृत्व में हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में घर-घर जाकर परिवार सर्वेक्षण के माध्यम से जाति जनगणना कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। सरकार ने 16 फरवरी को सर्वेक्षण कराने के लिए विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया। राज्य सरकार ने जाति जनगणना के तहत घर-घर जाकर सर्वेक्षण कराने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं को अंतिम रूप देने के लिए 12 सितंबर को कैबिनेट उप-समिति का गठन किया था। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय उप-समिति ने कई बार बैठक कर सिफारिशें कीं।

सीएम रेवंत रेड्डी ने 9 अक्टूबर को कैबिनेट उप-समिति द्वारा की गई सिफारिशों पर चर्चा की। सामाजिक-आर्थिक, शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक जाति जनगणना के नाम पर सर्वेक्षण कराने के लिए योजना विभाग को नोडल एजेंसी नियुक्त किया गया है। योजना विभाग ने सर्वेक्षण कराने की पूरी प्रक्रियाओं के साथ 10 अक्टूबर को जी0 नंबर 18 जारी किया।

सीएम ने महाकुंभ मेले में हुई भगदड़ पर दुख व्यक्त किया

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने प्रयागराज में महाकुंभ मेले में हुई भगदड़ की घटना पर दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने इस घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार से पीड़ित परिवारों की सहायता करने और घायलों को उचित उपचार उपलब्ध कराने की अपील की। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना सरकार राज्य सरकार की ओर से आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।

किसानों की परेशानी को नजरअंदाज कर रही सरकार : कविता

मूंगफली किसानों की दुर्दशा को लेकर साधा निशाना

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के कविता ने महबूबनगर में मूंगफली किसानों के सामने आ रहे संकट को लेकर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि वह किसानों की परेशानी को नजरअंदाज कर रही है, जबकि व्यापारी किसानों का शोषण कर रहे हैं, जबकि कीमतें उचित नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि किसान कम उपज और अनुचित मूल्य निर्धारण से जूझ रहे हैं, फिर भी सरकार उनकी पीड़ा के प्रति अंधी बनी हुई है। कविता ने प्रशासन की आलोचना करते हुए कहा कि प्रशासन व्यापारियों और कमीशन एजेंटों को बाजार की कीमतों में हेरफेर करने की अनुमति देता है, जबकि बाजार में पुलिस की मौजूदगी किसानों की परेशानी को और बढ़ा देती है। कांग्रेस सरकार को गिद्ध बताते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि किसान समुदाय उसकी उदासीनता को माफ नहीं करेगा। उन्होंने उचित मूल्य सुनिश्चित करने और शोषण पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की और सरकार से स्थिति बिगड़ने से पहले ही जागने का आग्रह किया।

सभी को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना चाहिए : सुधीर बाबू

राचकोंडा कमिश्नर ने सड़क सुरक्षा के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना पैदा की

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट द्वारा राचकोंडा सुरक्षा परिषद (आरकेएससी) के सहयोग से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के उपलक्ष्य में अध्यक्ष जी सुधीर बाबू, पुलिस कमिश्नर, राचकोंडा के नेतृत्व में एक मेगा इवेंट "सड़क सुरक्षा माह-2025" का आयोजन किया गया। एसीई इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित इस कार्यक्रम में एसीई इंजीनियरिंग कॉलेज, विज्ञान महिला इंजीनियरिंग कॉलेज और संस्कृति इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों के साथ-साथ कॉलेज के बस चालक, ऑटो चालक और श्रीनिवास ट्रू एंड ट्रैवल्स के चालक शामिल हुए। इस सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण जागरूकता सत्र में लगभग 1200 से अधिक लोगों ने भाग लिया।मुख्य गणमान्य व्यक्ति, डीसीपी सड़क सुरक्षा

के मनोहर, डीसीपी यातायात-1 एस मल्ला रेड्डी और डीसीपी यातायात-2 वी श्रीनिवासुलु ने व्यावहारिक विचार साझा किए और छात्रों को वाहन चलाते समय अपने प्रियजनों के प्रति सचेत रहने की सलाह दी।

इस कार्यक्रम में सड़क दुर्घटना के शिकार लोगों के माता-पिता भी शामिल हुए, जिन्होंने अपने अनुभव साझा किए और दर्शकों से सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू आईपीएस ने सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने में ड्राइवरों और छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

उन्होंने उन्हें दुर्घटनाओं को रोकने में पुलिस का समर्थन करते हुए "यातायात योद्धा" बनने के लिए प्रोत्साहित किया। आयुक्त ने विभिन्न सुरक्षा मुद्दों पर जागरूकता को बढ़ावा देने में राचकोंडा सुरक्षा परिषद के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने जिम्मेदार व्यवहार के महत्व पर जोर दिया, छात्रों और ड्राइवरों से सड़क पर चलते, साइकिल चलाते या सवारी करते समय सतर्क रहने का आग्रह किया। इसके अलावा, उन्होंने सभी से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की शपथ ली, इस बात पर प्रकाश डाला कि यह सामूहिक प्रयास सभी के लिए सड़कों को सुरक्षित बना सकता है।

आयुक्त ने एसीई इंजीनियरिंग कॉलेज प्रबंधन के सहयोग की भी सराहना की और ट्रैफिक मार्शलों की स्वैच्छिक सेवाओं की सराहना की और उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य प्रतिभागियों में मुख्य समन्वयक सुश्री सावित्री मुथ्याला, सड़क सुरक्षा-समन्वयक एम आर राजेश और जगन यादव, सूर्यनारायण राचकोंडा सुरक्षा परिषद और सड़क सुरक्षा भी शामिल थे, साथ ही ट्रैफिक सीआई जोसेफ, प्रदीप, ट्रैफिक एसीपी, एसएचओ घटकेसर और ट्रैफिक इंस्पेक्टर भी मौजूद थे। इसके अलावा, श्रीमती अर्चना और इंस्पेक्टर भिक्षापति ने भी कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एससीआर चलाएगा अतिरिक्त महाकुंभ मेला विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महाकुंभ मेले में भाग लेने वाले यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने विभिन्न गंतव्यों के बीच चार अतिरिक्त महाकुंभ मेला विशेष ट्रेनों की घोषणा की है। तदनुसार, ट्रेन संख्या 07079 चर्लापल्ली-दानापुर 5 फरवरी और 7 फरवरी को दोपहर 3 बजे रवाना होगी, जबकि ट्रेन संख्या दानापुर-चर्लापल्ली 7 फरवरी को दोपहर 3 बजे और 9 फरवरी को दोपहर 3.15 बजे रवाना होगी। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि विशेष रेलगाड़ियों में 2ए, 3ए, 3ई, स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे होंगे।

मंत्री ने नए कैलेंडर का अनावरण किया

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास और सूचना और नागरिक संबंध मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि राज्य के विकास और सार्वजनिक कल्याण के लिए जनता सरकार द्वारा कार्यान्वित विकास और कल्याणकारी योजनाओं को समझने और उनसे लाभ उठाने के लिए जनता के लिए एक व्यापक अभियान चलाया जाना चाहिए। मंत्री ने बुधवार को हैदराबाद में अपने कैंप कार्यालय में सूचना नागरिक संबंध कर्मचारी संघ द्वारा तैयार वर्ष 2025 के लिए नए कैलेंडर का अनावरण किया। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का गांव के लोगों तक व्यापक प्रचार-प्रसार करें। कार्यक्रम में अतिरिक्त निदेशक डी.एस. जगन, उपनिदेशक मधुसूदन एवं सहायक निदेशक लक्ष्मण कुमार ने भाग लिया।

स्वीकृत आवासों का निर्माण शीघ्र कराया जाए : पोंगुलेटी

मंत्री ने अधिकारियों के साथ इंदिरम्मा घरों की समीक्षा की

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास और सूचना मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों को तेलंगाना सरकार द्वारा शुरू की गई प्रतिष्ठित इंदिराम्मा हाउसिंग योजना में बिना किसी अनियमितता या भ्रष्टाचार के लाभार्थियों को लाभ पहुंचाने के लिए प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग करने का निर्देश दिया है। बुधवार को मंत्री ने डॉ. बीआर अंबेडकर सचिवालय में अधिकारियों के साथ इंदिरम्मा के घरों की समीक्षा की। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने खुलासा किया कि लाभार्थियों के चयन से लेकर घरों के निर्माण के पूरा होने तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को पारदर्शी तरीके से चुनने के लिए एक विशेष ऐप पहले ही बनाया जा चुका है और एक सर्वेक्षण आयोजित किया गया है और किसी भी हेरफेर की गुंजाइश के बिना राज्य में कहीं से भी दैनिक आधार पर घर निर्माण की प्रगति की निगरानी के लिए एआई का उपयोग करने का निर्णय लिया गया है। गृह निर्माण एवं भुगतान में।

वास्तविक गरीबों की पहचान के लिए अत्याधुनिक तकनीक लागू की जा रही है। अधिकारियों को सलाह दी गई कि वे मोबाइल ऐप के माध्यम से किए गए सर्वेक्षण विवरण की क्लाउड-आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक से तुलना करके अपात्रों की पहचान करें और पात्र का चयन करें। यह पता चला है कि घरों के निर्माण के लिए भुगतान चार चरणों में किया जाएगा और इन भुगतानों में किसी भी देरी के बिना समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए एआई तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि इन प्रक्रियाओं से राजनीति की भागीदारी के बिना और अन्य प्रभावशाली विभागों के हस्तक्षेप के बिना लाभार्थियों के चयन में मदद मिलेगी और जो लोग अपात्र हैं उनकी पूरी तरह से पहचान करने का अवसर इस नई तकनीक के कारण संभव होगा। इंदिराम्मा इंडला योजना 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई 4 प्रतिष्ठित योजनाओं में से एक है। पहले चरण में आवासीय भूमि पाने वाले 72,000 लाभार्थियों को अनुदान के दस्तावेज सौंप दिए गए हैं और अधिकारियों को इन घरों का निर्माण कार्य तुरंत शुरू करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया गया है. उन्होंने कहा कि आवास आवंटन के पहले चरण में गरीबों, विकलांगों, विधवाओं और ट्रांसजेंडरों को प्राथमिकता दी जाएगी। बैठक में आवास सचिव ज्योति बुद्ध प्रकाश, आवास निगम के प्रबंध निदेशक वी.पी. गौतम एवं अन्य ने भाग लिया।

धर्मस्व मंत्री ने महाकुंभ हादसे पर दुख जताया

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वन व पर्यावरण और धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने मौनी अमावस्या के मौके पर प्रयागराज के महाकुंभ मेले में हुई भगदड़ की घटना पर दुख जताया।मंत्री सुरेखा ने इस बात पर गहरा दुख व्यक्त किया कि इस दुर्घटना में कई श्रद्धालुओं की जान चली गई और अन्य घायल हो गए। मंत्री सुरेखा ने याद दिलाया कि 70 साल पहले प्रयाग राज में आयोजित कुंभ मेले में मौनी अमावस्या के दिन हुई भगदड़ में सैकड़ों श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। मंत्री सुरेखा ने हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया। मंत्री सुरेखा ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ-साथ केंद्र सरकार से महाकुंभ मेले में आने वाले भक्तों की भारी संख्या को देखते हुए उचित सावधानी बरतने को कहा क्योंकि आने वाले दिनों में वसंत पंचमी, अचला नवमी और महाशिवरात्रि जैसे महत्वपूर्ण दिन हैं। मंत्री सुरेखा ने इस त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। घायल तीर्थयात्रियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

CAUTION NOTICE

General Public is/are hereby informed that I **Sunanda Patil,** (Managing Partner), R/o.plot no.80 SVCE Phase III Balanagar. Hyderabad, Telangana State, and having partnership in the name and style of **M/s SRI ASHOKA INDUSTRIES,** situated at Plot No.80, Kukatpally - Hyderabad and as the same is registered vide No Firm:3315/1987, as such some other third parties and person's or company's shall not make any transactions with any parties on the individual as well as above mentioned company, on partnership. In spite of this caution notice, if the person's deals with any person's who alleged to be claiming the said company's, he/they/she/ may be responsible for all the costs and consequence arising there from, and my clients are no away responsible or liable for the same.

Sd/-
SUNANDA PATIL
Managing Partner in
M/s Sri Ashoka Industries
Mobile:9849204040

वरिष्ठ सीडीएफडी वैज्ञानिक भारतीय विज्ञान अकादमी की फेलो चुनी गई

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एवं डायग्नोस्टिक्स केंद्र (सीडीएफडी) की स्टाफ साइंटिस्ट एवं सेल सिग्नलिंग लैब की प्रमुख डॉ. रशना भंडारी को भारतीय विज्ञान अकादमी का फेलो चुना गया है। सीडीएफडी की ओर से बुधवार को जारी एक बयान में कहा गया कि यह सम्मान भारत में वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों के लिए सर्वोच्च सम्मानों में से एक है, जो कोशिका जीव विज्ञान के क्षेत्र में डॉ. भंडारी के उल्लेखनीय योगदान का सम्मान करता है। भारतीय विज्ञान अकादमी की फेलोशिप उन व्यक्तियों को प्रदान की जाती है जिन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया है तथा अनुसंधान में निरंतर उत्कृष्टता प्रदर्शित की है। कोशिकीय संकेत मार्गों और रोग तंत्र में उनकी भूमिका के अध्ययन में डॉ. भंडारी के कार्य ने कोशिकीय प्रक्रियाओं और चिकित्सीय अनुप्रयोगों के लिए उनके निहितार्थों की समझ को महत्वपूर्ण रूप से उन्नत किया है।

IN THE COURT OF THE 1 SENIOR CIVIL JUDGE : CITY CIVIL COURT : AT HYDERABAD

O. P. No. 163 OF 2024

Between:
Smt. Sadhana Jain and 2 others
..... Petitioners
AND
Datamatics Business Solutions Ltd. and all concerned .... Respondents

To
ALL CONCERNED

Take notice that the above Petitioners filed O.P. for declaring that they are successors of deceased Vikas Jain and for issuance of Succession Certificate in their favour. If anyone has got any objections or claims against grant of succession certificate by the Hon'ble Court, they may appear before the Hon'ble Court alongwith relevant documents, on **28.02.2025** at **10.30 am** and if no claims or objections received by the Hon'ble court, the Hon'ble Court may proceed to determine the matter on merits.

(BY ORDER OF THE COURT)
G.VASANTHA RAYUDU,
Advocate,
Flat No.16, Surya Complex,
Durganagar Colony, Panjagutta,
Hyderabad - 500 082.
Counsel for the Petitioners

हैदराबाद में 1 फरवरी को आंशिक रूप से बाधित रहेगी पेयजल आपूर्ति

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के कई हिस्सों में एक फरवरी को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक पेयजल आपूर्ति आंशिक रूप से बाधित रहेगी। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड ने एक प्रेस विज्ञप्ति में उपभोक्ताओं को सूचित किया कि नसरलापल्ली सबस्टेशन में 132 केवी बल्क लोड फीडर पीटी की मरम्मत की गई है और टीजी ट्रांसको के अधिकारी 1 फरवरी को मरम्मत करेंगे। इससे जलाशयों से आच्छादित तथा कृष्णा चरण-1, 2, 3 से आपूर्ति किए जाने वाले क्षेत्रों में छह घंटे तक पेयजल आपूर्ति आंशिक रूप से बाधित रहेगी।

आंशिक कटौती से प्रभावित क्षेत्रों में मिरालम, किशन बाग, अलजुबैल कॉलोनी, शास्त्रीपुरम, संतोष नगर, विनय नगर, सैदाबाद, चंचलगुडा, असमन गढ़, याकूतपुरा, मदन्नापेट, महबूब मेंशन, भोजागुट्टा, शेखपेट, बोग्गुलकुंटा, अफजलगंज, अल्लाबंदा, नारायणगुडा, आदिकमेट, शिवम रोड, चिलकलगुडा शामिल हैं। अन्य प्रभावित क्षेत्र जुबली हिल्स, फिल्म नगर, प्रशसन नगर, तारनाका, लालापेट, बौधनगर, मारेडपल्ली, रेलवे, एमईएस, छावनी, प्रकाश नगर, पतिगड्डा, रियासत नगर, अलियाबाद, बंदलागुडा, हसमतपेट, फिरोजगुडा, गौतम नगर, साहेब नगर, वैशालीनगर, अलकापुरी, बीएन रेड्डी नगर, वनस्थलीपुरम, ऑटोनगर हैं।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महेंद्र हिल्स, रामनाथपुर, उप्पल, नाचाराम, हब्सीगुडा, चिल्कानगर, देवेंदर नगर, गाचीबोवली, माधापुर, अयप्पा सोसाइटी, दुर्गानगर, बुडवेल, गोल्डन हाइट्स, हार्डवेयर पार्क, गंधमगुडा, बोडुप्पल, मल्लिकार्जुन नगर, चेंगिचेरला, भारत नगर, आनंद नगर चौराहा, पीरज़ादिगुडा, मीरपेट, कुर्मागुडा, लेनिन नगर और बदांगपेट में भी पानी की आपूर्ति प्रभावित होगी। जल बोर्ड ने प्रभावित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से पानी का संयम से उपयोग करने का आग्रह किया है।

फार्मेसी की छात्रा ने की आत्महत्या

करीमनगर, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुछ दिन पहले आत्महत्या का प्रयास करने वाली फार्मेसी की छात्रा साईचंदना (21) की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। हुजुराबाद की मूल निवासी साईचंदना हनमकोंडा के एक निजी कॉलेज में फार्मेसी की पढ़ाई कर रही थी। 26 जनवरी को उसने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। छात्रों और प्रबंधन ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। छात्र संघों ने साईचंदना की मौत पर संदेह जताया है।

अक्षरा चिटफंड घोटाले के मालिक को बचा रहे हैं केसीआर : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं बीआरएस अध्यक्ष कलवकुंतला चंद्रशेखर राव के बारे में अपनी टिप्पणी से एक बार फिर ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर अक्षरा चिटफंड के अध्यक्ष को बचा रहे हैं, जो एक ऐसा संगठन है जिसने कई जमाकर्ताओं से करोड़ों रुपये की बड़ी रकम ठगी है। मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने बुधवार को गांधी भवन में आयोजित आमने-सामने बातचीत कार्यक्रम के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता के साथ चर्चा की। इसके बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने तेलंगाना में अक्षरा चिटफंड घोटाले की तुलना आंध्र प्रदेश में पहले हुए एग्रीगोल्ड घोटाले से की। उन्होंने कहा कि इस मामले की विस्तृत जांच के लिए राज्य के डीजीपी को निर्देश दिया गया है।

इसके अलावा, मंत्री ने उल्लेख किया कि वे अक्षरा चिट फंड घोटाले से जुड़ी अनियमितताओं को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से संवाद करेंगे। मंत्री ने आगे कहा कि पूर्व मंत्री एर्राबेली दयाकर राव और के चंद्रशेखर राव के साथ घनिष्ठ संबंधों के कारण पेराला श्रीनिवास राव नामक व्यक्ति को वर्षों से संरक्षण प्राप्त है।

तेलंगाना के लुप्तप्राय गिद्ध महाराष्ट्र की ओर कर रहे पलायन

कुमराम भीम आसिफाबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लुप्तप्राय लंबी चोंच वाले भारतीय गिद्ध (जिप्स इंडिकस) अब पेंचिकलपेट मंडल के नंदीगांव गांव के पास पलारापु चट्टान पर स्थित गिद्ध कॉलोनी में रहने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। 2013 में पेड्डावगु और प्राणहिता के संगम पर स्थित पलारापु गुट्टालु (चट्टानों) पर वन अधिकारियों ने 10 लंबी चोंच वाले गिद्धों की एक कॉलोनी की खोज की थी। प्रतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन और योजना प्राधिकरण (सीएएमपीए) द्वारा वित्तपोषित एक गिद्ध संरक्षण परियोजना जनवरी 2015 में शुरू हुई थी। तदनुसार, एक फील्ड बायोलॉजिस्ट और पांच पक्षी ट्रैकर्स नियुक्त किए गए थे। 2022 तक कॉलोनी में लगभग 20 वयस्क पक्षी और 10 बच्चे रहते थे।

हालांकि, पिछले कुछ समय में गिद्धों की संख्या में कमी आई है। पिछले कुछ महीनों से वे कॉलोनी में नहीं रह रहे हैं। वे पड़ोसी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के कमलापुर में गिद्ध अभयारण्य में चले गए हैं, कथित तौर पर इसलिए क्योंकि उन्हें वहां अधिकारियों द्वारा परोसा गया 'अतिरिक्त' भोजन मिल गया। कागजनगर वन प्रभाग के अधिकारी सुशांत सुखदिर ने बताया कि दो हफ़्ते पहले यहां कॉलोनी में गिद्धों के दो जोड़े देखे गए थे। वे कमलापुर में अभयारण्य का दौरा कर रहे हैं और नियमित अंतराल पर यहां लौट रहे हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे कि उन्हें भोजन की तलाश में कहीं और न जाना पड़े।

वन अधिकारियों ने कहा कि वे जल्द ही कमलापुर में अभयारण्य का दौरा करेंगे और पक्षियों के प्रभावी संरक्षण के लिए अपने उपायों का पता लगाएंगे। वे पक्षियों की सुरक्षा के तरीकों पर चर्चा करने के लिए तेलंगाना और महाराष्ट्र दोनों के अधिकारियों के साथ एक अंतर-राज्यीय बैठक आयोजित करने की भी योजना बना रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि वे पर्यावरण में गिद्धों के लाभों के बारे में ग्रामीणों के बीच पहले से ही जागरूकता बढ़ा रहे हैं।

आलू बीन रहे बच्चे के हाथ में फटा देसी बम, चपेट में आकर दो बच्चे झुलसे

मुरादाबाद, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मुरादाबाद में पुलिस महकमे में उस समय हड़कंप मच गया, जब आलू बीन रहे एक बच्चे के हाथ में देसी बम फट गया। घटना थाना पाकबड़ा क्षेत्र के गांव करनपुर के जंगल में हुई। इसमें दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दौरान बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया। बम विस्फोट में घायल दो बच्चों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। बता दें कि आलू की फसल समाप्त होने के बाद खेत की जुताई कर दी थी। इसके बाद भी खेत में जगह-जगह आलू रह गए थे।

उसको बीनने के लिए बच्चे खेत में गए थे। बच्चे आलू को इकट्ठे करने लगे। इसी दौरान अचानक बच्चों के हाथ में खेत में प्लास्टिक की थैली में छिपा कर रखा सामान मिल गया। बच्चों ने थैली उठा ली और उसे खोलकर देखने लगे। उन्होंने देखा कि थैली के अंदर बम हैं। बच्चों ने उसे फेंक दिया। इसी दौरान एक के बाद ब्लास्ट होने शुरू हो गए। खेत में बम ब्लास्ट की घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। गांव में चारों ओर पुलिस तैनात कर दी गई है।

कुंभ की भगदड़ में गोंडा के एक श्रद्धालु की मौत

गोंडा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या स्नान से पहले भारी भीड़ के बीच भगदड़ मच गई, जिसमें गोंडा के 47 वर्षीय श्रद्धालु ननकन की दर्दनाक मौत हो गई। वह अपनी पत्नी रामादेवी (35) और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ संगम स्नान के लिए आए थे। गोंडा के रुपईडीह गांव निवासी ननकन अफवाह के कारण अचानक फैली भगदड़ में फंस गए। चश्मदीदों के मुताबिक, भारी भीड़ के चलते सड़कों पर जाम लग गया, और इसी दौरान धक्का-मुक्की के बीच ननकन गिर पड़े।

वहां मौजूद प्रशासन की लापरवाही से हालात और बिगड़ गए। ननकन अपने पीछे पत्नी और तीन बेटे—राहुल, अजय और विजय को छोड़ गए हैं। बड़े बेटे राहुल की शादी हो चुकी है। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने प्रयागराज प्रशासन से जल्द से जल्द शव सौंपने की मांग की है।

बलिया में किशोरी ने फांसी लगाकर दी जान

बलिया, 29 जनवरी (एजेंसियां)। बलिया जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बैरिया थाना क्षेत्र के गंगोली, केहरपुर गांव में 16 वर्षीय किशोरी ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतका की पहचान निधि प्रजापति पुत्री पंचरत्न प्रजापति के रूप में हुई है। घटना के समय मृतका की मां सुशीला देवी घर से बाहर गई हुई थीं। जब वह वापस लौटीं और बेटी को आवाज दी, तो कोई जवाब नहीं मिला। चिंतित होकर जब वह बेटी के कमरे में गईं, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्होंने अपनी बेटी को फंदे पर लटका हुआ देखा। चीख-पुकार मचने पर आस-पड़ोस के लोग इकट्ठे हो गए। जानकारी के अनुसार, निधि अपनी मां के साथ घर पर रहती थी, जबकि उसके पिता और भाई रोजी-रोटी के लिए बाहर प्राइवेट नौकरी करते हैं।

चुनाव प्रचार के दौरान पार्षद प्रत्याशी को मार डाला था

दो साल बाद कोर्ट ने सुनाई पांच को उम्रकैद की सजा

सुपौल, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 18 में जनता रोड पेट्रोल पंप के समीप करीब दो वर्ष पूर्व बहुचर्चित वार्ड पार्षद प्रत्याशी रोहित कुमार मणि की गोली मार कर हत्या मामले में पांच लोगों को कोर्ट ने सजा सुनाई है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनंत सिंह की कोर्ट ने त्रिवेणीगंज थाना कांड सं-580/22 से जनित सत्रवाद सं-256/23 में मंगलवार को त्रिवेणीगंज बाजार के आदर्श मुहल्ला निवासी चिंटू सिंह उर्फ राजकुमार सिंह, रौशन पोद्दार, दीपक कुमार, महेशुआ वार्ड 11 निवासी मो उज्जेर आलम उर्फ गुड्डू, नरहा-बघला वार्ड 16 निवासी धीरज कुमार को भादवि की धारा-302/34 एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत दोषी पाते हुए धारा-302/34 के तहत आजीवन कारावास एवं 10,000/- रुपए का अर्थदंड, चिंटू सिंह को धारा 27 आर्म्स एक्ट के तहत 4 वर्ष कारावास एवं 5,000 रुपए अर्थदंड सुनाया है। अर्थदंड की राशि भुगतान नहीं करने पर छः माह की अतिरिक्त साधारण कारावास सुनाई गई है। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेगी।

सोनभद्र में 10 करोड़ का अवैध गांजा नष्ट

सोनभद्र, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सोनभद्र में पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर करीब 10 करोड़ रुपए मूल्य का अवैध गांजा नष्ट किया। यह कार्रवाई अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री डाला में की गई, जहां विभिन्न मुकदमों में जब्त किया गया गांजा वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में नष्ट किया गया। बभनी पुलिस ने 23 अलग-अलग मामलों में जब्त किया गया 3,931.325 किलोग्राम गांजा नष्ट किया, जिसकी कीमत लगभग 9 करोड़ 83 लाख रुपए आंकी गई है। वहीं, अनपरा पुलिस ने 29 मामलों में बरामद 55.15 किलोग्राम गांजा को नष्ट किया, जिसकी कीमत 13 लाख 78 हजार रुपए बताई गई है। इस प्रकार कुल 52 मामलों में जब्त किया गया करीब 3,986 किलोग्राम गांजा, जिसकी कुल कीमत लगभग 9 करोड़ 97 लाख रुपए है, को कानूनी प्रक्रिया के तहत नष्ट किया गया। यह कार्रवाई मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में नशीले पदार्थों के कारोबार पर अंकुश लगाना है।

नोएडा में पकड़ी गई 10 लाख 80 हजार की शराब

नोएडा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा की शराब को तस्करी कर बिहार ले जा रहे एक वाहन को आबकारी और थाना दादरी पुलिस ने ज्वाइंट आपरेशन के बाद पकड़ा। इसमें अलग-अलग ब्रांड की 135 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की गई। इसकी कुल कीमत करीब 10 लाख 80 हजार रुपए आंकी गई है। आबकारी विभाग और थाना दादरी की टीम संयुक्त रूप से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे से उतरने वाले लोहारली कट टोल प्लाजा पर वाहन चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक टाटा अल्ट्रा गुड्स करियर यूपी 15 ईटी 2309 रोक कर चेक किया गया। वाहन में मुरमुरे की बोरियों के पीछे छुपा कर रखी गई भारी मात्रा में शराब की खेप बरामद की गई। इसमें अंग्रजी शराब की रॉयल ग्रीन 375 एमएल की 20 पेटी , रॉयल ग्रीन 180 एमएल की 30 पेटी, ऑफिसर्स चॉइस ब्लू 180 एमएल 20 पेटी , इंपीरियल ब्लू 750 एमएल की 10 पेटी , इंपीरियल ब्लू 180 एमएल की 10 पेटी , मैक्डोवेल' नंबर-1 750 एमएल की 10 पेटी , मैक्डोवेल' नंबर-1 180 एमएल की 35 पेटी कुल 135 पेटी बरामद की गई।

मोतिहारी में मछली व्यापारी से 4.60 लाख रुपए की लूट

मोतिहारी, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मोतिहारी में होलसेल मछली व्यापारी से लूट की घटना सामने आई है। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के सोनबरसा में व्यापारी राजन कुमार पर पांच बदमाशों ने हमला कर 4.60 लाख रुपए और सोने की चेन लूट ली। घटना सोनबरसा वार्ड नंबर सात के सिवान टोला में हुई। जब नारायण सहनी के बेटे राजन कुमार अपनी होलसेल मछली की दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। रास्ते में श्रीलाल सहनी, रामविनय सहनी, रूपेश सहनी, सुरेंद्र सहनी और परवेश सहनी ने उन्हें घेर लिया और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में राजन का सिर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल राजन को पहले सीएचसी हरसिद्धि ले जाया गया। वहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने मोतिहारी सदर अस्पताल रेफर कर दिया। पीड़ित ने हरसिद्धि थाने में घटना की शिकायत दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा के अनुसार एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है

आजम खान के डटे रहो यह कलक्टर-पलक्टर से मत डरियो, ये तनखइया हैं

बयान पर बरेली के पुलिसकर्मी समेत इनके गैर-जमानती वारंट

बरेली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खान के 'कलक्टर-पलक्टर' वाले विवादित बयान को लेकर चल रहे मुकदमे में बरेली के दारोगा समेत तीन पुलिसकर्मियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी हुए हैं। इनमें एक उपनिरीक्षक बरेली में तैनात हैं, एक सेवानिवृत्त हो चुके हैं, जबकि तीसरे पुलिसकर्मी स्वार कोतवाली में आरक्षी के पद पर कार्यरत हैं। यह मामला 2019 के लोकसभा चुनाव से जुड़ा है, जब आजम खान पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ रहे थे।

उस समय सपा और बसपा का गठबंधन था, और रामपुर लोकसभा सीट सपा के खाते में आई थी। चुनाव प्रचार के दौरान आजम खान ने कई बार विवादित बयान दिए थे, जिनके चलते उनके खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन के कई मामले विभिन्न थानों में दर्ज हुए थे। चुनाव प्रचार के दौरान आजम खान का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह वाहन पर खड़े होकर माइक से बोलते नजर आ रहे थे।

उन्होंने कहा थाः इस बयान के चलते उनके खिलाफ थाना भोट में एक मुकदमा दर्ज हुआ था। यह मुकदमा एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) में चल रहा है, जहां गवाही की प्रक्रिया जारी है। न्यायालय ने इस मामले में तीन पुलिसकर्मियों को गवाही के लिए तलब किया था, लेकिन हाजिर न होने पर उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया गया। ये पुलिसकर्मी हैंः इन गवाहों के अदालत में पेश न होने पर एमपी-एमएलए कोर्ट ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर दिए। अब पुलिस को उन्हें जल्द से जल्द अदालत में पेश करना होगा।

अभी तो कई महास्नान होने हैं'

महाकुंभ में भगदड़ को लेकर राहुल गांधी का पहला रिएक्शन आया

प्रयागराज, 29 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में मची भगदड़ को लेकर अब कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का भी बयान सामने आया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखकर इस घटना पर दुख जताया है। राहुल गांधी ने कुप्रबंधन, बदइंतजामी का जिक करके योगी सरकार को नसीहत भी दी है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ के कारण कई लोगों के मौत और कईयों के घायल होने की ख़बर अत्यंत दुखद है। शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं। राहुल गांधी ने आगे कहा, इस दुखद घटना के लिए कुप्रबंधन, बदइंतजामी और आम श्रद्धालुओं की जगह वीआईपी मूवमेंट पर प्रशासन का विशेष ध्यान होना ज़िम्मेदार है। अभी महाकुंभ का काफी समय बचा हुआ है, कई और महास्नान होने हैं। आज जैसी दुखद घटना आगे न हो इसके लिए सरकार को व्यवस्था में सुधार करना चाहिए।

वीआईपी कल्चर पर लगे लगाम-राहुल गांधी

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर आगे लिखा, वीआईपी कल्चर पर लगाम लगनी चाहिए और सरकार को आम श्रद्धालुओं के जरूरतों की पूर्ति के लिए बेहतर इंतजाम करने चाहिए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं से अनुरोध करता हूं कि पीड़ित परिवारों की मदद करें।

बरेली में 6 साल की बच्ची की जहर देकर हत्या

बरेली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। बरेली के आंवला थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां 6 वर्षीय बच्ची की जहर देकर हत्या कर दी गई। मृतक बच्ची के पिता राम लखन ने बताया कि उनकी बेटी नैना को कुछ लोगों ने जबरन जहरीला पदार्थ खिला दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के समय बच्ची ने अपनी दादी को बताया था कि किसी ने उसे जबरन कुछ खिलाया है और उसका मुंह कड़वा हो रहा है। इसके कुछ देर बाद ही उसके मुंह से झाग निकलने लगा और उसकी मृत्यु हो गई। 13 जनवरी को पुलिस ने मामला दर्ज किया और शव का पोस्टमार्टम भी कराया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी में आनाकानी कर रही है। आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं। राम लखन, जो एक गरीब मजदूर हैं,

मेरठ-दिल्ली एक्सप्रेस वे पर हादसा, आपस में भिड़े तेज रफ्तार कई वाहन, 12 घायल

मेरठ, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मेरठ दिल्ली एक्सप्रेस वे के थाना भोजपुर क्षेत्र में अनियंत्रित होने के कारण तेज रफ्तार वाहन आपस में टकरा गए। बताया गया कि हादसे में 12 लोग घायल हुए हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच पड़ताल की। घायलों को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। बता दें कि 10 बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश में फिर से घना कोहरा छा गया। सुबह से ही घने कोहरे ने मेरठ शहर को भी अपनी आगोश में ले लिया। कोहरे के कारण 10 मीटर की दूरी पर भी नहीं दिखाई दे रहा था। हाईवे पर वाहन चालकों को लाइट जलाकर चलना पड़ा। मेरठ दिल्ली एक्सप्रेसवे के थाना भोजपुर क्षेत्र में अनियंत्रित होने के कारण तेज रफ्तार वाहन आपस में टकरा गए।

महाकुंभ में भगदड़ पर भड़के सांसद पप्पू यादव

कहा- 'यह सरकार है या जोकरों का अड्डा!'

पूर्णिया, 29 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर मची भगदड़ के चलते कई लोगों की मौत की खबर है। इस हादसे में कुछ लोग घायल भी हुए हैं जिनका इलाज स्थानीय अस्पतालों में चल रहा है। इस बीच इस तरह की घटना के बाद अब सियासी गलियारे में बयानबाजी भी शुरू हो गई है। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने बुधवार (29 जनवरी) को एक्स पर पोस्ट कर बड़ा बयान दिया है। सांसद पप्पू यादव ने एक्स पर लिखा, महाकुंभ में भगदड़ में दर्जनों लोग की मौत, यह सरकार है या जोकरों का अड्डा! हिंदू का ठेकेदार बनते हैं एक कुंभ मेला भी आयोजित नहीं कर पाते हैं! 2013 में एक मुसलमान आजम खान महाकुंभ के प्रभारी मंत्री थे पर शानदार आयोजन किया था। आज ढोंगी सिर्फ आयोजन के नाम पर अपना चेहरा चमकाते रहे। पप्पू यादव ने अपने एक और पोस्ट में सीधे बीजेपी पर हमला बोला। उन्होंने एक्स पर लिखा, कथित तौर पर 10000 करोड़ महाकुंभ के आयोजन पर खर्च हुआ तो आम लोगों को सुविधा क्यों नहीं? सिर्फ बीजेपी के नेताओं के वीआईपी राजनीतिक स्नान और चेहरा चमकाने पर खर्च? भीड़ प्रबंधन की समुचित व्यवस्था क्यों नहीं? यह फरेबी हिंदुओं की सरकार है! 10000 करोड़ की जांच हो, कहीं बड़ा घोटाला तो नहीं!

पप्पू यादव ने महामंडलेश्वर प्रेमानंद का एक वीडियो भी एक्स पर पोस्ट किया जिसमें वे (महामंडलेश्वर प्रेमानंद) रोते हुए अपनी बात कह रहे हैं। इसमें वे कह रहे हैं, प्रशासन सिर्फ वीआईपी की सेवा में लगा है। पप्पू यादव ने महामंडलेश्वर के इस बयान वाले वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, एक संत की बात सुनें, देखें महाकुंभ की व्यवस्था पर क्या कह रहे हैं। लानत है ऐसी सरकार को, चुल्लू भर पानी में डूब मरो। हिंदू के ठेकेदार बनते हो, ऐसे उन्हें मरने छोड़ देते हो।

अपनी ही बेटी की चोरी के इल्जाम में महिला को 15 महीने काटनी पड़ी जेल, फिर ऐसे हुआ खुलासा

मथुरा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा रेलवे स्टेशन से एक ढाई साल की बच्ची को किडनैप कर लिया जाता है। बच्ची की मां जीआरपी थाने में शिकायत दर्ज कराती है। पुलिस एक्शन लेती है और एक महिला समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लेती है, लेकिन जिस बच्ची की किडनैपिंग के मामले में महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा। वह बच्ची आरोपी बताई जा रही महिला की ही थी। महिला के लाख कहने पर कि वह उसी की बच्ची है। फिर भी उसे जेल भेज दिया गया। महिला और उसके साथ 4 लोग 15 महीने से जेल काट रहे हैं। महिला अपनी ही बच्ची के चोरी के इल्जाम में जेल की सलाखों के पीछे है।

यूपी के वन मंत्री का मोबाइल ट्रेन में चोरी

बरेली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार का ट्रेन में मोबाइल चोरी हो गया। ये घटना उस वक्त घटी जब वन मंत्री डॉ अरुण कुमार बरेली से लखनऊ जा रहे थे। ट्रेन के एसी कोच में चोर ने बड़ी ही होशियारी से वन मंत्री का मोबाइल गायब कर दिया। इसके बाद उन्होंने मामले की शिकायत रेलवे कंट्रोल रूम में की। वन मंत्री का ट्रेन में मोबाइल चोरी की सूचना से हड़कंप मच गया। फौरन जीआरपी और आरपीएफ सक्रिय हो गई। दरअसल वन मंत्री अमृतसर से हावड़ा जा रही पंजाब मेल से लखनऊ जा रहे थे। वन मंत्री बरेली से लखनऊ तक ए-1 कोच में सफर कर रहे थे। इसी बीच उनका मोबाइल चोरी हो गया। वन मंत्री का एस-27 अल्ट्रा मोबाइल किसी चोर ने चोरी कर लिया। जिसके बाद जीआरपी और आरपीएफ ने ट्रेन में सघन चेकिंग की। वही लखनऊ पहुंचकर वन मंत्री वहां उतर गए। जिसके बाद जीआरपी ने वन मंत्री डॉ अरुण कुमार का मोबाइल उनके आवास पर पहुंचा दिया। वही जीआरपी ने जिस मोबाइल चोर को गिरफ्तार किया है उसका नाम साहिल है और वो नैनीताल के वनभुलपुरा क्षेत्र के गोजाजाली का रहने वाला है। शाहजहांपुर जीआरपी ने चोर को पकड़ने के बाद उसे जेल भेज दिया है।

संभल एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने किया बड़ा फेरबदल, सत्यव्रत चौकी के प्रभारी बने आशीष कुमार तोमर; कई दारोगा भी बदले

बहजोई, 29 जनवरी (एजेंसियां)। देर रात्रि में पुलिस अधीक्षक ने जिले के दो निरीक्षक और 59 उप निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में फिर बदल किया है, जिसमें तीन दर्जन से अधिक चौकी प्रभारी और 11 थानों की वरिष्ठ उप निरीक्षकों के साथ-साथ एक दर्जन से अधिक उपनिरीक्षकों को पुलिस लाइन भेजा गया है। जिसमें जिले के यातायात प्रभारी की नियुक्ति शामिल है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के द्वारा किए गए स्थानांतरण के अंतर्गत निरीक्षक जितेंद्र कुमार शर्मा को पुलिस लाइन से संभल का अपराध निरीक्षक बनाया है तो यहां से निरीक्षक हारुण खान को पुलिस लाइन भेजा है। निरीक्षक अपराध थाना बहजोई से प्रशांत कुमार दधीचि को पुलिस लाइन स्थानांतरित किया है।

मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में हादसा

तेजस्वी यादव ने जताया दुख, कहा- 'संगम तट पर भगदड़ एवं श्रद्धालुओं के घायल होने एवं मौत की अत्यंत दुखद खबर हृदय विदारक है।'

पटना, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में मची भगदड़ से कई लोगों की मौत हो गई। अस्पताल सूत्रों के अनुसार 10 लोगों की मौत हुई है। यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है। इस हादसे के बाद बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की प्रतिक्रिया सामने आई है। बुधवार तड़के हुई इस घटना को लेकर तेजस्वी यादव ने दुख जताया है। तेजस्वी यादव ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या स्नान के दिन संगम तट पर भगदड़ एवं श्रद्धालुओं के घायल होने एवं मौत की अत्यंत दुखद खबर हृदय विदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें व हादसे में घायल श्रद्धालुओं को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। भगवान सबको सकुशल रखें। महाकुंभ में हुए हादसे के बाद यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक एक्टिव हो गए हैं। एक तरफ जहां योगी ने मेला संबंधित अधिकारियों से घटना की जानकारी ली है वहीं पीएम मोदी ने यूपी के सीएम से भी बात की है। एक घंटे में दो-दो बार ये बात हुई है। उन्होंने हालात के बारे में जानकारी ली है। दूसरी ओर अमित शाह ने भी योगी आदित्यनाथ से बात की है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। बता दें कि संगम नोज पर स्नान को लेकर यह भगदड़ हुई है।

अचानक भगदड़ के बाद कोई मौके पर बेहोश हो गया तो कोई घायल हो गया। कुछ लोगों की तो जान चली गई। हालात बिगड़ते ही मौके पर एंबुलेंस को बुलाया गया। घायलों को महाकुंभ में बने केंद्रीय अस्पताल समेत प्रयागराज के दूसरे अस्पतालों में पहुंचाया गया। जरूरत पड़ने पर एयर एंबुलेंस के जरिए घायलों को अस्पताल पहुंचाने की तैयारियां भी कर ली गई हैं।

पिस्टल खोल तक नहीं सके 3 एसआई

थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी को लगा 1.41 मिनट

हरदोई, 29 जनवरी (एजेंसियां)। हरदोई के लोनार कोतवाली में पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन के वार्षिक निरीक्षण के दौरान चौंकाने वाली स्थिति सामने आई। तीन वरिष्ठ उपनिरीक्षक अपनी सर्विस पिस्टल तक नहीं खोल पाए, जबकि यह पुलिस की बुनियादी कार्यक्षमता का हिस्सा है। कोतवाल उमेश त्रिपाठी और बावन चौकी प्रभारी एक मिनट 41 सेकंड में पिस्टल खोल सके, वहीं उपनिरीक्षक राम सूरत, फतेह बहादुर और सुरेश यादव पिस्टल खोलने में पूरी तरह विफल रहे। एक उपनिरीक्षक को तो चार मिनट 40 सेकंड का समय लगा, जो मानक से काफी अधिक है। निरीक्षण के दौरान कई अन्य कमियां भी सामने आईं। कोतवाली परिसर में जल निकासी की स्थाई व्यवस्था नहीं मिली, पुराने वाहनों का उचित निस्तारण नहीं किया गया था, और गांवों में होने वाली घटनाओं का रजिस्टर अपडेट नहीं था। मालखाना के प्रभारी ने तबादले के बाद पूरा चार्ज भी नहीं सौंपा था, हालांकि वहां की व्यवस्था दुरुस्त पाई गई। एसपी नीरज जादौन ने इन कमियों पर गंभीर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने पुलिसकर्मियों को नियमित अभ्यास करने के कड़े निर्देश दिए। साथ ही, एसडीएम के साथ मिलकर पुराने वाहनों के निस्तारण के लिए कमेटी बनाने का आदेश दिया। निरीक्षण के दौरान सीओ हरपालपुर शिल्पा कुमारी भी मौजूद रहीं।

नीतीश कुमार के बेटे निशांत जेडीयू के 'भविष्य'?

सीएम के करीबी मंत्री मदन सहनी का बड़ा बयान

पटना, 29 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार राजनीति में आएंगे या नहीं ये तो वक्त की बात है लेकिन कई नेता इसके समर्थन में हैं. बुधवार (29 जनवरी) बिहार सरकार के मंत्री मदन सहनी ने बड़ा बयान दिया है. मदन सहनी ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत को सक्रिय राजनीति में आना चाहिए. हम यह चाहते हैं. बिहार चाहता है कि वे सक्रिय राजनीति में आएं. मदन सहनी ने कहा कि नीतीश कुमार सैकड़ों लोगों को एमपी, एमएलए और मंत्री बनाते हैं. उनके पुत्र (निशांत) तो बहुत योग्य हैं. जल्द आएं और मुख्यमंत्री नीतीश ने जो विकास किया उस कड़ी को वह आगे बढ़ाएं. निशांत के आने से जेडीयू को मजबूती मिलेगी. युवा काफी खुश होंगे. हर कोई निशांत का इंतजार कर रहा है और स्वागत करने के लिए तैयार है. आगे मदन सहनी ने कहा कि निशांत कुमार अपने पिता के साथ रहते हैं. राजनीति से अवगत हैं. अब जरूरत है कि वह फील्ड में उतरें. निशांत सक्रिय राजनीति में आएंगे तो नीतीश पर परिवारवाद का आरोप नहीं लगेगा क्योंकि निशांत योग्य हैं. जो दूसरी पार्टी के नेता हैं वो लोग जबरदस्ती अपने बच्चों को राजनीति में लाकर थोप देते हैं जबकि काबिलियत भी नहीं रहती है. निशांत पढ़े-लिखे हैं. सबको साथ लेकर पार्टी को आगे बढ़ा सकते हैं. दूसरी ओर कुंभ में भगदड़ पर कहा कि करोड़ों लोग पहुंच गए हैं इसलिए व्यवस्था में थोड़ी विफलता हो गई. हालांकि व्यवस्था बहुत अच्छी की गई है. जो घटना हुई है वह दुखद है. घटना के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता. बता दें कि सीएम नीतीश कुमार अब तक राजनीति में परिवारवाद को लेकर विरोधियों पर हमलावर रहे हैं, लेकिन सूत्रों के अनुसार निशांत को राजनीति में उतारने के लिए जेडीयू में भी मंथन का दौर जारी है.

एनएच-19 पर दिखा भीषण जाम का नजारा, 12 तो कोई 72 घंटे से फंसा है

प्रयागराज, 29 जनवरी (एजेंसियां)। कुंभ मेला को लेकर सड़कों पर भीषण जाम लग गया है। ऐसी ही स्थिति बिहार के कैमूर जिले में है। जिले के कुदरा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-19 पर दोनों लेनों में गाड़ियों का पहिया थम सा गया है, जिसके कारण भीषण जाम लग गया है। इस जाम में फंसे यात्री और वाहन चालक परेशान हैं। वहीं, एंबुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाओं के लिए भी रास्ता निकालना मुश्किल हो गया है। स्थानीय पुलिस प्रशासन जाम से छुटकारा के लिए लगातार प्रयास कर रही है और जगह-जगह वाहनों को रेगुलेट भी किया जा रहा है। हालांकि, दोनों लेनों में दोनों तरफ के वाहन आने-जाने के कारण स्थिति और बिगड़ गई है। कई यात्री तो 72 घंटे से भी ज्यादा समय से जाम में फंसे हुए हैं,

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के नेता के विवादित बोल- महिला-पुरुष एक समान नहीं हैं

मलप्पुरम, 29 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के मलप्पुरम में कांग्रेस की सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के राज्य महासचिव पी एम ए सलाम ने कहा है कि महिला और पुरुष समान नहीं हैं और जो कोई भी ऐसा दावा करता है, वह केवल अपनी आंखें बंद करके खुद को अंधेरे में रख रहे हैं। सलाम ने हाल ही में मलप्पुरम में पत्रकारों से बात करते हुए यह विवादित बयान दिया। ये राजनीतिक रूप से यूडीएफ विपक्ष के लिए सही नहीं माना जा रहा है। अपने तर्क के समर्थन में आईयूएमएल नेता ने कहा कि ओलंपिक में महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग श्रेणियां थीं। क्या ऐसा इसलिए नहीं है क्योंकि वे अलग हैं? क्या हम कह सकते हैं कि पुरुष और महिला सभी मामलों में समान हैं? क्या दुनिया ने इसे स्वीकार किया है? यह कहना कि वे समान हैं, अंधकारमय बनाने के लिए अपनी आंखें बंद करने जैसा है। सलाम ने कहा कि आईयूएमएल महिलाओं और पुरुषों के लिए समानता और लैंगिक न्याय का समर्थक है, न कि लैंगिक समानता का है।

महिलाओं से जुड़ा एक ऐसा ही विवादित बयान पिछले सप्ताह केरल के एक प्रमुख इस्लामी मौलवी ने सार्वजनिक स्थानों पर पुरुषों और महिलाओं दोनों के साथ कसरत करने के संबंध में दिया था। ए।पी। सुन्नियों के समस्त केरल जेम-इय्याथुल उलमा के महासचिव कंथापुरम ए।पी। अबूबकर मुसलियार ने कहा कि इस तरह की प्रथाएं महिलाओं की शील के साथ समझौता कर सकती हैं। वे स्पष्ट रूप से मल्टी-एक्सरसाइज कॉम्बिनेशन 7 (एमईसी 7) का जिक्र कर रहे थे, जो राज्य के उत्तरी जिलों में लोकप्रिय कसरत दिनचर्या है।

दिल्ली दंगों के दौरान कहां थे केजरीवाल

पुलिस ठीक से करे जांच तो 15-20 साल के लिए जाएंगे तिहाड़ जेल: संदीप दीक्षित

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार संदीप दीक्षित ने कहा कि दिल्ली दंगों के दौरान अरविंद केजरीवाल कहां थे? कहां छिपे थे? शराब नीति में भ्रष्टाचार का स्तर सब जानते हैं। दिल्ली की जनता यह समझने की जरूरत है कि 10 साल पहले उन्होंने किस भ्रष्ट आदमी को अपना मुख्यमंत्री चुना था। अगर पुलिस उसकी ठीक से जांच करती है, तो मुझे नहीं लगता कि वह अगले 15-20 साल तक तिहाड़ से बाहर आ पाएगा। बिना किसी सबूत के दूसरी सरकार पर नरसंहार का गंभीर आरोप लगाया है। विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रैली को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी और पूर्व मुख्यमंत्री पर तीखा हमला बोला था। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल कहते हैं कि वह अलग राजनीति करेंगे, छोटी कार में आते हैं, लेकिन 'शीश महल' में रहते हैं। पटपड़गंज रैली में राहुल गांधी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने अलग तरह से राजनीति करने का वादा किया था, लेकिन दिल्ली को सबसे बड़ा शराब घोटाला दे दिया। हम भय और नफरत का नहीं, बल्कि प्रेम और एकता का हिंदुस्तान चाहते हैं। इस बीच आरएसएस और भाजपा भाइयों, धर्मों और जातियों के बीच विभाजन पैदा करते हैं।

दिल्ली हिंसा के दौरान वह कहीं नहीं थे। उन्होंने साफ-सुथरी राजनीति का वादा किया था, फिर भी उनके शासन में सबसे बड़ा शराब घोटाला सामने आया। नरेंद्र मोदी जी ने मुझे घर से बाहर निकाल दिया और मैंने उन्हें चाबियां देते हुए कहा, 'ले जाओ, मुझे इसकी जरूरत नहीं है। लेकिन केजरीवाल 'शीश महल' में रहते हैं। हाल ही में, गृह मंत्रालय ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मुकदमा चलाने की अनुमति दी थी। यह कदम विवादास्पद शराब घोटाला मामले से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग के संबंध में उठाया गया है।

एसपी सुनीता सावंत का वायरलेस पर ही हो गया ट्रांसफर, मांगी थी बजरंग दल की रिपोर्ट

गोवा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। साउथ गोवा की एसपी सुनीता सावंत का देर रात को ट्रांसफर हो गया। उन्होंने हिंदू संगठन बजरंग दल के वरिष्ठ पदाधिकारियों और सदस्यों के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के लिए एक वायरलेस मैसेज भेजा था, जिसके बाद वायरलेस मैसेज के जरिए ही उनका ट्रांसफर कर दिया। आमतौर पर एसपी लेवल के ट्रांसफर का आदेश राज्य सरकार की ओर से जारी किया जाता है, लेकिन इस मामले में गोवा पुलिस ने वायरलेस मैसेज के जरिए ही एसपी सुनीला सावंत का तबादला कर दिया। अब साउथ गोवा के नए एसपी एंटी-नारकोटिक्स सेल के एसपी टीकम सिंह वर्मा को नियुक्त किया गया है। पुलिस ने कहा कि सोमवार सुबह सुनीता सावंत के भेजे गए मैसेज के आधार पर पुलिस स्टेशनों ने उन्हें रिपोर्ट सौंपने के लिए बजरंग दल के नेताओं और सदस्यों की जानकारी इकट्ठा करना शुरू कर दिया। जब बजरंग दल के वरिष्ठ पदाधिकारियों को इस बारे में पता चला, तो उन्होंने तुरंत अधिकारियों पर दबाव डालना शुरू किया कि उनका तबादला दक्षिण गोवा से कहीं और कर दिया जाए। इसी के चलते गोवा पुलिस ने सुनीता सावंत को ऑफिस खाली करने के लिए कहा और वायरलेस मैसेज भेजकर उनका तबादला कर दिया गया। इसके बाद सुनीता सावंत को पुलिस मुख्यालय में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया। साल 2023 से राज्य में बजरंग दल धीरे-धीरे सक्रिय हो रहा है। बजरंग दल के सदस्यों के कई बार राज्य में प्रदर्शन देखने को मिलते रहे हैं। पहली बार कलंगुट में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति को हटाने के विरोध में खुलेआम विरोध करते देखा गया था।

ओबीसी आरक्षण 27 फीसदी किए जाने पर रोक बरकरार हाईकोर्ट ने खारिज की 87:13 फॉर्मूले वाली याचिका

जबलपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। ओबीसी आरक्षण के खिलाफ दायर उस याचिका को जबलपुर हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है, जिसमें पूर्व में पारित आदेश के तहत फॉर्मूला 87:13 की अनुमति प्रदान की गई थी। हाईकोर्ट जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि याचिका में एक्ट को नहीं, अध्यादेश को चुनौती दी गई थी। युगलपीठ ने अन्य याचिकाओं में ओबीसी आरक्षण 27 प्रतिशत किए जाने पर रोक बरकरार रखी है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में ओबीसी आरक्षण 27 प्रतिशत किए जाने के विरोध और समर्थन में, भर्ती में फॉर्मूला 87:13 लागू किए जाने और 13 प्रतिशत पदों पर नियुक्ति होल्ड किए जाने को चुनौती देते हुए 76 याचिकाएं दायर की गई थीं। हाईकोर्ट ने पूर्व में सुनवाई करते हुए कई याचिकाओं में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण लागू किए जाने पर रोक लगा दी थी। यूथ ऑफ इक्वैलिटी संगठन की ओर से ओबीसी आरक्षण 27 प्रतिशत किए जाने के विरोध में दो याचिकाएं दायर की गई थीं।

300 यूनिट बिजली मुफ्त

महिलाओं को 2500 तो युवाओं को मिलेंगे 8500 रुपये; कांग्रेस के घोषणापत्र में और क्या-क्या

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने बुधवार को अपना घोषणापत्र जारी कर दिया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, इस गारंटी का इस्तेमाल आज सभी पार्टियां कर रही हैं। पहली बार कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक चुनाव के दौरान गारंटी शब्द का इस्तेमाल किया था। हम चाहते थे कि जनता तक ये संदेश जाए कि कांग्रेस जो कहती है, वह करती है। ये गारंटी सिर्फ पार्टी की नहीं है बल्कि ये जनता का हक है। कांग्रेस ने दिल्ली के लिए अपनी 5 गारंटी बहुत पहले ही दे दी है जिन्हें पूरा किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी ने घोषणा पत्र को लेकर पत्रकार वार्ता की। जिसमें जयराम रमेश ने कहा कि कर्नाटक के चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने गारंटी शब्द का इस्तेमाल किया। आज सभी इस्तेमाल कर रहे हैं। जनता का अधिकार है गारंटी। मनमोहन सरकार में पहली बार गारंटी लाया गया। कानूनी अधिकार है। कांग्रेस पार्टी ने पांच गारंटी घोषणा की है। सांस लेने की आसानी होनी चाहिए। इज ऑफ ब्रीदिंग। भाजपा की नीति की वजह से प्रदूषण बढ़ा तो वहीं आप सरकार ने भी इसे गंभीरता से नहीं लिया है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि शीला सरकार ने यमुना अक्षण प्लान। सीएनजी बस का आना, दिल्ली मेट्रो, निजीकरण जनता के हित में हुआ। पारदर्शिता से हुआ। घोषणा पत्र में बीस वायदे हैं।

सभी वर्गों का ख्याल। जय बापू, जय भीम, जय संविधान अभियान कांग्रेस पार्टी चला रही है। आरएसएस और भाजपा द्वारा तीनों पर आक्रमण हो रहा है। इसी भावना के आधार पर घोषणा पत्र तैयार किया गया है। वहीं पर कांग्रेस के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी दिल्ली को संवारना चाहती है। सभी वर्गो की भावनाएं जानी हैं। पांच गारंटी लॉन्च कर चुके हैं। महिलाओं को 2500 रुपए। पच्चीस लाख का हेल्थ इंश्योरेंस। 8500 रुपए युवाओं को इंटर्नशिप। महिलाओं के लिए महंगाई किट। 500 रुपये में गैस सिलेंडर। 300 यूनिट बिजली मुफ्त।

कमलनाथ ने हाईकोर्ट के फैसले को बताया कांग्रेस की नीतियों की जीत, बोले-भाजपा ने षड्यंत्र रचने का काम किया

भोपाल, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने प्रदेश में 27% ओबीसी आरक्षण के विरोध में दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। इस फैसले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने बयान जारी किया और इसे कांग्रेस पार्टी की नीतियों की जीत बताया। कमलनाथ ने कहा कि मार्च 2019 में जब वह मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने प्रदेश के ओबीसी समुदाय को 27% आरक्षण देने का प्रावधान किया था। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट का यह फैसला उनके द्वारा लिए गए उस ऐतिहासिक निर्णय को सही साबित करता है। अब राज्य सरकार को तत्काल सभी स्तरों पर 27% ओबीसी आरक्षण लागू करने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

कनाडा की सांसद रुबी ढल्ला का बयान

ट्रूडो के स्थान पर पीएम बनी तो पांच लाख अवैध प्रवासी निकाले जाएंगे बाहर

जालंधर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाबी मूल की कनाडा सांसद रूबी ढल्ला ने अवैध प्रवासियों पर बड़ा बयान दिया है। एक वीडियो में ढल्ला ने कहा कि अगर वह जस्टिन ट्रूडो के स्थान पर प्रधानमंत्री बनती हैं तो कनाडा से पांच लाख अवैध लोगों को निकाला जाएगा। ढल्ला ने कहा कि कनाडा में पांच लाख अवैध प्रवासी हैं, जो कि अस्वीकार्य है। हालांकि वे अप्रवासी अभिभावकों की संतान के तौर पर जानती हैं कि अप्रवासियों ने देश को बहुत कुछ दिया है। लेकिन हमें मानव तस्करी और अवैध तौर पर देश में घुसने पर रोक लगानी होगी। आपके प्रधानमंत्री के तौर पर मैं वादा करती हूं कि इस देश से सभी अवैध प्रवासियों को बाहर निकाला जाएगा। अब कनाडा का कमबैक होगा और यह शुरू हो चुका है। कनाडा में भारी संख्या में अवैध अप्रवासी हैं, जिनके वीजा या तो खत्म हो चुके हैं या अवैध रूप से घुसे हुए हैं। इसको लेकर भी तक कनाडा के लिबरल पार्टी की तरफ से पीएम जस्टिन ट्रूडो का रूख नर्म रहा है। यही वजह है कि कनाडा में भारी संख्या में अवैध अप्रवासी शरण लिये हुए हैं। जिनकी संख्या पांच लाख के करीब है और इसमें बहुसंख्यक पंजाबी है। कनाडा में पीएम ट्रूडो इस्तीफा दे चुके हैं और कार्यकारी पीएम के तौर पर काम कर रहे हैं। वहां पर इमिग्रेशन अब सबसे बड़ा मुद्दा है। कनाडा हर कदम पर इमिग्रेशन पर सख्ती कर रहा है। कनाडा में कंजरवेटिव व लिबरल सांसद अब खुलकर अवैध अप्रवासियों के खिलाफ बोलने लगे हैं। रूबी ढल्ला के बयान को लेकर कनाडा में पंजाबी समुदाय में काफी गर्माहट है। कनाडा में पुराने वसनीकों में शामिल जसविंदर सिंह जस्सा का कहना है कि रूबी ढल्ला का बयान सराहनीय है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ मान सरकार की 'जीरो टॉलरेंस पॉलिसी', मंत्री तक को नहीं बख्शा

चंडीगढ, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक क्रांतिकारी मुहिम की शुरुआत की है। भ्रष्टाचार के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस पॉलिसी' के तहत मुख्यमंत्री ने न सिर्फ भ्रष्ट अधिकारियों बल्कि अपनी ही सरकार के मंत्री और विधायकों तक पर कार्रवाई की। मुख्यमंत्री मान ने 16 मार्च 2022 को शहीद भगत सिंह के पैतृक गांव खटकड़ कलां में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इसके बाद 23 मार्च शहीद-ए-आजम भगत सिंह की पुण्यतिथि पर उन्होंने पंजाब में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक निर्णायक अभियान की शुरुआत की। इस अभियान के तहत उन्होंने भ्रष्टाचार के मामलों को उजागर करने के लिए एक व्हाट्सएप नंबर 9501200200 जारी किया, ताकि आम लोग सीधे प्रशासन तक अपनी शिकायतें पहुंचा सकें। मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाइन पर ऑडियो/वीडियो रिकॉर्डिंग सहित कुल 13,806 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 8,050 शिकायतें अन्य विभागों से संबंधित थीं और उन विभागों को विचार के लिए भेज दी गईं। कुल 917 बची हुई शिकायतों को जांच के लिए विजिलेंस ब्यूरो के विभिन्न संबंधित एसएसपी, विजिलेंस ब्यूरो रेंज को भेज दिया गया है, जिनमें से 194 शिकायतें दर्ज की गई हैं और कुल 194 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा 23-03-2022 से 30-11-2024 की अवधि के दौरान ब्यूरो द्वारा दर्ज विभिन्न 695 मामलों में कुल 778 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। इसी अवधि के दौरान, विभिन्न अदालतों द्वारा 89 सतर्कता मामलों का निपटारा किया गया, 119 आरोपियों को सजा सुनाई गई और गहन जांच के लिए 239 सतर्कता जांच दर्ज की गईं।

अजीबोगरीब मामला, 35 सप्ताह की प्रेग्नेंट महिला के पेट में बच्चा, उस बच्चे के पेट में भी बच्चा

बुलढाणा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां की एक 32 वर्षीय गर्भवती महिला में एक बेहद दुर्लभ और चौंकाने वाली स्थिति का पता चला है, जिसे मेडिकल में 'भ्रूण के अंदर भ्रूण' कहा जाता है। यह एक अत्यंत अनोखी स्थिति है, जिसमें एक विकृत भ्रूण दूसरे भ्रूण के अंदर स्थित होता है। यह मामला पूरी दुनिया में बेहद दुर्लभ है और सिर्फ कुछ ही मामलों में इसका पता चला है। दरअसल, 35 सप्ताह की गर्भवती महिला कुछ दिन पहले अपनी नियमित जांच के लिए बुलढाणा जिला महिला अस्पताल गई, तो अल्ट्रासाउंड के दौरान चिकित्सकों ने यह असामान्य स्थिति देखी। अस्पताल के प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ। प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि यह एक ऐसा मामला है जिसे मेडिकल जगत में 'भ्रूण में भ्रूण' के नाम से जाना जाता है और यह स्थिति केवल एक लाख में से एक या फिर पांच लाख में से एक मामले में पाई जाती है। डॉ। अग्रवाल ने कहा कि यह दुनिया के सबसे दुर्लभ मामलों में से एक है और अब तक पूरे विश्व में केवल 200 मामलों का ही पता चला है। इनमें से भारत में भी कुछ मामलों की पहचान की गई है, जिनकी संख्या 10 से 15 के बीच है। डॉ। अग्रवाल ने कहा, इस मामले में सामान्य भ्रूण के पेट में एक और भ्रूण जैसी संरचना दिखी, जिसे देख कर मैं चौंक गया। यह बिल्कुल असामान्य था। यह स्थिति 'भ्रूण में भ्रूण' के नाम से जानी जाती है और जब यह स्थिति सामने आती है, तो इससे संबंधित भ्रूण को अक्सर एक विकसित और विकृत रूप में पाया जाता है। डॉक्टरों ने दूसरे विशेषज्ञों से भी राय ली और रेडियोलॉजिस्ट डॉ। श्रुति थोरात ने भी इस स्थिति की पुष्टि की। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि महिला को सुरक्षित प्रसव की प्रक्रिया और आगे के इलाज के लिए छत्रपति संभाजीनगर स्थित एक चिकित्सा केंद्र में रेफर किया गया है।

'मुझे नशा करना है बस छह गोली दे दो फिर मेरे साथ कोई कुछ भी करे

युवती ने बताई जिस्मफिरोशी के धंधे की कहानी

चंडीगढ, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब से एक झकझोर देने वाला सामने आया है। ईसे खां के मसीतां रोड की रहने वाली एक किशोरी ने बताया कि कैसे उसे नशे की लत लगाकर देह व्यापार में धकेल दिया गया। एक लड़की ने बताया कि कैसे उसे जिस्मफरोशी के धंधे में धकेल दिया। किशोरी ने जब बिना शर्म ये बातें कहीं तो वहां उपस्थित हर व्यक्ति के पांव के तले से जमीन खिसक गई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, नशा विरोधी कमेटी कस्बे में गत दिवस मार्च निकाल रही थी। इस दौरान कमेटी के अध्यक्ष सुखदीप सिंह ने मार्च के रास्ते में एक युवती नीचे बैठी खाना खाती दिखी। सुखदीप सिंह ने बताया कि युवती की हालत बेहद चिंताजनक थी। ऐसे में उससे बात करने के बाद उसके घर पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि जब युवती से बातचीत की तब उन्हें पता चला कि पिछले दो वर्ष से नशा करने की आदी हो चुकी है। युवती ने बताया कि मनजीत कौर नामक एक महिला ने उसे नशे की इतनी बुरी लत लगा दी कि वो ये कहने लगी,'मुझे बस नशे के लिए छह कैप्सूल चाहिए और उसके बाद कोई मेरे साथ कोई कुछ भी करे, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।' साथ ही बताया कि अब वह नशे की पूर्ति के लिए देह व्यापार करने को मजबूर है। साथ ही उसने दावा किया महिला के पास उसके जैसी कई कई युवतियां है, जिनसे वो जिस्मफरोशी का धंधा करवाती है। नशा विरोधी कमेटी ने किशोरी को थाने ले जाकर मामले की शिकायत दर्ज करा दी गई है।

मराठा आरक्षण कार्यकर्ता जरांगे की भूख हड़ताल पांच दिन से जारी; बिगड़ी तबीयत, इलाज लेने से इनकार

जालना, 29 जनवरी (एजेंसियां)। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे की तबीयत बिगड़ रही है। अनशन के लगातार पांचवे दिन उनकी तबीयत में गिरावट नजर आई। इस दौरान मेडिकल टीम ने उनसे इलाज के लिए कहा, लेकिन जरांगे ने इससे इनकार कर दिया। मनोज जरांगे ने 25 जनवरी को भूख हड़ताल शुरू की थी। एक सितंबर 2023 के बाद यह उनकी सातवीं भूख हड़ताल है। अपनी आरक्षण मांग के अलावा जरांगे ने बीड जिले के मासाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या में शामिल लोगों के लिए मृत्युदंड की मांग की है। लगातार पांच दिन से जारी हड़ताल के चलते उनकी सेहत में गिरावट नजर आ रही है। भाजपा विधायक सुरेश धास ने बुधवार सुबह महाराष्ट्र के जालना जिले के अंतरवाली सरती गांव में धरना स्थल पर जरांगे से मुलाकात की और उनसे नसों के जरिए तरल पदार्थ लेने का आग्रह किया। लेकिन जरांगे ने इससे इनकार कर दिया। हालांकि स्थानीय लोगों के अनुरोध पर जरांगे ने सोमवार को थोड़ा पानी लिया था। मंगलवार को भी बीड सरपंच संतोष देशमुख के परिवार के अनुरोध के बाद कार्यकर्ता पानी देने के लिए राजी हो गए। एक मेडिकल टीम धरनास्थल पर तैनात है, जो उनका इलाज करने की इजाजत मांग रही है, लेकिन जरांगे ने किसी भी प्रकार की सहायता लेने से इनकार कर दिया है। जिला सिविल सर्जन डॉ। आरएस पाटिल और एक मेडिकल टीम धरना स्थल पर मौजूद थी। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता सतारा, बंबई और हैदराबाद विवरणिका के ऐतिहासिक दस्तावेजों के आधार पर मराठों के रक्त संबंधियों को कुनबी घोषित करने वाली मसौदा अधिसूचना के कार्यान्वयन की मांग कर रहे हैं। जरांगे सभी कुनबी (कृषक) और उनके सगे सोयरे (रक्त संबंधियों) को मराठा के रूप में मान्यता देने के लिए ओबीसी प्रमाण पत्र की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

' महाकुंभ भगदड को लेकर संजय राउत ने कहा'

सरकार सिर्फ मार्केटिंग करने में व्यस्त, भक्तों को सुविधा नहीं

मुंबई, 29 जनवरी (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने महाकुंभ में हुई भगदड़ को लेकर यूपी सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सिर्फ कुंभ मेले के मार्केटिंग पर ध्यान दे रही थी, लेकिन भक्तों की सुविधाओं के लिए सही व्यवस्था नहीं की गई। गृह मंत्री और रक्षा मंत्री जब स्नान के लिए गए, तो पूरा इलाका सील कर दिया गया, जिससे आम श्रद्धालुओं को परेशानी हुई। यूपी के मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों को पार्टी के प्रचार के बजाय भक्तों की व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए था। उन्होंने कहा, 10 से अधिक श्रद्धालुओं की मौत के बाद ही सरकार ने आपात बैठकें बुलाईं, लेकिन इससे कुछ फर्क नहीं पड़ा। सड़क पर सोने के बाद भक्तों को स्नान करना पड़ा, यह कैसा प्रबंधन है? 1954 में पंडित नेहरू ने खुद कुंभ मेले की व्यवस्थाओं की जांच की थी, लेकिन आज के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री उस तरह सक्रिय नहीं दिख रहे। संजय राउत ने कहा, अखिलेश यादव के कार्यकाल का कुंभ मेला सबसे बेहतर था, ऐसा श्रद्धालु खुद कहते हैं। अगर दूसरे दलों को भी आयोजन में शामिल किया जाता, तो हालात इतने खराब नहीं होते। सरकार ने 10,000 करोड़ रुपये का बजट रखा, लेकिन यह राशि जमीन पर नजर नहीं आ रही। कोरोना काल में हमारी सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने वाले अब यह बताएं कि कुंभ के 10,000 करोड़ रुपये कहां गए? उन्होंने कहा, 10 हजार करोड़ रुपये व्यवस्था पर खर्च किए गए थे, आखिर यह पैसे कहां गए? बीजेपी कुंभ की मार्केटिंग का फायदा उठाकर राजनीतिक लाभ लेना चाहती है। अब दोषियों पर गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज होना चाहिए। प्रयागराज में हुई मौत यह प्रशासन द्वारा की गई हत्या है। करोड़ों लोगों को कुंभ में लाकर बीजेपी अपना प्रचार कर रही है, लेकिन इतने लोगों के लिए क्या आपके पास व्यवस्था है? संजय राउत ने कहा, लोग सड़क पर बैठे हैं, महिलाओं की हालत देखिए। लोग अभी भी अखिलेश यादव के कार्यकाल के दौरान जो व्यवस्था हुई थी उसको याद करते हैं। आज तीन करोड़ आए, आज चार करोड़ आए, आज 15 करोड़ आए, यह आंकड़े आप बताते हैं लेकिन व्यवस्था क्या है? जब रक्षा मंत्री आए तब एक दिन तक घाट बंद था, जब गृह मंत्री आए तब पूरा प्रयागराज बंद था, जब केंद्रीय मंत्री आते हैं तब पूरा घाट बंद रहता है। इन सब से व्यवस्था पर असर पड़ता है, भीड़ बढ़ जाती है तब ऐसी घटनाएं होती हैं। देवेंद्र फडणवीस के दिल्ली दौरे पर तंज कसते हुए संजय राउत ने कहा, फडणवीस महाराष्ट्र छोड़कर हमेशा दौरे पर रहते हैं। उन्हें समझना चाहिए कि महाराष्ट्र की जिम्मेदारी उनके कंधों पर है। वे बीजेपी के स्टार प्रचारक हैं, लेकिन महाराष्ट्र में पार्टी की जीत का श्रेय उन्हें दिया जा रहा है। अगर बीजेपी को महाराष्ट्र का फॉर्मूला दूसरे राज्यों में इस्तेमाल करना है, तो प्रचार किए बिना भी पार्टी चुनाव जीत सकती है।

एआईएमआईएम प्रत्याशी ताहिर हुसैन के पास करोडों की संपत्ति, दंगा भडकाने पर हुई थी किरकिरी?

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। ताहिर हुसैन को असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने मुस्तफाबाद सीट से प्रत्याशी बनाया है। ताहिर हुसैन को प्रत्याशी बनाए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने भी तीखी टिप्पणी की थी। हालांकि ताहिर हुसैन को करीब पांच साल बाद शर्तों के साथ जेल से बाहर आने की इजाजत मिल गई। उन्हें छह दिन की कस्टडी पैरोल दी गई है। वह हर दिन 12 घंटे के लिए जेल से बाहर निकल सकेंगे। आइए जानते हैं कौन हैं ताहिर हुसैन? जिनकी उम्मीदवारी पर इतनी चर्चा हो रही है। दिल्ली के नेहरू विहार इलाके के रहने वाले ताहिर हुसैन आम आदमी पार्टी के पार्षद रहे हैं। दिल्ली दंगों में गिरफ्तारी पर आप की काफी किरकिरी हुई थी। हालांकि उस वक्त सब चौंक गए जब जेल में बंद ताहिर को ओवैसी ने दिल्ली चुनाव का टिकट दे दिया। 47 वर्षीय ताहिर हुसैन के पास करोड़ों की चल और अचल संपत्ति है। इसका खुलासा खुद उन्होंने अपने हलफनामे में किया है। हलफनामे में ताहिर हुसैन ने बताया कि उनके पास कुल 42,55,607 रुपये की चल संपत्ति है जबकि पत्नी के नाम पर 43,54,214 रुपये की संपत्ति है। वहीं, 8.85 करोड़ की अचल संपत्ति है जबकि पत्नी के नाम पर 9 करोड़ से अधिक की अचल संपत्ति है। ताहिर हुसैन का बैंक ऑफ बड़ौदा और एचडीएफसी बैंक में खाता है। खुद के बारे में बताया है कि उनके पास फिलहाल कोई नगदी नहीं है जबकि पत्नी के पास 3,28,370 रुपये हैं। उन्होंने बताया कि बैंक खाते में उनके पास करीब 28 हजार रुपये हैं जबकि पत्नी के खाते में 56 हजार रुपये हैं। उन्होंने अपने नाम से एसेंस सेलकॉम में दस लाख और शो इफेक्टवर्ल्डवाइड में 12.5 लाख का इन्वेस्ट किया है। पत्नी के नाम से शो इफेक्ट वर्ल्डवाइड में में 12.5 लाख और शो इफेक्ट एडवरटाइजमेंट में 13 लाख का निवेश किया है। खुद इसी फंड में 13 लाख का निवेश किया है। इसके अलावा उनके पास छह लाख का बीमा है। उनपर 77 हजार से अधिक का लोन भी है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 30 जनवरी - 2025

आतंकियों की खैर नहीं !

जम्मू और कश्मीर पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों द्वारा जम्मू प्रांत में आतंकवादियों की गतिविधियों को रोकने के लिए करीब बीस स्थानों पर विस्तृत तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इनमें सबसे ज़्यादा ऑपरेशन चेनाब घाटी क्षेत्र के किश्तवाड़, डोडा और रामबन जिलों में किए जा रहे हैं, क्योंकि सबसे ज्यादा आतंकी इन्हीं जिलों में इन दिनों सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। नियंत्रण रेखा के घने जंगलों से लेकर ऊंचे पहाड़ी इलाकों तक, सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों का सफाया करने के लिए मंगलवार को लगभग दो दर्जन स्थानों पर एक साथ बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। निशाने पर जम्मू प्रांत में पिछले साल हुए कई हमलों को अंजाम देने वाले आतंकवादी हैं। ये तलाशी अभियान आतंकवादी गतिविधियों का मुकाबला करने और पाकिस्तान स्थित आतंकवादी आकाओं के इशारे पर जम्मू प्रांत में आतंक फैलाने की कोशिशों को नाकाम करने के लिए चलाए जा रहे हैं। यह अभियान कई सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयास से चलाए जा रहे हैं। इस तरह के संयुक्त अभियान के पीछे सुरक्षा बलों की मंशा यह है कि आतंकवादी तलाशी दलों से बचकर एक जगह से दूसरी जगह ना जाने पाएं। आने वाले महीनों में जब शीतलहर का प्रकोप कम हो जाएगा तो तलाशी अभियान और तेज किए जाएंगे। सबसे ज्यादा 10 तलाशी अभियान चेनाब घाटी क्षेत्र के किश्तवाड़, डोडा और रामबन जिलों में चल रहे हैं। पीर पंजाल क्षेत्र के सीमावर्ती जिलों राजौरी और पुंछ में सात स्थानों पर तलाशी की जा रही है। उधमपुर जिले में तीन, रियासी में दो और जम्मू में एक जगह पर भी अभियान चल रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात ने 23 जनवरी को कठुआ, डोडा और उधमपुर जिलों के त्रिकोणीय संगम पर स्थित बसंतगढ़ के महत्वपूर्ण क्षेत्रों का दौरा कर व्यापक समीक्षा की थी। उनकी समीक्षा के एक हफ्ते से भी कम समय बाद यह अभियान शुरू किया जाना आतंकियों के लिए स्पष्ट संदेश है कि अब आपके आका भी नहीं बचा पाएंगे। डीजीपी ने फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस में तैनात कर्मियों के अथक प्रयास और प्रतिबद्धता की सराहना की। उनकी कठिन कार्य परिस्थितियों को स्वीकार करते हुए उन्होंने कर्मियों से खतरों से निरंतर निपटने का आग्रह किया। साथ ही यह सुनिश्चित करने को भी कहा कि स्थानीय आबादी की सुरक्षा और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहे। बता दें कि आतंकवादियों ने 2021 से राजौरी और पुंछ में घातक हमले करने के बाद पिछले साल जम्मू क्षेत्र के छह अन्य जिलों में भी अपनी आतंकी गतिविधियां फैला दीं, जिसमें 18 सुरक्षाकर्मी सहित 44 लोग मारे जा चुके हैं। इस दौरान सुरक्षा बलों और पुलिस ने 13 आतंकवादियों को भी मार गिराने में सफलता हासिल की है। हालांकि, पिछले वर्षों की तुलना में 2024 में पीर पंजाल के राजौरी और पुंछ जिलों में आतंकी गतिविधियों में काफी कमी आई है, लेकिन अप्रैल-मई से रियासी, डोडा, किश्तवाड़, कठुआ, उधमपुर और जम्मू में हुई घटनाओं की श्रृंखला ने सुरक्षा एजेंसियों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी थी। आतंकियों को नेस्तनाबूत करने के लिए सुरक्षा बलों ने अब विशेष अभियान चला रखा है। इससे आतंकियों में जहां दहशत है वहीं उनके आकाओं के माथे पर चिंता की लकीरें।

दिल्ली में महिला वोटरों की उदासीनता

डॉ. रमेश ठाकुर

अरविंद केजरीवाल ने अपने चुनावी घोषणापत्र में एक बार फिर फ्रीबीज की झड़ी लगाई है। कितने सफल होंगे, ये तो आने वाला समय ही तय करेगा पर अब इतना जरूर है, लोग फ्री की सौगातों से ऊबने लगे है। श्रमबल को तरजीह देने वाली आधी आबादी, भी अब मुफ्त की चुनावी रेबड़ियों पर ध्यान नहीं देगी। इसी कारण जारी दिल्ली विधानसभा चुनाव के प्रचार-प्रसार में महिला वोटरों की उदासीनता बड़े पैमाने पर दिखने लगी है। पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के कूदे कुल 699 उम्मीदवारों में 96 महिला कैंडिडेट भी हैं पर, वैसा उत्साह नहीं दिखता जितना पिछले चुनावों में दिखा था जबकि, प्रमुख दल आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस तीनों महिला वोटरों को रिझाने में मुफ्त के वादों की झड़ी लगाए हुए हैं। कोई 2100 रूपए देने का वादा कर रहा है तो 2500 और 3000 तक भी? फ्री बस सेवा सभी के एजेंड़ों में हैं। अब, सवाल यहां ये उठता है, इतने लुभावने वादों के बाद भी महिला वोटरों में उत्साह क्यों नहीं है? इस डरावनी तस्वीर से न सिर्फ सफेदपोश परेशान हैं बल्कि चुनाव आयोग भी चिंतित है। चुनावी समर में लगातार तेजी से गिरता वोटिग प्रतिशत चुनावी प्रक्रिया के अलावा लोकतंत्र के लिए भी घातक है जबकि बीते 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में महिलाओं का वोटिंग स्कोर पुरुषों के मुकाबले अधिक था।

शायद, महिलाएं भी अब समझ चुकी हैं कि फ्री के नाम पर राजनीतिक दल उन्हें वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल करने लगे हैं? महिलाएं बुनियादी मुद्दों की गंभीरताओं को अच्छे से समझती हैं। राज्य तरक्की करे उसमें उनकी भागीदारी हो, को ध्यान में रखकर ज्यादातर महिलाओं ने मुफ्त की रेवड़ियों से तौबा करना शुरू कर दिया है। इस संबंध में एक ताजा और बेहतरीन उदाहरण सामने है। पिछले विधानसभा चुनाव में बिहार में जब नीतीश कुमार ने शराबबंदी का ऐलान करके चुनाव लड़ा तो महिलाओं ने बढ़चढ कर हिस्सा लिया और उन्हें सत्ता पर बैठा दिया। देश और सामाजिक उद्धार वाले मुद्दों के प्रति महिलाएं कितनी सजग हैं, इससे ख़ूबसूरत उदाहरण दूसरा कोई नहीं हो सकता। केंद्रीय स्तर पर जब से आत्मनिर्भरता की अलख चहुं ओर जगी है, तब, से महिलाएं भी श्रमबल को ज्यादा तवज्जो देनी लगी हैं। ये अच्छी बात है, इससे राजनीतिक दल अपनी हरकतों से बाज आएंगे। शायद यही कारण है दिल्ली में महिलाओं की चुनाव के प्रति उदासीनता है क्योंकि, सभी दल मुद्दों-समस्याओं को छोड़कर फ्री की सेल लगाकर बैठे हैं। ऐसे दलों का पुरजोर विरोध होना ही चाहिए। विरोध से ही सरकारें टैक्सपेयर्स का पैसा बर्बाद करने से पीछे हटेंगी।

महिलाओं की उदासीनता के बूते ही दिल्ली चुनाव इस बार नई तस्वीर पेश करेगा। मौजूदा सरकार की शराब पॉलिसी को लेकर महिलाएं खासी नाराज हैं। सरकार की नई शराब नीति में 'एक पर एक फ्री बोतल' पॉलिसी ने कईयों के घर बर्बाद कर दिए। जो नहीं पीता था, वो भी फ्री के चक्कर में पीने लगा। मौजूदा सरकार अगर सत्ता से बेदखल होती है तो शराब ऑफर उसका मुख्य कारण होगा। वैसे, कम होती वोटिंग विधा की तल्ख सच्चाई से चुनाव और सियासी दल अच्छे से वाकिफ हैं लेकिन उस हकीकत को दोनों कभी उजागर नहीं करना चाहेंगे। हकीकत ये है, चुनावों में अगर ग्रामीण, मध्यमवर्ग और महिलाएं हिस्सा न लें तो वोटिंग प्रतिशत और धरातल में घुस जाए। वोटिंग से शिक्षित वर्ग, वर्किंग लोग लगातार दूरियां बनाने लगे हैं। मतदान के दिन वह छुट्टियां मनाते हैं, बा-मुश्किल ही घरों से उस दिन बाहर निकलते हैं।

दिल्ली में इस बार जितने नए वोटर जुड़ें हैं उनमें पुरूषों के मुकाबले महिलाएं मतदाता काफी पीछे हैं। ये स्थिति तब है, जब दिल्ली की सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रहे तीनों प्रमुख दलों के घोषणाओं में महिलाओं से जुड़ी योजनाओं की मूसलाधार भरमारें हैं। आप, भाजपा व कांग्रेस तीनों दल आधी आबादी को अपने पाले में करने की भरसक कोशिशें में हैं।

महाकुंभ के अजब-गजब नज़ारे

राधा रमण

प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू सनातन धर्म का महापर्व महाकुंभ की छटा पूरे शबाब पर है। रिपोर्ट लिखे जाने तक अमेरिका की पूरी आबादी से ज्यादा लोगों ने पवित्र संगम में डुबकी लगा ली थी। प्रतिदिन 30 से 50 लाख की संख्या में श्रद्धालु संगम में मोक्ष प्राप्ति की मंशा से डुबकी लगा रहे हैं। अवकाश के दिनों और शाही अथवा अमृत स्नान के दिन इनकी संख्या बढ़ जाती है। समूचा मेला क्षेत्र लगभग 40 किलोमीटर के दायरे में समाया हुआ है। इसकी भव्यता देखते ही बनती है। वैसे तो हर कुंभ-महाकुंभ में कुछ साधु-महात्मा को महामण्डलेश्वर की उपाधि प्रदान करने की परंपरा रही है, तो कुछ लोग सनसनी बनते रहते हैं। इस बार भी इनकी संख्या बहुतायत है।

महाकुंभ के पहले अमृत स्नान के दिन शाही रथ पर बैठने के कारण मॉडल और एंकर हर्षा रिछारिया को संतों के भारी विरोध को झेलना पड़ा था। कई संतों ने तो इसे सनातन धर्म के अपमान से जोड़ दिया था। नतीजतन, हर्षा का एक भावुक वीडियो वायरल होने लगा था जिसमें वह रोते-रोते महाकुंभ छोड़कर जाने की बात कहने लगी थीं। हालाँकि अखाड़ा परिषद् के अध्यक्ष महंत रवीन्द्र पुरी से मिलने के बाद हर्षा ने अपना मन बदल लिया है। उन्होंने कहा है कि उनके जीवन का लक्ष्य सनातन धर्म की ध्वजा फहराना है। इसलिए वह अब कुंभ छोड़ कर कहीं नहीं जाएँगी। उधर, महंत रवीन्द्र पुरी ने भी हर्षा को अपनी धर्मपुत्री बताते हुए कहा है कि हर्षा को फिर से शाही रथ पर बिठाया जाएगा और अमृत स्नान कराया जाएगा। उत्तराखंड की मूल निवासी और झांसी-भोपाल मे पली-बढ़ी हर्षा रिछारिया ने अपने इन्स्टाग्राम पर खुद को मेकअप आर्टिस्ट, सोशल एक्टीविस्ट, ट्रेवल ब्लॉगर और एंकर बताया है। उनका कहना है कि अब वह सबकुछ छोड़कर संन्यास के मार्ग की और बढ़ रही हैं। हालाँकि अभी उन्हें साध्वी कहना ठीक नहीं है। उन्होंने अभी तक दीक्षा नहीं ली है। सिर्फ निरंजनी अखाड़ा के महंत महामण्डलेश्वर कैलाशानंद जी से गुरुमंत्र लिया है। हर्षा रिछारिया के सोशल मीडिया पर 18 लाख फालोवर हैं।

महाकुंभ में 90 की दशक में सिल्वर स्क्रीन की सनसनी रहीं ममता कुलकर्णी ने भी संन्यासी का चोला धारण कर लिया है। अब ममता किन्नर अखाड़े की महामण्डलेश्वर बन गई हैं। उन्होंने किन्नर अखाड़े की महामण्डलेश्वर आचार्य लक्ष्मी से दीक्षा ली है और ममता कुलकर्णी से ममतानन्द गिरी बन गई हैं। हालाँकि इसको लेकर भी संत समाज में नई बहस छिड़ गई है। कई साधु-संत ममता को महामण्डलेश्वर बनाए जाने से नाराज बताये जाते हैं। उनका कहना है कि ऐसे ही हर किसी को महामण्डलेश्वर बनाए जाने से तो सनातन धर्म का बंटाधार हो जाएगा। लेकिन ममता का कहना है कि इसके लिए उन्होंने 23 वर्ष तक तपस्या की है। यह अलग बात है कि 90 के दशक में कई हीट फिल्मों की हीरोइन रहीं ममता का नाम ड्रग तस्करी से भी जुड़ा रहा है। ममता की ड्रग तस्कर विक्की गोस्वामी से दोस्ती की चर्चा सरेआम रही है। वह करीब 24 वर्षों तक भारत से दूर केन्या में रहीं और बाम्बे हाईकोर्ट से बरी होने के बाद भारत लौटी हैं। ममता का विरोध करने वालों में बागेश्वर धाम के महंत धीरेन्द्र शास्त्री भी शामिल हैं। उनका कहना है कि किसी को उसके प्रभाव में आकर महंत या महामण्डलेश्वर नहीं कह सकते, जब तक कि उसके अंदर साधुत्व का भाव न प्रस्फुटित हो जाए। महाकुंभ में आजकल आईआईटी बाबा के नाम से मशहूर हरियाणा के अभय सिंह की चर्चा भी जोरों पर है। उनका दावा है कि 'मुझे अपने पिछले जन्म का सबकुछ पता है और मुझ में भगवान दिखते हैं। और तो और,अभय सिंह श्मशान में हड्डियां खाने का भी दावा करते हैं। कभी लंबी दाढ़ी और बिखरे बाल रखनेवाले अभय सिंह कभी क्लीन सेव भी हो जाते हैं। वह कहते हैं कि भगवान शिव भी रूप बदलते रहते थे। इसीलिए मैं भी रूप बदलते रहता हूँ। हालाँकि अभय सिंह की बातों से न तो उनके परिवार के लोग इत्तेफाक रखते हैं न ही महाकुंभ में आये अनेक साधु-संतों को उनकी बातों पर भरोसा है। वह कभी फूट-फूटकर रोने लगते हैं तो कभी ठहाका लगाकर हँसने लगते हैं। इसीलिए कुछ लोग उन्हें पागल तक करार देते हैं। अभय सिंह के पिता कर्ण सिंह वकील हैं और माता गृहिणी। पिता बताते हैं कि वह पढने में मेधावी था। आईआईटी मुंबई से एयरोस्पेस में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद उसने कनाडा में नौकरी भी की थी। कोरोना के बाद भारत लौटने पर कुछ दिन यहाँ ठीक रहा। हम उसका घर बसाने की तैयारी में थे। लेकिन पिछले 11 माह से बिना बताये घर से चला गया। पिछले छह माह से तो उसके बारे में कुछ पता भी नहीं था। उसने हम घरवालों का फोन नंबर ब्लॉक कर रखा है। महाकुंभ में अभय की जानकारी मिलने के बाद माता-पिता अभय को मनाने महाकुंभ भी गए थे लेकिन अभय सिंह ने उनसे मुलाक़ात करना गंवारा नहीं समझा। अभय सिंह ने कहा कि छह महीने से काशी में था तब क्यों नहीं मिलने आये, अब क्यों आये हैं ? अभय सिंह महाकुंभ की शुरुआत में जूना अखाड़े में रहे लेकिन उनके संदिग्ध चरित्र और विवादास्पद हरकतों के कारण उन्हें अखाड़े वालों ने निकाल दिया। जूना अखाड़े के संतों ने अभय पर अपने गुरु को गाली देने और हर समय नशे में रहने का आरोप लगाया। अब वह मेले में रोज नये-नये ठिकानों में दिखाई देते हैं।

महाकुंभ में मध्यप्रदेश के महेश्वर से माला बेचने आईं मोनालिसा की भी जरदस्त चर्चा रही। मोनालिसा ने एक दिन अपना वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड क्या कर दिया, वह उनके गले की फांस बन गई। लोग उनकी नीली आँखों के इतने फैन हो गए कि दूसरे दिन से उनके यहाँ यूट्यूबरों की लाइन लगने लगी। उनका रहना-खाना-सोना तक दुश्वार हो गया। दिन हो या रात उनके ठिकाने पर यूट्यूबरों की भीड़ जुटने लगी। माला बिकना बंद हो गया। इससे वह रोने लगी। आखिर में उनके पिता को उन्हें वापस घर भेजना पड़ा। महाकुंभ में 8 साल के नागा संन्यासी गोपाल गिरी की भी खूब चर्चा है। वह जूना अखाड़े से जुड़े हुए हैं। हिमाचल प्रदेश के चंबा के रहनेवाले गोपाल गिरी को उनके माता-पिता ने 3 वर्ष की कच्ची उम्र में जूना अखाड़े को सौंप दिया था। बाद में अखाड़े ने उन्हें शास्त्र और शास्त्र की शिक्षा देकर दीक्षित किया। अब उनका परिवार से कोई नाता नहीं रह गया है। गोपाल गिरी कहते हैं कि उनका मन न तो खिलौनों से खेलने में लगता है न ही सांसारिक दुनिया में वापस जाना चाहते हैं। वह शास्त्रार्थ करते रहते हैं और भजन गुनगुनाते रहते हैं। भीषण सर्दी में गोपाल गिरी भभूत लगाये और रुद्राक्ष की माला पहने अखाड़े के बाहर बैठे रहते हैं। उनको देखनेवालों की भीड़ लगी रहती है।

महाकुंभ में सात फीट लंबे बॉडी बिल्डर बाबा उर्फ़ आत्म प्रेम गिरी महाराज भी खूब आकर्षण के केंद्र बने हुए हैं। बॉडी बिल्डर बाबा सोवियत रूस के नागरिक हैं। वह पहले स्कूल टीचर थे। करीब 30 साल पहले भारत घूमने आये थे। यहाँ इनका मन अध्यात्म और भारत की सनातन परंपरा में इस कदर रम गया कि यहीं के होकर रह गए। उनकी हिन्दू धर्म में आस्था है। उन्होंने न सिर्फ हिन्दू धर्म को अपना लिया बल्कि उसी में मग्न हो गए। गले में रुद्राक्ष की माला, शरीर पर पीला वस्त्र और गले में टंगा थैला - यही इनकी पहचान बन गई। लोग इनकी लंबी कद काठी के कारण इन्हें भगवान परशुराम का अवतार मानने लगे। महाकुंभ के शुरुआती दिनों में एपल कंपनी के को- फाउंडर स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन पावेल भी खूब चर्चा में रहीं। वह 11 जनवरी को ही मेला क्षेत्र में महंत कैलाशानंद गिरी के आश्रम में कल्पवास करने के इरादे से आ गई थीं। लेकिन तबियत खराब हो जाने के कारण उन्हें चौथे दिन ही वापस लौटना पड़ा। लॉरेन पावेल ने कहा था कि वह अपने दिवंगत पति की अधूरी इच्छा को पूरी करने के इरादे से महाकुंभ में आई हैं।

एक नहीं, हजारों बार मरे हैं गांधी !

डॉ घनश्याम बादल

गांधी पुण्यतिथि पर विशेष

शारीरिक रूप से 30 जनवरी 1948 को गांधी, गोडसे की गोली से देह से आत्मा में तब्दील हो गए थे मगर सच कहें तो हम ने गांधी को उसके बाद भी एक बार नहीं बार-बार मारा है, हजार बार मारा है । देश के विभाजन के समय मारा एक लंबे कालखंड तक चले मजहबी दंगों में मारा, 1984 में मारा, गोधरा में मारा, और न जाने कहां कहां मारा. बस फर्क इतना है कि इन सब दिनों में 30 जनवरी वाली कैलेंडर की तारीख नहीं थी और आज वही कैलेंडर वाली 30 जनवरी है जिसे गांधी की हत्या का कल दिन माना जाता है।

बेशक 30 जनवरी गांधी की शहादत को नमन करने का दिन है, उनकी असमय मृत्यु पर रोने का दिन है परन्तु उनके बताए रास्ते पर चलने के संकल्प का दिन है या नहीं ,इस पर बड़ी बहस की संभावना आज भी है ।

गांधी ने देश को क्या दिया , या क्या नहीं दिया ? या गांधी देश के लिए क्या थे , अथवा उनके आंदोलन , कार्य , सिद्धांत , जीवन शैली , उनके लिए गए फैसले , भारत विभाजन पर उनकी जिद्द , मुस्लिमों को इस देश में रहने देने की जिद , उस पर भी पाकिस्तान को 200 करोड़ रुपए और एक बडा. भू भाग देने पर कई बड़े नेताओं से अलग सोच व राय ही नहीं अपितु अपनी ही मनमर्जी करना मत मतांतर का विषय हो सकता है । उनके अनुयायियों व विरोधियों मे कमोबेश इन मुद्दों पर गांधी के जीते जी ही तलवारें नहीं खिंचती रही वरन् उनके जाने के बाद भी खिंचती रही हैं और हो सकता है तब तक खिंची रहें जब तक गांधी का नाम इस देश व दुनिया में रहेगा ।

गांधी भले ही सबके देवता न हों या अपने अनुयायियों के भगवान हों पर एक बात तो तय है कि उनके विरोधी व समर्थक दोनों ही एक बात तो मानते हैं कि वें एक साधारण व्यक्ति तो नहीं थे। वें महामानव थे या नहीं, इस पर बहस की जा सकती है पर एक अकेला भारत ही नहीं अपितु दुनिया के दूसरे देश भी गांधी में कुछ ऐसा पाते हैं जो उन्हे उनके मरने के इतने साल बाद भी जिन्दा रखे हैं ।

अपने लंबे राजनैतिक जीवन में गांधी ने कितना सही या कितना गलत किया, इस पर बहस या चिंतन करना गलत भले ही न हो पर उनकी पुण्य तिथि पर शायद यह उचित न हो। आज उनके जाने के बाद यदि गोडसे जैसे हत्यारे के नाम पर

कुछ लोग जो राजनीति करते रहे हैं, वह बेहद चिंता का सबब है।

कोई भी कानून किसी हत्यारे को निरपराध नहीं मानेगा। आप किसी से सहमत या असमत हो सकते हैं. इसका हक आप को लोकतंत्र देता है, पर हत्यारों को सम्मानित करना , उनका मंदिर बनवाना , मज़हब की आड़ लेकर उन्हे शहीद जैसे शब्द देना क्या है ?

अगर गांधी गोडसे की गोली से बच जाते बहुत संभव था कि वें उसे बचा लेते या बचाने के लिए अनशन अथवा सत्याग्रह पर बैठ जाते मगर ऐसा हुआ नहीं और देश उनके आखिर शब्दो 'हे राम ' को अपना कर बैठ गया । गांधी के हत्यारे के साथ कानून को जो करना था उसने किया . अब वह किसी संघ से जुड़ा था या नहीं, यह महत्वपूर्ण नहीं रह गया है । महत्वपूर्ण यह है कि क्या सरकारें बदलने के साथ राष्ट्रपिता के प्रति भाव भी बदलते रहेंगे ?

गांधी को बिरलामंदिर में नियमित होने वाली प्रार्थना सभा में आजाद होने के महज पांच महीने 14 दिन बाद ही देश ने लाश में तब्दील होते देखा , नफ़रत की पौध को हरे होते देखा , आम आदमी को सचमुच ही किसी नेता की मृत्यु पर बिलख - बिलख कर रोते देखा , फिर समय के साथ उनके हत्यारे को फांसी पर लटकते भी देखा । समय के साथ गोडसे अपनी नियति को प्राप्त हो गया , जिंदा होकर गांधी नहीं लौटे । खेद , कि वक्त ने उनके सपनों व गांधीवाद को भी मरते देखा पर आज यदि गोडसे लौटता दिख रहा है तो यह गांधी की शहादत को नमन करने पर प्रश्न तो खड़े करेगा ही । भले ही कुछ लोगों के लिए 30 जनवरी गांधी के मरने पर रोने का दिन न हो पर उनके आदर्शों की लगातार हो रही हत्या पर रोने का दिन तो है ही । गांधी को तब मारा गया जब सारा ज़माना , उन्हे गौर से सुन रहा था , आइंस्टीन जैसे चिंतक उन्हे एक चमत्कार बता रहे थे , देश को उनके नेतृत्व की जरुरत थी पर गोलियों की धांय... धांय... धांय ...'' की तीन आवाजों के साथ ''हे राम ...'' कह कर वें शांत हो गए । चारों तरफ कोहराम , मच गया , उन घरों में भी कई दिन चूल्हा नहीं जला जिन्होने गांधी जी को कभी देखा सुना तक न था , यह थी गांधी के मरने के ग़म की आम जन की अभ्व्यिक्ति ।

'' आजादी का भगवान'' देश के लिए प्रार्थना करने के लिए आया था , सबके लिए '' सबको सन्मति दे भगवान ....'' का तराना गाने" आया था । जिसे देश ने 'बापू' कहा था , दुनिया ने 'महात्मा' बताया था , हमारी छोटी सोच के चलते बीसवीं सदी का चमत्कार कहे जाने वाला वह महानायक हमारे अपने हाथों ही मार डाला गया था आज के दिन । यही है 30 जनवरी पर रोने का सबब । शायद गांधी को रोने का कम और अपनी गलती पर रोने का ज्यादा । पर क्या हम जाने अनजाने में उससे भी बड़ी गलती नहीं कर रहे हैं ? आज आम जन के सपनों की हत्या का दिन है, क्योंकि आम जन ने ही उस कृशकाय आदमी को सिर माथे पर बैठाया था, महात्मा बनाया था , राष्ट्रपिता का मान दिया था हालांकि जिस मदांध ने गांधी का गोली मारी, वह देश का प्रतिनिधि नहीं था पर उसमें उगा एक जहरीला सांप तो था ही जिसने गांधी को डस लिया, उस गांधी को जिसने देश को आजादी का अमृत दिया था । गांधी आम आदमी के लिए पूज्य थे और आज भी हैं ।

गांधी काल के प्रभाव से बचे रहे है , गांधी की महात्मा होने की छवि हमेशा जस की तस आगे भी बनी रहेगी, भले ही कुछ खास लोग गोडसे से कहलवाते रहें 'मैने गांधी का वध किया है ' । आज भी दुनिया गांधी से ऊर्जा ले कर , किसी समस्या का अहिंसापूर्वक , विरोधी को अपनी बातो व विचारों से प्रभावित करके , आपस में बातचीत करके हल ढूंढती दिख रही है. यही है गांधी के गांधी होने का अद्भुत रहस्य । वें बेखौफ जिए, निस्पृह रहे , जो करना था करते रहे । इसी आत्मबल ने गांधी को महात्मा बनाया । हमें आजादी दिलवाई पर हमने गोडसे गढ़े , नफरत पाली मज़हब , राजनीति , वोट व आदमी का घालमेल कर उन्हे शूट कर दिया, इसी शर्मनाक शूटआउट पर रोने का दिन है आज ।

अमेरिकी फंडिंग बन्द होने से बीमार होता डब्ल्यूएचओ

प्रियंका सौरभ

यू.एस. विश्व स्वास्थ्य संगठन की वित्तीय स्थिति वापसी के कारण तनावपूर्ण है। यू.एस. विश्व स्वास्थ्य संगठन के बजट का सबसे बड़ा दाता था जो 2023 में स्वैच्छिक योगदान का 13% और मूल्यांकन किए गए योगदान का 22.5% था। फंडिंग के अचानक बंद होने से एक बड़ा संसाधन अंतराल पैदा हुआ जिससे महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्य पहलों को ख़तरा हुआ, खासकर निम्न और मध्यम आय वाले देशों (कम और मध्यम आय वाले देशों) में। यू.एस. ने रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) जैसे संगठनों के माध्यम से विश्व स्वास्थ्य संगठन समितियों को वैज्ञानिक ज्ञान का योगदान दिया, जिसमें एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। वापसी ने वैश्विक निगरानी और महामारी की तैयारी के लिए आवश्यक साझेदारियों को तोड़ दिया। महामारी की तैयारी, निष्पक्ष टीका वितरण और प्रतिक्रिया समन्वय के लिए एक एकल विश्वव्यापी ढांचा बनाने के अमेरिका के प्रयासों को विश्व स्वास्थ्य संगठन के नेतृत्व वाली महामारी संधि वार्ता से बाहर निकलने के फैसले से बाधा पहुँची क्योंकि वापसी ने राष्ट्रीय हितों को अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता से आगे रखा, इसने बहुपक्षवाद को कमजोर किया। अन्य देश भी ऐसा ही कर सकते हैं, जिससे विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसे वैश्विक संगठनों में विश्वास कम हो सकता है।

वैश्विक स्वास्थ्य शासन का पहला प्रभाव शक्ति संतुलन में बदलाव है। अमेरिका के बाहर निकलने से चीन और वैश्विक दक्षिण को अंतर को भरने का मौका मिला। जैसे-जैसे चीन ने अपने संसाधनों और प्रभाव का विस्तार किया, भारत जैसे देश निम्न और मध्यम आय वाले देशों के बारे में अधिक मुखर हो गए और निष्पक्ष स्वास्थ्य नीतियों को बढ़ावा दिया। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में कमजोर आबादी विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीकाकरण कार्यक्रमों और रोग उन्मूलन पहलों का समर्थन करने की कम क्षमता से असमान रूप से प्रभावित हुई थी। यू.एस.-विश्व स्वास्थ्य संगठन साझेदारी की समाप्ति ने महत्त्वपूर्ण अनुसंधान और नवाचारों के प्रसार में देरी की और अंतरराष्ट्रीय महामारी निगरानी नेटवर्क में हस्तक्षेप किया। भारत और अन्य वैश्विक दक्षिण देशों के लिए वैश्विक स्वास्थ्य शासन के पुनर्गठन पर अधिक प्रभाव डालने का एक मौका है। वैक्सीन कूटनीति और समग्र स्वास्थ्य पहलों में अपने नेतृत्व के कारण भारत एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थित है हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा छोड़ी गई नेतृत्व की भूमिका को संभालने की उनकी क्षमता संसाधनों की कमी और परस्पर विरोधी प्राथमिकताओं, जैसे क्षेत्रीय संघर्षों से बाधित है।

जब तक सरकार अनुमति देती है, विश्व स्वास्थ्य संगठन राष्ट्रीय स्वास्थ्य पहलों में भाग लेता है। इसके अतिरिक्त, यह भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे कई स्वास्थ्य पहलों के साथ सहयोग करता है और उनका समर्थन करता है, जिनमें एचआईवी, मलेरिया, तपेदिक, उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग (एनटीडी), रोगाणुरोधी प्रतिरोध और बहुत कुछ शामिल हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भारत के टीकाकरण कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण है; विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीमें वैक्सीन कवरेज पर भी नज़र रखती हैं। यदि अमेरिकी फंडिंग बंद हो जाती है, तो विश्व स्वास्थ्य संगठन भारत सहित इन पहलों को पूरा करने में असमर्थ होगा। अमेरिका अब अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाएगा। आज, संयुक्त राज्य अमेरिका सार्वजनिक स्वास्थ्य कूटनीति का उपयोग यह प्रभावित करने के लिए करता है कि बाकी दुनिया लोगों के स्वास्थ्य के प्रति कैसे प्रतिक्रिया करती है और उसे कैसे सुरक्षित रखती है। अल्बानिया, बुल्गारिया, बेलारूस, चेकोस्लोवाकिया, हंगरी, रोमानिया और यूक्रेन के साथ-साथ सोवियत संघ सहित कई पूर्वी यूरोपीय देशों ने 1949 में विश्व स्वास्थ्य संगठन से हटने का इरादा घोषित किया। इन देशों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रयासों और उन पर अमेरिका के प्रभाव के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त की।यू.एस. वैश्विक स्वास्थ्य के शासन में एक महत्त्वपूर्ण क्षण ट्रम्प के विश्व स्वास्थ्य संगठन से हटने से चिह्नित किया गया था वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सुरक्षा और लचीलेपन की गारंटी देने के लिए, भारत और ग्लोबल साउथ के अन्य सदस्यों जैसे देशों को इन मुद्दों को हल करने और एक निष्पक्ष और सहयोगी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए पहल करनी चाहिए। अमेरिका को वापस लाना।

शिक्षा को प्रभावित कर रही जलवायु !

सुनील कुमार महला

हाल ही में यूनिसेफ ने 'लर्निंग इंटरप्टेडः ग्लोबल स्नैपशॉट ऑफ क्लाइमेट-रेलेटेड स्कूल डिसरप्शन्स इन 2024' रिपोर्ट प्रस्तुत की है, जो बताती है कि मौसम का शिक्षा पर बहुत प्रभाव पड़ रहा है। वास्तव में यह शिक्षा के लिए चिंता का विषय है। रिपोर्ट बताती है कि मौसम के कारण भारत के 5 करोड़ छात्र प्रभावित हुए हैं,यह आंकड़ा अपने आप में बहुत ही महत्वपूर्ण है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल यानी कि वर्ष 2024 में भारत ने गर्मी के सारे पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। भारतीय मौसम विभाग ने बताया था कि यह साल 1901 के बाद से सबसे गर्म साल(2024) के तौर पर दर्ज किया गया। भारत ही नहीं, पूरी दुनिया पिछले साल गंभीर जलवायु संकट की मार झेल रही थी। हाल फिलहाल, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने एक चौंकाने वाली रिपोर्ट पेश की है, जिसमें स्कूली बच्चों की शिक्षा पर पड़ रहे जलवायु संकट के खतरनाक असर को उजागर किया गया है।

दरअसल, रिपोर्ट में यह उजागर हुआ है और वर्ष 2024 में दुनिया भर के स्कूल जाने वाले हर सात बच्चों में से एक बच्चा मौसमी बाधाओं(बदलती जलवायु) के कारण स्कूल में उपस्थित नहीं हो सका। शोध के अनुसार साल में गर्म दिनों की अधिक संख्या ने परीक्षा के नतीजों को भी खास तौर पर प्रभावित किया।रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि दक्षिण एशिया विशेषकर भारत, बांग्लादेश और कंबोडिया जैसे देशों में अप्रैल महीने में हीटवेव(लू) ने शिक्षा व्यवस्था को तहस-नहस कर दिया। यह बहुत संवेदनशील है कि यूनिसेफ के चिल्ड्रन क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स (सीसीआरआई) में भारत 163 देशों में 26वें स्थान पर है। चिन्ता इस बात की है कि भारत को जलवायु परिवर्तन के लिहाज से बेहद संवेदनशील देश बताया गया है। गौरतलब है कि सितंबर 2024 में 18 देशों में जलवायु संकट के चलते स्कूल सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।इस रिपोर्ट के मुताबिक, 242 मिलियन (24.2 करोड़) छात्रों की पढ़ाई जलवायु संकट की वजह से प्रभावित हुई, जिनमें 74% छात्र निम्न और निम्न-मध्यम आय वाले देशों से थे। उल्लेखनीय है कि ये बच्चे प्री-प्राइमरी से लेकर उच्च माध्यमिक शिक्षा तक के हैं।बताया गया है कि दक्षिण एशिया इनमें सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र रहा, जहां 128 मिलियन छात्रों की शिक्षा बाधित हुई। वहीं अफ्रीका में 107 मिलियन बच्चे स्कूल छोड़ चुके हैं, और 20 मिलियन बच्चे स्कूल छोड़ने की कगार पर हैं।

शिक्षा पर ही किसी देश का भविष्य निर्भर करता है। हीटवेव(लू), बाढ़, तूफान, चक्रवात और सूखे जैसी घटनाओं का असर बच्चों की पढ़ाई पर भारी पड़ रहा है और यदि इस संकट से निपटने के लिए तुरंत कदम नहीं उठाए गए, तो इसका असर भविष्य में भी अनेक पीढ़ियों तक महसूस किया जाएगा।

गुप्त नवरात्रि आज से

देवी सती की दस महाविद्याओं की साधना का उत्सव है माघ मास की नवरात्रि, जानिए महाविद्याओं की कथा

30 जनवरी को माघ शुक्ल प्रतिपदा से गुप्त नवरात्रि शुरू हो रही है। माघ मास की गुप्त नवरात्रि 6 फरवरी तक रहेगी। गुप्त नवरात्रि में देवी सती से उत्पन्न हुईं दस महाविद्याओं की कृपा पाने के लिए साधना की जाती है।

गुप्त नवरात्रि से पहले मौनी अमावस्या की रात महाकाली की विशेष पूजा करनी चाहिए। माताजी की मूर्ति या चित्र पर हार-फूल और नींबुओं की माला चढ़ानी चाहिए। इसके साथ ही देवी को इत्र भी चढ़ाएं। विधिवत पूजन करें। माघ मास की नवरात्रि में साधनाएं गुप्त रूप से की जाती हैं।

ये हैं दस महाविद्याएं

काली : समय और मृत्यु की देवी हैं।
तारा : करुणा और ज्ञान की देवी हैं।
त्रिपुर सुंदरी : सौंदर्य, प्रेम और अध्यात्म की देवी हैं।
भुवनेश्वरी : संपूर्ण सृष्टि की अधिष्ठात्री देवी हैं।
छिन्नमस्ता : आत्मत्याग और बलिदान की प्रतीक हैं।
भैरवी : तपस्या और साधना की देवी हैं।
धूमावती : देवी का ये स्वरूप त्याग, वैराग्य का प्रतीक है।
बगलामुखी : देवी का ये स्वरूप शत्रुओं और नकारात्मक शक्तियों का नाश करता है।
मातंगी : विद्या, कला और संगीत की देवी हैं।
कमला : धन, वैभव और समृद्धि की देवी हैं।

माघ गुप्त नवरात्रि 2025 तिथि प्रारंभ

पंचांग के अनुसार इस साल माघ शुक्ल प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 29 जनवरी 2025 को शाम 6:05 मिनट से शुरु हो चुकी है, इस तिथि का समापन 30 जनवरी को शाम 4:01 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार माघ गुप्त नवरात्रि का शुभारंभ 30 जनवरी 2025 के दिन से होगा।

ये है दस महाविद्याओं की संक्षिप्त कथा

पौराणिक कथा के मुताबिक, देवी सती के पिता प्रजापति दक्ष भगवान शिव को पसंद नहीं करते थे और समय-समय पर शिव जी को अपमानित करने के अवसर खोजते रहते थे। एक दिन प्रजापति दक्ष ने एक यज्ञ आयोजित किया। यज्ञ में सभी देवी-देवताओं, ऋषि-मुनियों को बुलाया गया, लेकिन दक्ष ने शिव-सती को आमंत्रित नहीं किया। जब देवी सती को अपने पिता के यहां के यज्ञ की जानकारी मिली तो देवी भी यज्ञ में जाने के लिए तैयार हो गईं। भगवान शिव ने देवी सती को समझाया कि हमें बिना बुलाए ऐसे आयोजन में नहीं जाना चाहिए। देवी सती ने कहा कि दक्ष मेरे पिता हैं, और अपने पिता के यहां जाने के लिए किसी आमंत्रण की जरूरत नहीं है। सती के ऐसा कहने के बाद भी शिव जी देवी को जाने से रोकना चाहा, लेकिन सती क्रोधित हो गईं। देवी सती के क्रोध से दस महाविद्याएं प्रकट हो गईं। इसके बाद शिव जी के मना करने के बाद भी देवी सती दक्ष के यहां यज्ञ में पहुंच गईं। यज्ञ स्थल पर सती को देखकर प्रजापति ने दक्ष ने शिव जी के लिए अपमानजनक बातें कहीं। देवी सती शिव जी अपमान सहन नहीं सकीं और उन्होंने यज्ञ कूंड में अपनी देह त्याग दी।

श्रीकृष्ण की सीख - अपने कर्तव्य ईमानदारी से पूरे करें और अधिकारों का गलत इस्तेमाल करने से बचें

जो लोग निःस्वार्थ भाव से अपने कर्तव्य पूरे करते हैं, उनके जीवन में सुख-शांति बनी रहती है, ऐसे लोगों को भगवान की कृपा भी मिलती है। ये बात भगवान श्रीकृष्ण और देवराज इंद्र की एक पौराणिक कथा से समझ सकते हैं।

द्वापर युग में भगवान विष्णु के आठवें अवतार श्रीकृष्ण अवतरित हो गए थे और वे बाल स्वरूप में गोकुल-वृंदावन में अपनी लीलाएं कर रहे थे। एक दिन बाल कृष्ण ने देखा कि ब्रज के लोग देवराज इंद्र की पूजा करने जा रहे है। तब कान्हा ने लोगों से पूछा कि इंद्र की पूजा क्यों की जा रही है?

ब्रज के लोग बोले कि इंद्र वर्षा के देवता हैं और हम किसान हैं। अच्छी वर्षा की कामना से हम किसान इंद्र को प्रसन्न करने के लिए पूजा कर रहे हैं।

ये बातें सुनकर कृष्ण बोले कि इंद्र तो वर्षा का देवता नहीं है। वर्षा तो प्रकृति कराती है। इंद्र तो सिर्फ उसकी व्यवस्था करने वाले देवता हैं। इसीलिए इंद्र की पूजा नहीं करनी चाहिए।

ब्रज के लोगों ने कहा कि अगर हम इंद्र की पूजा नहीं करेंगे तो वे नाराज हो जाएंगे।

श्रीकृष्ण ने कहा कि मैं इंद्र से सभी की रक्षा करूंगा। इंद्र से डरने की जरूरत नहीं है।

बाल कृष्ण की बातें मानकर ब्रज के लोगों ने इंद्र की पूजा बंद कर दी। जब ये बात देवराज इंद्र को मालूम हुई तो इंद्र गुस्सा हो गए और उन्होंने बहुत तेज बारिश करनी शुरू कर दी।

बारिश की वजह से ब्रज के लोग बहुत डर गए। तब श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठाकर लोगों की बारिश से रक्षा की थी।

देवराज इंद्र ने देखा कि इतनी वर्षा के बाद भी ब्रजवासियों का कोई नुकसान नहीं हुआ है। इंद्र धरती पर आए और उन्होंने देखा कि श्रीकृष्ण ने छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत को उठा रखा है और उस पर्वत के नीचे ब्रज के सभी लोग सुरक्षित हैं। इंद्र बाल गोपाल की असली स्वरूप को पहचान गए और बोले कि भगवान आपने ऐसा क्यों किया? मेरी पूजा क्यों बंद करवा दी।

श्रीकृष्ण बोले कि इंद्र आपका काम है वर्षा की व्यवस्था करना, लेकिन अपने इस कर्तव्य को पूरा करने के बदले आप खुद की पूजा करवाने की अपेक्षा रखते हैं, इसमें अपना स्वार्थ देख रहे हैं। मेरी नजर में ये सही नहीं है। हमें अपने कर्तव्य निःस्वार्थ भाव से पूरे करने चाहिए और कभी भी अपनी शक्तियों का, अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ये बातें सुनकर इंद्र को अपनी गलती का एहसास हो गया और उन्होंने श्रीकृष्ण से क्षमा मांगी और लौट गए।

श्रीकृष्ण की सीख

श्रीकृष्ण ने इस कथा में संदेश दिया है कि हमें अपने कर्तव्य ईमानदारी से पूरे करने चाहिए और कर्तव्य के बदले कुछ अतिरिक्त लाभ लेने से बचना चाहिए। इसके साथ ही हमें अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

फरवरी में 3 बड़े ग्रहों का गोचर, इन 3 राशि के जातकों को देगा धन लाभ

फरवरी 2025 में सूर्य, बुध समेत 3 बड़े ग्रहों का गोचर होगा।
मिथुन, कर्क, सिंह, कुंभ राशि वालों को धन लाभ होगा।
कर्क राशि के जातक नई संपत्ति और गाड़ी खरीद सकते हैं।

फरवरी 2025 में सूर्य, बुध समेत 3 बड़े ग्रहों के राशि और चाल में परिवर्तन होने वाला है। सबसे पहले गुरु ग्रह 4 फरवरी को दोपहर 3 बजकर 9 मिनट पर वृषभ राशि में मार्गी होंगे। उसके बाद ग्रहों के राजा सूर्य 12 फरवरी को शनि की राशि कुंभ में रात 10 बजकर 3 मिनट पर प्रवेश करेंगे। उससे एक दिन पहले यानि 11 फरवरी को ग्रहों के राजकुमार बुध दोपहर 12 बजकर 58 मिनट पर राशि परिवर्तन करके कुंभ में आएंगे, जहां पर सूर्य के साथ उनकी युति बनेगी। फिर बुध ग्रह 27 फरवरी को रात 11 बजकर 46 मिनट पर कुंभ राशि से निकलकर गुरु की राशि मीन में गोचर करेगा। फरवरी में इन 3 बड़े ग्रहों के राशि और चाल में परिवर्तन का शुभ प्रभाव तीन राशि के लोगों पर देखने को मिलेगा।

फरवरी ग्रह गोचर 2025: इन राशियों का होगा भाग्योदय!

मिथुन: फरवरी में 3 बड़े ग्रहों के गोचर का शुभ प्रभाव मिथुन राशि के लोगों पर देखने को मिलेगा। लाइफ पार्टनर के साथ आप अच्छा समय व्यतीत करेंगे। उनके साथ आपके संबंध मधुर होंगे, मनमुटाव दूर होगा। वाद विवाद के मामले में सफलता प्राप्त होगी। जो लोग पार्टनरशिप में बिजनेस करते हैं, उनके लिए फरवरी का महीना अच्छा होगा। बिजनेस में बड़ा मुनाफा कमाने का अवसर मिलेगा। काम का विस्तार भी कर सकते हैं। अचानक धन लाभ का योग बन रहा है।

कर्क: फरवरी में ग्रहों गोचर से कर्क राशि के जातकों के लिए लाभ की पूरी संभावनाएं बन रही हैं। इस महीने में आपको सफलता प्राप्त होगी और आपके विरोधी परास्त होंगे। लोग आपके काम की तारीफ करेंगे और अपके यश में बढ़ोत्तरी होगी। इस महीने आप कोई नया मकान, नई गाड़ी, नया फ्लैट या प्लॉट की खरीदारी कर सकते हैं। आपकी संपत्ति में बढ़ोत्तरी का योग बना है। इस महीने में आपको बड़ा धन लाभ होते हुए दिख रहा है।

कुंभ: फरवरी में ग्रहों के राशि परिवर्तन का सकारात्मक प्रभाव कुंभ राशि वालों पर होगा। शिक्षा और प्रतियोगिता से जुड़े लोगों को सफलता प्राप्त होगी। आप मेहनत करना जारी रखें, आपको कोई खुशखबरी मिल सकती है। इस समय में आप कोई नया बिजनेस शुरू कर सकते हैं या नया काम मिल सकता है, जिससे आपकी उन्नति की राह आसान होगी। व्यापारी वर्ग के लोग फरवरी में मुनाफा कमाएंगे और अपनी योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू कर सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।

महाकुंभ का अगला बड़ा स्नान तीन फरवरी को

महाकुंभ का धार्मिक आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक चलेगा और इस दौरान स्नान किए जाएंगे। लेकिन कुंभ के दौरान पड़ने वाले विशेष तिथियों में किए स्नान को शाही स्नान कहा जाता है, जिसका विशेष धार्मिक महत्व है। मान्यता है कि इससे पाप कर्मों का नाश होता है।

महाकुंभ का धार्मिक आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक चलेगा और इस दौरान स्नान किए जाएंगे। लेकिन कुंभ के दौरान पड़ने वाले विशेष तिथियों में किए स्नान को शाही स्नान कहा जाता है, जिसका विशेष धार्मिक महत्व है। मान्यता है कि इससे पाप कर्मों का नाश होता है।

14 जनवरी 2025 को मकर संक्रांति के अवसर पर पहला अमृत स्नान किया गया था। इसके बाद कुंभ का अलग बड़ा स्नान होगा। आइए जानते हैं महाकुंभ का अगला बड़ा स्नान कब है और स्नान के लिए शुभ मुहूर्त क्या रहेगा।

मौनी अमावस्या पर कुंभ अमृत स्नान के लिए सुबह 5 बजकर 25 मिनट से शुभ मुहूर्त की शुरुआत हो चुकी है , जिसका समापन सुबह 6 बजकर 18 मिनट पर होगा।

यदि आप किसी कारण कुंभ न जा पाएं तो इस मुहूत में किसी तीर्थ स्थल या पवित्र नदी में भी स्नान कर सकते हैं। मौनी अमावस्या पर किए स्नान से धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की भी प्राप्ति होती है।

महाकुंभ के दौरान अमृत और शाही स्नान विशेष तिथियों में किए जाते हैं। ये तिथियां ग्रहों की चाल और विशेष स्थितियों के आधार पर तय होती है। महाशिवरात्रि के बाद 3 फरवरी को बसंत पंचमी, 12 फरवरी को माघ पूर्णिमा और 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर शाही स्नान किए जाएंगे।

बसंत पंचमी पर शनि करेंगे नक्षत्र परिवर्तन! मेष समेत इन राशियों पर मां सरस्वती की बरसेगी कृपा

इस साल 2 फरवरी को बसंत पंचमी का त्योहार मनाया जाएगा। इस दिन माता सरस्वती की पूजा की जाएगी। इस दिन 12 राशियों पर अलग-अलग प्रभाव पड़ने वाला है। बसंत पंचमी के दिन चंद्रमा मीन राशि में गोचर करेंगे और 2 फरवरी को गुरु वृषभ राशि में मार्गी हो रहे हैं। इसलिए बसंत पंचमी का दिन कई राशियों के लिए भाग्यशाली साबित होगा।

मेष राशि: बसंत पंचमी का दिन मिला-जुला रहेगा। गुस्से, वाणी और व्यवहार पर नियंत्रण रखें। परिवार और कुटुंब से रिश्ते मजबूत होंगे। शत्रु पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। शारीरिक कष्ट से मुक्ति मिलेगी।

मिथुन राशि: बसंत पंचमी का दिन मिला-जुला रहेगा। कार्यक्षेत्र में लाभ होगा। घर-परिवार में शांति रहेगी। वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं, चोट लगने की संभावना है।

कर्क राशि: बसंत पंचमी का दिन बेहद शुभ रहेगा। समझदारी से हर कार्य में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आय के नए स्रोत बनेंगे।

सिंह राशि: बसंत पंचमी का दिन शुभ रहेगा। अधूरे कार्य पूर्ण होंगे। करियर और कारोबार में वृद्धि होगी। घर में पूजा-पाठ हो सकता है। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

कन्या राशि: बसंत पंचमी का दिन मिला-जुला रहेगा। अविवाहितों को शुभ समाचार मिल सकता है। व्यापार में आर्थिक लाभ होगा, लेकिन शारीरिक कष्ट हो सकता है।

तुला राशि: बसंत पंचमी का दिन मिला-जुला रहेगा। मानसिक और शारीरिक कष्ट हो सकता है। कार्य की अतिरिक्त बोझ से मन में चिड़चिड़ापन रहेगा। आर्थिक तंगी हो सकती है।

वृश्चिक राशि: बसंत पंचमी का दिन शुभ रहेगा। हर प्रयास सफल होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मेहनत से सफलता मिलेगी। व्यापार में अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

धनु राशि: बसंत पंचमी का दिन मिला-जुला रहेगा। आत्मविश्वास में कमी महसूस होगी। महत्वपूर्ण कार्य अटक सकते हैं। धन फंस सकता है। परिवार में वाद-विवाद हो सकता है।

मकर राशि: बसंत पंचमी का दिन शुभ रहेगा। योजनाएं पूर्ण होंगी। आर्थिक लाभ होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और मानसिक शांति मिलेगी।

कुंभ राशि: बसंत पंचमी का दिन शुभ नहीं रहेगा। पिता-पुत्र में अनबन हो सकती है। गुस्से और वाणी पर नियंत्रण रखें। धन उधार न दें, पैसा फंस सकता है। चोट लगने की संभावना है।

मीन राशि: बसंत पंचमी का दिन शुभ रहेगा। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिल सकता है। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा।

पढ़ाई के लिए बैठने से पहले जान लें सही दिशा बढ़ेगी एकाग्रता!

छात्रों को पढ़ाई के लिए पूर्व और उत्तर-पूर्व दिशा उत्तम मानी जाती है।
सकारात्मक माहौल और साफ-सुथरा स्थान पढ़ाई में मददगार होते हैं।
पश्चिम दिशा क्रिएटिविटी और कला में रुचि रखने वालों के लिए बेस्ट है।

पढाई करने के लिए सबसे जरुरी है वातावरण

वास्तुशास्त्र के अनुसार, बच्चे को पढ़ाई के लिए जो सबसे जरुरी चीज है वो है सकारात्मक वातावरण माना जाता है कि घर का माहौल बच्चे के विकास व उसके दिमाग पर पूरा असर डालता है। इसलिए अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा पढ़ाई में अच्छा हो तो इसके लिए आपको अपने घर का माहौल सकारात्मक सखना बेहद जरुरी है।

साफ और स्वच्छ रहे स्थान

वास्तु के अनुसार, जिस स्थान पर आपका बच्चा पढ़ाई के लिए बैठता है, फिर चाहे वो स्टडीरुम हो या कोई भी अन्य स्थान। वहां इस बात का ध्यान रखना जरुरी है कि वह स्थान साफ-सुथरा हो और आपका स्टडी टेबल सही दिशा में रखा हुआ हो।

पढ़ाई करने के लिए सही दिशा को चुनें

वास्तुशास्त्र के अनुसार, बच्चों के पढ़ाई करने के लिए सबसे उत्तम दिशा पूर्व और उत्तर-पूर्व को माना गया है। इन दिशाओं में अगर बच्चे बैठकर अगर बच्चे पढ़ाई करते हैं तो उन्हें पॉजिटिव एनर्जी महसूस होगी और वे अच्छे परिणाम ला सकते हैं। क्योंकि पूर्व दिशा में सूर्य होते हैं और उस दिशा को एनर्जी से भरपूर दिशा माना जाता है। इसके साथ ही अगर इस दिशा में बैठकर बच्चे पढ़ाई करते हैं तो यह उनके कॉन्संट्रेशन पॉवर को भी बढ़ाता है।

उत्तर-पूर्व दिशा

वास्तु के अनुसार, अगर आपका बच्चा उत्तर-पूर्व दिशा में मुख करके पढ़ाई करता है तो उसी बौद्धिक क्षमता में विकास होता है और बुद्धि व याद्दाश्त भी अच्छी होती है। आपको कोई भी चीज जल्दी याद हो जाती है। इसलिए इस दिशा में मुख करके पढ़ना बेस्ट माना जाता है। खासकर तब जब आपको कुछ याद करना हो।

पश्चिम दिशा

पश्चिम दिशा को क्रिएटिविटी और कला में रुचि रखने वाले लोगों के लिए बेस्ट माना जाता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, म्यूजिक, आर्ट्स, क्रिएटिविटी में जो बच्चे इंट्रेस्ट रखते हैं उनके लिए इस दिशा में बैठकर अध्ययन करना सफलता दिलवा सकता है।

सैफ के लाडले इब्राहिम को लॉन्च करेंगे करण जौहर

नेपोटिज्म के आरोपों से घिरे रहने वाले करण जौहर एक और स्टारकिड को इंडस्ट्री में लॉन्च करने जा रहे हैं। इस बार वे सैफ अली खान के लाडले इब्राहिम अली खान पर दांव लगा रहे हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुद इसका एलान किया है।

करण जौहर आज बुधवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने इब्राहिम की कई तस्वीरें शेयर करते हुए लंबा नोट लिखा है और उनके डेब्यू की जानकारी दी है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए करण ने लिखा, 'मैं अमृता (इब्राहिम की मां) से पहली बार तब मिला था जब मैं सिर्फ 12 साल का था। उस वक्त वो मेरे पिता के साथ फिल्म 'दुनिया' में काम कर रही थीं। मुझे याद है कि कैमरे पर उनकी एनर्जी और पकड़ दोनों ही बहुत मजबूत थे।'

कई पीढ़ियों से चली आ रही दोस्ती

करण ने आगे लिखा, 'इस पहली मुलाकात में जो सबसे यादगार रहा वो यह था कि हमने चाइनीज डिनर किया था और उसके बाद जेम्स बॉन्ड की एक फिल्म देखी थी। हम जिस पल मिले उसी पल उन्होंने मुझे अपना महसूस कराया और यही उनकी ताकत थी। यही आदत उनमें आज भी है और उनके बच्चों में भी आई।' अपनी इस पोस्ट में करण जौहर ने आगे लिखा, 'सैफ से मैं पहली बार अंजू महेंद्रू के ऑफिस में मिला था। वो बेहद यंग और खूबसूरत थे, बिल्कुल उसी तरह जैसे मैं पहली बार उनके बेटे इब्राहिम से मिला। कुछ इस तरह हमारी दोस्ती कई जनरेशन से चली आ रही है और अब खुशकिस्मती से हमारे बच्चों के बीच भी यह जारी है।'

इब्राहिम के डेब्यू का किया एलान

करण आगे लिखते हैं, 'मैं इस परिवार को बीते 40 साल से जानता हूं। मैंने इनके साथ अलग-अलग फिल्मों में काम किया है। अमृता के साथ दुनिया और 2 स्टेट्स में, सैफ के साथ कल हो ना हो और कुर्बान में, सारा के सिंबा में.., मैं इस परिवार को उनके प्यार की वजह से जानता हूं। फिल्में इनके खून में हैं। और इसी के साथ मैं एक नए टैलेंट के लिए रास्ता बनाना चाहता हूं, जिसे मैं दुनिया के साथ शेयर करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता। तो इंतजार कीजिए इब्राहिम अली खान पटौदी का जो जल्द ही स्क्रीन के जरिए आपके दिलों तक का रास्ता तय करेंगे'।

कई स्टारकिड्स को कर चुके हैं लॉन्च

सैफ अली खान इंडस्ट्री में कई स्टारकिड्स को लॉन्च कर चुके हैं। आलिया भट्ट, वरुण धवन से लेकर जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर तक कई नाम इस लिस्ट में हैं। अब सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम को भी वे परदे पर उतारने जा रहे हैं। इब्राहिम 'सरजमीं' फिल्म से डेब्यू करने जा रहे हैं, जिस धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाया गया है।

रणवीर सिंह को टक्कर देने आ रहा ये अभिनेता खलनायक की भूमिका के लिए हुए फाइनल

फरहान खान के प्रोडक्शन हाउस में बन रही फिल्म 'डॉन 3' पर लगातार अपडेट्स सामने आते रहते हैं। इस फिल्म से एक बार फिर से सिल्वर स्क्रीन पर दर्शकों को डॉन की कहानी दिखाई जाने वाली है। फिल्म में डॉन का रोल रणवीर सिंह प्ले करने वाले हैं। बीच में ये भी खबरें आई थीं कि मूवी की लीड एक्ट्रेस के लिए कियारा आडवाणी को फाइनल किया गया है। अब इसी कड़ी में विलेन के चेहरे से भी पर्दा उठा दिया गया है।

डॉन 3 का विलेन कौन?

'डॉन 3' इस वक्त प्री-प्रोडक्शन स्टेज पर है। फिल्म को फरहान अख्तर डायरेक्ट कर रहे हैं। बता दें कि कुछ समय पहले ही विक्रांत मैसी ने ये अनाउंस किया था कि वह एक्टिंग से कुछ समय के लिए रिटायरमेंट ले रहे हैं। ऐसे में जैसे ही यह खबर सामने आई तो हर कोई हैरान रह गया। सोशल मीडिया पर लोग तरह तरह के रिएक्शन भी दे रहे हैं।

अभिनेता के विलेन बनने पर यूजर्स का रिएक्शन

विक्रांत मैसी की अभिनय ऑडियंस को खूब पसंद आ रहा है मगर डॉन 3 की खबर के बाद से लोग जरा हैरान हैं। दरअसल अभिनेता के रिटायरमेंट की खबर के बाद हर कोई यही मान रहा था कि अब वो पिक्चर में काम नहीं करेंगे मगर अब वो अपना ही फैसला बदलते दिखाई

दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'ये तो फिल्मों में काम नहीं करने वाले थे ना?' वहीं एक ने कहा कि डॉन खुद फिल्म का विलेन है।

ऐसे में कई लोगों को अभी भी समझ नहीं आ रहा है कि उन्हें ये रोल कैसे दिया गया और उन्होंने इस किरदार के लिए हां क्यों कहा। पर इसके लिए तो हर किसी को इंतजार करना होगा। कई रिपोर्ट्स में ऐसा भी कहा गया था कि इस फिल्म के लिए पहले रणबीर कपूर को अप्रोच किया गया था। उनके मना करने के बाद रणवीर सिंह को फाइनल किया गया है।

हीरो और हिरोइन के बाद मूवी में जो एक्टर विलेन बनने वाला है उसने अब तक पर्दे पर एक से बढ़कर एक रोल में काम किया है। इनके अभिनय का जादू ऐसा है कि लोग इनकी फिल्म देखकर दीवाने हो गए थे। रिपोर्ट की मानें तो डॉन 3 में खलनायक भूमिका अदा करने वाले अभिनेता का नाम है विक्रांत मैसी। जी हां, फिल्मफेयर का कहना है कि उन्होंने ये जानकारी अपने एक सोर्स की मदद से जुटाई है।

रिपोर्ट में ये भी बताया गया कि फिल्म में काफी सिंपल टाइप विलेन रोल में नजर आने वाले हैं। क्योंकि लोगों को भी यही ज्यादा पसंद आता है।

ये चीजें हिंदू और मुस्लिम के बारे में नहीं हैं, महाकुंभ में पावन डुबकी लगाने पर कबीर खान का बयान

प्रयागराज में लगे महाकुंभ मेले में लगातार लोगों का सैलाब पहुंच रहा है। भारी भीड़ के बीच श्रद्धालु संगम नगरी पहुंचकर आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। आज यानी 29 जनवरी 2025 को मौनी अमावस्या का शाही स्नान जारी है। ऐसे में मौके पर आम जनता से लेकर फिल्म इंडस्ट्री के जाने माने सेलेब्स भी प्रयागराज पहुंच रहे हैं। इस बीच कई बेहतरीन फिल्म बनाने वाले कबीर खान ने भी इस खास अवसर पर कुंभ में डुबकी लगाई है।

संगम नगरी में रहेंगे कबीर खान

मुस्लिम होने के बाद भी कबीर खान महाकुंभ में पहुंचने वाले सवाल पर भी उन्होंने काफी अच्छी बात कही जिसकी हर तरफ तारीफ हो रही है। एएनआई के साथ बातचीत में उन्होंने कहा, 'मैं बहुत एक्साइटेड हूं। यह 12 साल में एक बार होता है। मैंने सुना है कि यहां बहुत भीड़ होती है लेकिन मैं देखूंगा कि यह कैसा है... मैं यहां आकर खुद को भाग्यशाली महसूस करता हूं। मैं अगले कुछ दिनों तक यहां रहूंगा। मैं पवित्र संगम में डुबकी भी लगाऊंगा।'

अलग धर्म के होने पर ऐसा दिया जवाब

56 साल के कबीर ने मुस्लिम होने के बावजूद कुंभ मेले में जाने के सवाल को खारिज करते हुए कहा, 'ये चीजें हिंदू और मुस्लिम के बारे में नहीं हैं। ये हमारी उत्पत्ति, हमारे देश और हमारी सभ्यता की चीजें हैं। इसमें हिंदू या मुस्लिम जैसा कुछ नहीं है। अगर आपको लगता है कि आप भारतीय हैं तो आपको सब कुछ महसूस करना चाहिए।' रविवार को आई रिपोर्ट के अनुसार, 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा के साथ शुरू हुए महाकुंभ में 110 मिलियन से अधिक श्रद्धालु आए हैं जिन्होंने शुरुआती पखवाड़े में प्रयागराज में पवित्र स्नान किया है।

कबीर खान का वर्क फ्रंट

बात करें कबीर खान के वर्क फ्रंट की तो आखिरी बार उन्होंने कार्तिक आर्यन की 'चंदू चैंपियन' को डायरेक्ट किया था। फिल्म को लोगों ने खूब पसंद किया था और बॉक्स ऑफिस पर मूवी ने एवरेज कमाई की थी। इसकी कहानी सच्ची घटनाओं पर आधारित थी जिनका नाम मुरलीकांत पेटकर था। इससे पहले उन्होंने रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण स्टारर '83' का निर्देशन किया था। सलमान खान स्टारर 'बजरंगी भाईजान', 'एक था टाइगर' और 'ट्यूबलाइट' जैसी शानदार मूवीज को भी कबीर डायरेक्ट कर चुके हैं।

महिला को थप्पड़ मारने वाली भूमिका पर सिद्धार्थ की प्रतिक्रिया, बोले- ऐसे रोल मैंने तुरंत खारिज किए

एक्टर सिद्धार्थ तमाम मुद्दों पर मुखर होकर बोलते हैं। हाल ही में हैदराबाद साहित्य महोत्सव के दौरान वे अपनी करियर यात्रा पर बात करते दिखे। इस दौरान उन्होंने सिनेमा में टॉक्सिक भूमिकाओं के ऑफर मिलने और उन्हें खारिज करने के बारे में बात की। सिद्धार्थ के मुताबिक उनका यह चुनाव उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन करियर के मामले में इससे उन्हें संतुष्टि भी मिली।

कमर्शियल इंडस्ट्री पर धीमी हुई रफ्तार

सिद्धार्थ ने हाल ही में हैदराबाद लिटरेरी फेस्टिवल में मशहूर गायिका और लेखिका विद्या राव के साथ बातचीत की। विद्या राव रिश्ते में सिद्धार्थ की सास हैं। वे अभिनेत्री अदिति राव हैदरी की मां हैं। इस दिलचस्प बातचीत में सिद्धार्थ ने सिनेमा के कई पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने जानबूझकर ऐसे किरदार अदा करने से परहेज किया, जो रूढ़ियों को बढ़ावा देती हैं। एक्टर ने स्वीकार किया कि इस किस्म की भूमिकाओं को अस्वीकार करने से शायद कमर्शियल फिल्म इंडस्ट्री में उनकी रफ्तार धीमी हो गई।

बोले- मैं स्क्रीन पर रोकर खुश रहा

सिद्धार्थ ने कहा, 'मुझे ऐसी सक्रिप्ट मिलती थीं, जिसमें मैं महिलाओं को थप्पड़ मारता, आइटम सॉन्ग करता, किसी की नाभि पर चुटकी लेता, किसी महिला को बताता कि उसे क्या करना चाहिए, उसे कहां जाना चाहिए, आदि। मैंने उन्हें तुरंत ऐसे किरदार रिजेक्ट किए। यह भावना ऐसी नहीं है, जिसे करोड़ों में मापा जा सके। मेरे आस-पास हर कोई आक्रामक और मर्दानगी वाले किरदार करने की कोशिश कर रहा था। ऐसे वक्त में जब लोग 'मर्द को दर्द नहीं होता' जैसी बातें कर रहे थे, और मैं स्क्रीन पर रोकर भी खुश था'।

इन फिल्मों में नजर आएंगे सिद्धार्थ

सिद्धार्थ को आखिरी बार उनकी तमिल फिल्म 'मिस यू' में देखा गया था। वे अपनी अगली फिल्म 'द टेस्ट' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें नयनतारा और माधवन मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा वे शंकर द्वारा निर्देशित 'इंडियन 3' में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पर्सनल लाइफ की बात करें तो एक्टर ने अदिति राव हैदरी से बीते वर्ष शादी रचाई।

शूटिंग के दौरान हादसे की शिकार हुईं अर्चना पूरन सिंह, टूटा हाथ, साझा किया हेल्थ अपडेट

अर्चना पूरन सिंह ने अपने लोकप्रिय यूट्यूब चैनल पर एक नया व्लॉग शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपनी दर्दनाक चोट के बारे में बताया। राजकुमार राव के साथ एक फिल्म की शूटिंग के दौरान अर्चना फिसल गईं और उनकी कलाई टूट गई। गिरने के बाद उनके चेहरे पर भी चोट लग गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां कुछ दिनों के बाद वह ठीक हो गईं और फिर से काम पर लौट आईं।

मां की चोट पर भावुक हुए बेटे

उन्होंने वीडियो में कहा कि उन्होंने राजकुमार को फोन किया और प्रोडक्शन में हुई देरी के लिए माफी मांगी और कहा कि वह जल्द से जल्द फिर से काम पर लौट आएंगी, क्योंकि वह नहीं चाहती थीं कि उन्हें और नुकसान उठाना पड़े। व्लॉग की शुरुआत अर्चना के सुबह-सुबह गिरने और घायल होने के वास्तविक फुटेज से हुई। जब वह कैमरे के बाहर थीं तो ऑन-सेट वीडियो में उन्हें गिरते समय दर्द से चीखते हुए देखा गया। तुरंत क्रू के सदस्य उनके चारों ओर इकट्ठा हुए और उन्हें अस्पताल ले गए। उनके पति परमीत सेठी को सूचित किया गया। उनके बेटों ने खबर पर अपनी प्रतिक्रिया का एक

वीडियो रिकॉर्ड किया और उनमें से एक रोने लगा।

परमीत ने उड़ाया पत्नी का मजाक

अर्चना ने बताया कि उन्होंने पहले दिन अपने बेटों को अपना वीडियो बनाने की अनुमति नहीं दी, क्योंकि वह बहुत ज्यादा हिल रही थीं, लेकिन बाद में उन्होंने रिकॉर्डिंग करने की सहमति दे दी। परमीत ने मजाक में कहा, 'वह बहुत ज्यादा चपड़-चपड़ कर रही है। इसका मतलब है कि अब वह ठीक है।' अर्चना ने अस्पताल के कमरे के बाहर मुंबई के नजारे की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वह इतनी प्रभावित थीं कि वह यहीं रुक सकती थीं, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकती थीं, क्योंकि उनका काम अधूरा था।

शूटिंग पर जल्द लौटेंगी अर्चना

अर्चना ने आगे बताया कि मैंने राजकुमार राव को फोन किया और बताया कि मैं शूटिंग छोड़कर जाने से बहुत परेशान हूं, इसलिए आज, मैं शूटिंग पूरी करने के लिए विरार लौट रही हूं, क्योंकि उन बेचारे लोगों को अन्यथा नुकसान उठाना पड़ेगा।

मैंने पूरी आस्तीन का कपड़ा पहना हुआ है और वे मुझे ऐसे कोणों से शूट करेंगे जहां आप यह नहीं बता पाएंगे कि मैं घायल हूं। उन्होंने मुझे बताया है कि उन्हें मेरी जरूरत सिर्फ कुछ घंटों के लिए है।

कॉपीराइट विवाद में नयनतारा को बड़ा झटका

धनुष ने जीती जंग, अभिनेता के खिलाफ नेटफ्लिक्स की याचिका खारिज

मद्रास उच्च न्यायालय ने अभिनेत्री नयनतारा के खिलाफ धनुष के कॉपीराइट मुकदमे को खारिज करने की नेटफ्लिक्स इंडिया की याचिका को खारिज कर दिया है। यह मुकदमा धनुष द्वारा निर्मित तीन सेकंड की फिल्म क्लिप को नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री में उनकी सहमति के बिना इस्तेमाल करने से शुरू हुआ है।

पिछले साल नवंबर में धनुष ने नयनतारा, उनके पति विग्नेश शिवन और उनके प्रोडक्शन हाउस राउडी पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दीवानी मुकदमा दायर किया था। मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि फिल्म निर्माताओं ने नेटफ्लिक्स ओरिजिनल नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरी टेल में धनुष की फिल्म 'नानुम राउडी धान' के दृश्यों का इस्तेमाल किया है।

मामले पर धनुष का एक्शन

धनुष की प्रोडक्शन कंपनी वंडरबर फिल्म्स प्राइवेट ने भी एक याचिका दायर कर उच्च न्यायालय से लॉस गैटोस प्रोडक्शन सर्विसेज इंडिया एलएलपी पर मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी है। लॉस गैटोस प्रोडक्शन सर्विसेज इंडिया एलएलपी मुंबई की एक संस्था है, जो भारत में नेटफ्लिक्स के कंटेंट निवेश को संभालती है।

धनुष पर अभिनेत्री का पलटवार

यह कानूनी कार्रवाई धनुष की उस चेतावनी के बाद की गई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री में विवादित सामग्री 24 घंटे के भीतर नहीं हटाई गई तो वे कानूनी कदम उठाएंगे। वहीं, 16 नवंबर को नयनतारा ने धनुष पर कानूनी नोटिस भेजने और 10 करोड़ रुपये मांगने के लिए पलटवार किया था। शनिवार को अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक लंबा बयान जारी किया था।

धनुष ने अनुमति देने से कर दिया था इनकार

उन्होंने आगे बताया कि हाल ही में रिलीज हुई नेटफ्लिक्स डॉक्यूमेंट्री 'नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरीटेल' के निर्माण के दौरान उन्होंने धनुष से उनकी 2015 की फिल्म नानुम राउडी धान के दृश्यों का उपयोग करने की अनुमति मांगी थी। हालांकि, धनुष ने उन्हें अनुमति देने से इनकार कर दिया और इसके बजाय उन्हें फिल्म के सेट से पर्दे के पीछे के दृश्यों का उपयोग करने के लिए कानूनी नोटिस भेजा।

'एक बार फिर मानवता की मृत्यु अनुभव किया' छवि मित्तल ने ट्रोलर को दिया करारा जवाब

टीवी अभिनेत्री छवि मित्तल ने सोशल मीडिया पर एक नेटिजन को जमकर फटकार लगाई। ट्रोलर ने उन्हें बाल झड़ने के लिए ट्रोल किया था।

दरअसल, साल 2022 में अभिनेत्री को ब्रेस्ट कैंसर का पता चला, जिसके ट्रीटमेंट के दौरान उन्हें अपने कुछ बाल खोने पड़े। हाल ही में उन्होंने अपने जिम वर्कआउट के दौरान की एक वीडियो शेयर की थी, जिस पर एक यूजर ने उनके बालों को लेकर कमेंट किया। इसके बाद एक्ट्रेस ने उसे सोशल मीडिया पर फटकार लगाई और इसे अपने कैंसर ट्रीटमेंट का साइड इफेक्ट बताया। छवि ने इस घटना को मानवता की मृत्यु कहा।

यूजर ने क्या किया था कमेंट?

यह घटना कुछ दिन पहले हुई जब छवि ने जिम में वर्कआउट करते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया। अभिनेत्री ने जो स्क्रीनशॉट शेयर किया है, जिसमें ट्रोलर ने कमेंट किया था, सर के बाल उड़ गए आपके, ट्रीटमेंट करवाओ। जिसके बाद छवि ने जिम से अपनी एक और तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, आज मैंने एक बार फिर मानवता की मृत्यु का अनुभव किया।

मुझे अपने कैंसर ट्रीटमेंट के कारण बाल झड़ने के लिए ट्रोल किया गया। आइए एक बार फिर इसका का शोक मनाने के लिए यहां एक मिनट लें।

अभिनेत्री ने कैंसर ट्रीटमेंट के बारे में बताया

अभिनेत्री ने आगे लिखा, जिन्हें नहीं पता, उनके लिए बता दूं कि मैंने 2022 में ब्रेस्ट कैंसर से जंग लड़ी और इस अप्रैल में हॉरमोन थेरेपी के 3 साल पूरे हो जाएंगे। यह 10 साल लंबा इलाज है। इसके कई साइड इफेक्ट हैं, जैसे कि हॉट फ्लैश, मूड स्विंग, वजन में उतार-चढ़ाव और इन सबके अलावा, बालों का झड़ना। मैं यह भी नहीं बता सकती कि एक महिला के लिए बालों का क्या मतलब है। इस तरह की असंवेदनशील टिप्पणियां केवल चीजों को बदतर बनाती हैं।

ट्रोलर को आड़े हाथों लिया

ट्रोल के आड़े हाथों लेते हुए छवि ने लिखा, मैं इस पोस्ट को मुख्य रूप से इसलिए शेयर कर रही हूं कि यह व्यक्ति जो मुझे फॉलो करता है ऐसा सिर्फ मुझे ट्रोल करने के लिए कर रहा है, इसलिए नहीं कि वह मेरी प्रशंसा करता है। यह व्यक्ति उन कई लोगों में से एक है जो सोशल मीडिया पर पब्लिक अकाउंट पर ऐसा करता है। यह व्यक्ति, कई अन्य लोगों की तरह, बालों के झड़ने के लिए कैंसर फाइटर को ट्रोल करने के लिए बेहद इनसिक्योर होना चाहिए!

यह व्यक्ति और ऐसे सभी लोग दया और प्रार्थना के पात्र हैं। छवि ने साल 2022 में अपने कैंसर से जूझने के बारे में जानकारी दी थी। तुम्हारी दिशा, घर की 'लक्ष्मी बेटियां', 'तीन बहुरानियां', 'नागिन', 'बंदिनी', 'एक चुटकी आसमान', 'अदालत', 'कृष्णदासी' और 'लाल इश्क' में नजर आ चुकी है।

अब परिवार संग स्क्रीन शेयर नहीं करना चाहते 'देवा' स्टार, शाहिद कपूर बोले- इमोशनली हर्ट होते हैं

शाहिद कपूर और मीरा राजपूत कई विज्ञापनों में एक साथ नजर आ चुके हैं। वहीं शाहिद पिता पंकज के साथ भी कई फिल्में कर चुके हैं। लेकिन अचानक ऐसा क्यो हो गया है कि शाहिर अब अपने परिवार के साथ फिल्मों में अभिनय नहीं करना चाहते हैं।

शाहिद कपूर ने अपने पिता पंकज कपूर के साथ मौसम और जर्सी जैसी फिल्मों में काम भी किया है। हालांकि, उन्होंने खुलासा किया है कि वह अब अपने परिवार के साथ काम नहीं करना चाहते हैं। शाहिद ने कहा कि काम और परिवार को अलग रखना सबसे अच्छा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान शाहिद ने कहा, मैं परिवार के साथ काम नहीं करना चाहता, यह अच्छा विचार नहीं है। परिवार और काम को अलग-अलग तरीके से निपटाया जाना चाहिए। अगर वे एक साथ आते हैं, तो यह मुश्किल भरा हो जाता है। मैं उनके साथ काम नहीं करना चाहता क्योंकि अगर मैंने कुछ कहा तो उनकी भावनाएं आहत होंगी।

कथित तौर पर इस दौरान शाहिद ने अपनी मां नीलिमा अजीम और पत्नी मीरा राजपूत के बारे में कहा, आपके जीवन में हमेशा महिलाएं ही होती हैं, वे आपको बताती हैं कि आप कितने अच्छे या बुरे हैं। मेरी पत्नी और मां दो ऐसे व्यक्ति हैं, जिनकी मैं बहुत सुनता हूं। मैं उन पर भरोसा करता हूं, अगर वे कुछ ऐसा कहती हैं जो अच्छा नहीं लगता, तो मैं जानता हूं कि वे ऐसा इसलिए कह रही हैं क्योंकि मुझे इसे सुनना है।

काम की बात करें, शाहिद कपूर अपनी आगामी फिल्म 'देवा' में एक पुलिस अफसर की भूमिका निभा में नजर आएंगे। इस फिल्म में शाहिद के साथ पूजा हेगड़े, पावेल गुलाटी, प्रवेश राणा और कुब्रा सैत भी नजर आएंगे। रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित और सिद्धार्थ रॉय कपूर और उमेश केआर बंसल द्वारा निर्मित, देवा 31 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ओपन पोर्स की समस्या आमतौर पर ऑयली स्किन वालों को होती है। इसे घरेलू उपचार से ठीक किया जा सकता है। मुल्तानी मिट्टी को ओपन पोर्स को भरने और चेहरे की झाइयों से छुटकारा दिलाने के लिए लगाया जा सकता है।

चेहरे पर ओपन पोर्स को कम करने के घरेलू उपाय

चेहरे पर ओपन पोर्स की समस्या अक्सर ऑयली स्किन वालों को होती है। यह पोर्स उम्र के साथ और भी ज्यादा चेहरे पर झलकने लगते हैं। यह खासतौर पर नाक, माथे, आंखों के नीचे गाल पर या फिर ठुड्डी पर दिखाई देते हैं। ओपन पोर्स को बिना ट्रीट किए अगर इस पर मेकअप लगाया जाए, तो चेहरा और भी ज्यादा भद्दा दिखता है। इन्हें कम करने के लिए आपको चेहरे की सही देखभाल करनी पड़ेगी। उम्र के साथ-साथ जब कोलाजेन और इलास्टिन कमजोर पड़ने लगती है, तब स्किन ढीली पड़ने लगती है और ओपन पोर्स इसमें काफी ज्यादा योगदान देते हैं। अपने कपड़े धोने के अनुभव को बेहतर बनाएं - वॉशिंग मशीन पर 65% तक की छूट पाएं ।

ओपन पोर्स की एक और खराब बात है कि यह गंदगी को अट्रैक करते हैं, जिससे पोर्स ब्लॉक हो जाते हैं और बाद में मुंहासे हो जाते हैं। इंस्टाग्राम पर त्वचा विशेषज्ञ, कृतिका मोहन आए दिन स्किन से जुड़ी छोटी से बड़ी समस्या पर वीडियो बनाती हैं। चेहरे के ओपन पोर्स को कम करने के लिए कुछ सुझाव दिए।

ये 3 चीजें लगाने से दूर होगी ओपन पोर्स की समस्या

ओपन पोर्स को दूर करती है मुल्तानी मिट्टी

मुल्तानी मिट्टी एक बहुत ही आम सी सामग्री है, जो आराम से मार्केट में मिल जाती है। यह ओपन पोर्स को भरने में जादू की तरह काम करती है। यह ओपन पोर्स से गंदगी और तेल को निकालती है। चेहरे को एक्सफोलिएट भी करती है। यह पोर्स को टाइट बनाकर चेहरे पर निखार भरती है। इसका फेस पैक लगाने से स्किन की झाइयों से भी छुटकारा मिलता है।

दही

दही लैक्टिक एसिड से भरपूर होता है, इसलिए यह त्वचा को एक्सफोलिएट करने और मौजूदा मुंहासों का इलाज करने में मदद करता है। दूसरा, दही में कई एंटीबैक्टीरियल गुण भी होते हैं, जो आपके पोर्स को बंद करते हैं और मुंहासे पैदा करने वाले किसी भी प्रकार के बैक्टीरिया का इलाज करते हैं। इसे फेस पैक के रूप में लगाने से स्किन में नमी भरती है और उसकी लोच बढ़ती है। हमेशा लो फैट दही का ही इस्तेमाल करें।

शहद

ऑयली स्किन के लिए शहद काफी असरदार सामग्री है। आप चाहें तो मुल्तानी मिट्टी + शहद + रोज वॉटर मिक्स कर के एक अच्छा सा फेस पैक बना सकती हैं। यह पैक मुंहासों और ओपन पोर वाली स्किन पर बहुत अच्छे से काम करता है। इसमें एंटीबैक्टीरियल गुण, हाइड्रोजन पैरोऑक्साइड पाया जाता है, जो

स्किन पर बैठे बैक्टीरिया का सफाया करता हैं।

ये बातें याद रखें

इनमें से किसी भी मास्क का उपयोग सप्ताह में केवल एक बार या रात में करें

फेस मास्क क ठंडे पानी से धोना है

इसे इस्तेमाल करने के बाद मॉइस्चराइजर की मोटी परत लगाएं

अगली सुबह सनस्क्रीन लगाएं

फेस आइसिंग करें ट्रायः

यदि आपके पोर्स बड़े हैं तो आप इसे मेकअप करने से पहले कर सकती हैं, इससे रोम छिद्र कम हो जाएंगे और चेहरे और आंखों के नीचे की सूजन भी कम दिखाई देगी। यह एक अस्थायी हैक है, कोई स्थायी परिणाम नहीं देगा। लेकिन आइसिंग करने से पहले इन बातों को याद रखेंः

-कभी भी बर्फ को सीधे चेहरे पर न लगाएं, बर्फ के टुकड़े को लगाने से पहले एक साफ कपड़े में लपेट लें।

-कभी भी 15-20 सेकेंड से ज्यादा आइसिंग न करें

हर किसी के चेहरे पर पोर्स होते हैं और यह एक सामान्य बात है। लेकिन यह तैलीय त्वचा में अधिक दिखाई देते हैं। इसलिए हम उन्हें हटा नहीं सकते हैं लेकिन हम उनकी उपस्थिति को कम कर सकते हैं। घरेलू उपचार भी इन पोर्स को केवल छुपाने का ही काम करते हैं, लेकिन यह कोई परमानेंट इलाज नहीं हैं।

प्यार और आकर्षण में कैसे करें अंतर, इन संकेतों से जानें प्यार है या कुछ और

कई बार लड़का या लड़की एक दूसरे को देखकर पसंद करने लगते हैं। जिन्हें वो पसंद करते हैं, उन्हें जानना, दोस्ती करना चाहते हैं । कुछ मामलों में तो दोस्त इतना अधिक एक दूसरे को पसन्द करते हैं कि अपनी भावना को वह प्यार समझने लगते हैं।

दोस्ती को प्यार समझने की गलतफहमी अक्सर ही लोगों को हो जाती है, वहीं कई बार तो प्यार को महज दोस्ती का नाम देकर लोग कदम आगे नहीं बढ़ा पाते। दोनों ही मामलों में रिश्ता बिगड़ सकता है । आकर्षण को प्यार समझने की गलती करके आप प्रेम प्रस्ताव तो दे देते हैं लेकिन बाद में जब आपको महसूस होता है कि ये महज आकर्षण था, तब तक आप एक रिश्ते में आ चुके होते हैं और इससे निकलना थोड़ा मुश्किल हो सकता है । वक्त के साथ आकर्षण और लगाव खत्म हो जाता है। फिर रिश्ते को तोड़ने की

नौबत आ जाती है। रिश्ते में आने से पहले या पार्टनर से प्यार का इजहार करने से पहले अपनी सही भावना का पता लगा लें, कुछ संकेतों से जानिए दोस्त से प्यार है या महज आकर्षण ।

पहली नजर में प्यार

कई बार लोग पहली बार किसी को देखते हैं और उसे पसंद करने लगते हैं। उन्हें लगता है कि यह पहली नजर का प्यार है। इसे लव एट फर्स्ट साइट कहते हैं। हालांकि अधिकतर मामलों में यह मिथ्या है। पहली नजर में प्यार नहीं सिर्फ आप सामने वाले के प्रति आकर्षित होते हैं। उनका आकर्षण उनके लुक्स तक सीमित होता है। भविष्य में उनके लुक्स में बदलाव होने पर प्यार खत्म हो जाता है। प्यार के लिए पार्टनर के व्यवहार, व्यक्तित्व के बारे में पता होना चाहिए।

प्यार में परवाह

जब आप किसी से आकर्षित होते हैं तो उन्हें अपनी भावनाएं बताना चाहते हैं। उनके सामने खुद को साबित करना चाहते हैं। आप पार्टनर की परवाह करते हैं, ये दिखाते या जताते हैं। लेकिन जब आपको किसी से प्यार होता है तो आप उसकी परवाह असल में करते हैं। आपको इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि पार्टनर आपको आपकी परवाह दिखे।

प्यार में दूरी

पार्टनर से प्यार होने पर उनसे दूरी के बाद भी प्यार बरकरार रहता है। भले ही पार्टनर आपके साथ रहना चाहते हों या नहीं लेकिन आप उनके लिए वही महसूस करते हैं जो उनके साथ होने पर महसूस करते हैं। साथी के प्रति आकर्षित होने पर आप उनके आसपास रहना चाहते हैं। आकर्षण लंबे समय तक नहीं रहता, इसलिए जब तक आपके मन में उनके लिए लगाव होता है, तब तक आप साथ रहना चाहते हैं।

रिश्ते को बचाने के लिए झूठ बोलें या कड़वा सच? दोनों का क्या होगा असर

किसी भी रिश्ते में आप यही चाहती हैं कि दूसरा खुश रहे और उसकी भावनाएं आहत न हों, फिर चाहे झूठ ही क्यों न बोलना पड़े। लेकिन क्या यह सही है? सच्चाई हर रिश्ते का महत्वपूर्ण आधार होती है और हर कोई चाहता है कि उनका पार्टनर उससे सच्चा रहे। लेकिन अध्ययन बताते हैं कि बहुत से लोग रिश्तों को ठीक रखने के लिए कभी-कभी झूठ बोलते हैं।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के अनुसार, लोग अक्सर इसलिए झूठ बोलते हैं, क्योंकि वे चाहते हैं कि उनके साथी की भावनाओं को ठेस न पहुंचे। यह झूठ बोलने के पीछे एक प्रकार की सुरक्षा और संरक्षण की भावना होती है, जिसका मकसद होता है रिश्तों को मजबूत और खुशहाल बनाना। मनोवैज्ञानिक रॉबिन डनबर ने भी बताया है कि झूठ बोलने से भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचती, जिससे रिश्तों को स्थिर और मधुर बनाए रखने में मदद मिलती है। लेकिन यह भी महत्वपूर्ण है कि झूठ नकारात्मक प्रभाव डालने वाला न हो और सच्चाई को हमेशा महत्वपूर्ण रखा जाए।

क्या होते हैं कारण

सफल और स्वस्थ रिश्ते के लिए सही संवाद महत्वपूर्ण है। जब लोग अपनी भावनाओं, खुशियों और

चुनौतियों को साझा नहीं करते तो संघर्ष की संभावना बढ़ जाती है। परिणामतः लोग समस्याओं को हल करने के लिए सही समय पर काम नहीं करते, जो रिश्ते को जटिल बना सकता है। एक सफल रिश्ते में विश्वास होना बेहद महत्वपूर्ण है। जब किसी के मन में साथी पर संदेह होता है तो रिश्ते कमजोर होने लगते हैं। इससे व्यक्ति का आत्मविश्वास कम हो सकता है और वह साथी से चीजें छुपाने लगता है।

कई बार लोग सोचते हैं कि साथी को हमेशा खुश रखें, इसके लिए वे झूठ बोलते हैं, ताकि साथी की भावनाएं आहत न हों, लेकिन इससे सच्चाई और झूठ के बीच संतुलन बिगड़ सकता है। रिश्ते में संवाद कौशल के महत्व को भी नहीं छोड़ा जा सकता। यदि किसी के पास सही संवाद कौशल नहीं है तो वह भावनाओं और खुशियों को साझा करने का सही तरीका नहीं जानेगा, जो संघर्ष का कारण भी बन सकता है।

क्या पड़ता है असर

झूठ बोलने का कोई भी कारण, फिर चाहे वह साथी की खुशी के लिए ही क्यों न हो, रिश्ते पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। मसलन, झूठ बोलने से रिश्तों में विश्वास की कमी हो सकती है। जब साथी को पता चलता है कि आप उससे झूठ बोल रही हैं तो उसमें आपके प्रति अविश्वास की भावना बढ़ती है। जब आपसी विवादों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है, तब साथी झूठ का सहारा लेते हैं, क्योंकि वे सोचते हैं कि इससे कई अन्य विवादों को रोका जा सकता है। लेकिन झूठ बोलने से विश्वास को पुनः प्राप्त करना कठिन हो सकता है। झूठ के बाद रिश्तों में अधिक तनाव और जलन हो सकती है, जो संघर्ष को बढ़ा सकती है।

सच तो हीरे जैसा होता है

फैमिली रिलेशनशिप काउंसलर शोभना कहती हैं, किसी भी संबंध में सत्य आपको पारदर्शी बनाता है। कोई भी संबंध सच के बिना चल नहीं सकता। लोक मानस में प्रचलित है कि सच कड़वा होता है। लेकिन यह जरूरी नहीं कि जो कड़वा हो वही सच है। सच तो एक हीरा है, जो तराशने पर और सुंदर हो जाता हैं। रिश्तों को ठीक ढंग से चलाने के लिए कुछ बातों का ख्याल रखना जरूरी हो जाता है जैसे, संवाद में खुलापन होना, खुल कर बातचीत करके एक-दूसरे को अपने दिल की बात बताना और इसके अलावा समय पर बातचीत करके समस्याओं को जल्दी समझ कर समस्याओं का समाधान ढूंढना चाहिए। इन सब में सबसे जरूरी है बात है कि आप एक-दूसरे के प्रति विश्वास और सहयोग बनाए रखें और अपने पार्टनर का हमेशा सहयोग करें।

क्या है ओपन मैरिज? शादी के बाद कपल्स के बीच क्यों बढ़ रहा है ये ट्रेंड

भारतीय संस्कृति में शादी को अहम और महत्वपूर्ण माना जाता है। कहा जाता है कि अगर एक बार कोई इस पवित्र बंधन में बंध जाए तो उनका यह सफर सात जन्मों का हो जाता है। इस रिश्तों को निभाने के लिए दो लोग अपना पूरा जीवन समर्पित कर देते हैं और सुख-दुख के साथी बन जाते हैं, लेकिन विवाह का यह पवित्र बंधन भी अब एक ट्रेंड का हिस्सा बन गया है। कहा जाता है कि शादी भरोसे का रिश्ता होता है, लेकिन अब इस रिश्ते में एक नए कॉन्सेप्ट ने भी जगह ले ली है। आपने ओपन मैरिज का नाम तो सुना ही होगा। भारत में भी कपल्स के बीच यह काफी पॉपुलर हो रहा है। तो बताएंगे कि आखिर कपल्स के बीच यह तेजी से क्यों फैल रहा है।

क्या है ओपन मैरिज?

सोशल मीडिया के इस दौर में कुछ भी छुपाना असंभव है। बदलते परिवेश और वातावरण के साथ लोगों का रिश्ता भी बदलता जा रहा है और उसे निभाने का

तरीका भी। एक तरफ तो कुछ लोग अपना सारा जीवन एक इंसान के साथ ही गुजारना चाहते हैं। वहीं, कुछ लोग जीवन में रोमांस को ज्यादा तवज्जो देते हैं और एक से ज्यादा रोमांटिक रिश्ते पसंद करते हैं। इसी तर्ज पर ओपन मैरिज का कॉन्सेप्ट कपल्स के बीच काफी पसंद किया जा रहा है।

क्यों कपल्स के बीच हो रहा है ट्रेंड

ओपन मैरिज का सीधा मतलब यही है कि आप अपनी शादी इन शर्तों पर करते हैं कि आप शादी के बाद भी दूसरे व्यक्ति के साथ रिश्ता बना सकते हैं। या फिर अगर आपकी शादी हो गई है तो आप अपने पार्टनर की सहमति से बाहर रिश्ता बना सकते हैं। लोगों का कहना है कि यह कॉन्सेप्ट इसलिए ट्रेंड में आया ताकि लोगों में कम से कम तलाक हो और वह एक-दूसरे से बोर भी न हों।

क्या ओपन मैरिज है हेल्दी?

किसी भी रिश्ते को अगर आप बैलेंस करके चलाते हैं तो वह हेल्दी हो सकता है। हालांकि, इस बात में कोई दो राय नहीं है कि हर रिश्ते के फायदे और नुकसान दोनों ही हो सकते हैं। लोगों को हमेशा ये राय दी जाती है कि शादी करने से पहले उसे अच्छे से जान लें और अपनी समझ बना लें। यह कहना गलत नहीं होगा कि यह कॉन्सेप्ट सामाजिक मानदंडों के पूरी तरह खिलाफ है।

भारत में तेजी से फैल रहा है ये कॉन्सेप्ट?

सोशल मीडिया पर ऐसे कई ऐप मौजूद हैं, जिसके जरिए आप इस विकल्प को चुन सकते हैं। शहरों में यह संख्याएं चौंका देने वाली है। करीब 30 लाख लोग ओपन मैरिज को बढ़ावा देने वाले ऐप पर मौजूद हैं।

बेटी से कहें ईव टीजिंग को सहना नहीं, डटकर सामना करें

स्कूल आने जाने पर या आस-पड़ोस में कभी-कभी लड़कियां छेड़खानी का शिकार हो जाती हैं। संकोच के चलते लड़कियां यह सब सहन करती हैं। लेकिन अपनी बेटी को सहन करना नहीं, बल्कि ईव टीजिंग का डटकर सामना करना सिखाना चाहिए।

आज हम कितने भी ओपन माइंडेड होने का दावा करें, लेकिन जहां बात लड़की की सुरक्षा की आती है, तो ना जाने कितनी मांए चिंतित रहती हैं। युवा लड़कियों को घर से बाहर निकलते ही ईव टीजिंग या छेड़खानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे मामलों में अगर लड़की सवाल उठाए, तो उसकी आवाज को दबा दिया जाता है। कोई कहता है कि कपड़े ढंग के पहनो, तो कोई कहता है सड़क पर शालीनता से चलो। इसलिए माता-पिता को भी अपनी बेटी की आवाजाही पर रोक लगानी पड़ती है। खुद से पूछिए क्या यह सही है।

उनकी आजादी छीनने के बजाय क्यों हम लड़कों को संस्कार और लड़कियों का सम्मान करना नहीं सिखा सकते। पैरेंट होने के नाते आपकी जिम्मेदारी है कि अपनी बेटी को कुछ ऐसे तैयार करें, कि वह छेड़खानी जैसी घटनाओं के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद कर सके। इस आर्टिकल में हम आपको बता रहे हैं कि अपनी बेटी को ईव टीजिंग का सामना करना कैसे सिखाएं।

वर्तमान समय में हैरेसमेंट एक बहुत सामान्य बात है। चाहे घर हो या ऑफिस लड़की की तुलना में लड़कियों को पब्लिक प्लेस, ऑफिस, स्कूल, कॉलेज में आए दिन इसका सामना करना पड़ता है। ऐसे मामलों से निपटने के लिए बेटी को हर वक्त अलर्ट रहने की सीख दें। उसे इन स्थितियों में सतर्क और सहज कैसे रहना है, जरूर बताएं।

अपनी बेटी को सेक्सुअल हैरेसमेंट और ईव टीजिंग के प्रति अवेयर करें। जो माता-पिता अपनी बेटियों को बाहर जाने और उन्हें अपनी लाइफ एन्जॉय करने से रोकते हैं, उनका यह बर्ताव उनके आत्मविश्वास में कमी लाता है। इसके बजाय बेटी को खुद की रक्षा करने और इन स्थितियों का डटकर मुकाबला करना सिखाएंगे, तो अगली बार कोई भी उनकी तरफ आंख उठाकर देख नहीं पाएगा।

जब भी लड़कियां उत्पीड़न के लिए आवाज उठाना चाहती हैं, हम उन्हें इग्नोर करने के लिए कहते हैं। ताकि आने वाली मुसीबत से बचा जा सके। वैसे भी आजकल कोई इन झमेलों में पड़ना नहीं चाहता। इसलिए हर कोई चुप रहना पसंद करता है। लेकिन यह सही नहीं है। क्योंकि आपके ऐसा करने से छेड़खानी करने वाले को ऐसा दोबारा करने की स्वतंत्रता मिल जाती है। अपनी बेटी को ऐसे लोगों को सबक सिखाने की हिम्मत दें, ताकि कोई भी लड़का किसी और के साथ ऐसा करने से पहले दो बार सोचे।

पैरेंट्स को इन बातों को समझाने के लिए बेटी के बड़े होने का इंतजार नहीं करना चाहिए। अगर वह शारीरिक सीमाओं को समझती है, तो उसे यौन शोषण के बारे में बताएं। उसे समझाएं कि माता-पिता के अलावा और किसी को भी उन्हें बिना कपड़ो के देखने की इजाजत नहीं है। उन्हें यह भी बताएं कि कोई अजनबी उनकी सहमति के बिना उन्हें छू तक नहीं सकता।

आप उसे यकीन दिला सकते हैं कि आप हमेशा उसके पीछे खड़े हैं। उससे लगातार बातचीत करते रहें और दिनभर का हाल चाल पूछें। अगर बेटी निराशा महसूस करती है, तो पूछे कि क्या हुआ है। अगर आपको लगता है कि बात आगे बढ़ गई है, तो तुरंत एक्शन लेना जरूरी है। इसे एक मामूली घटना समझकर नजरअंदाज करने की भूल न करें। इससे समस्या और बढ़ सकती है।

कई लोग ऐसी हरकत के लिए अपनी बेटियों को ही दोषी मानने लगते हैं। कोई भी कदम उठाने के बजाय उसके पहनावे, हाव भाव और दिखावे को गलत बताते हैं। भले ही आपकी बेटी, जो भी पहनती है, जैसा भी व्यवहार करती है, अगर वह उत्पीड़न का शिकार है, तो उसे दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। माता-पिता ही बच्चे का इमोशनल सपोर्ट होते हैं। उन्हें इससे वंचित न करें।

हालांकि, छोटे बच्चे अपनी समस्या बोलकर ठीक से व्यक्त नहीं कर सकते। इसलिए पैरेंट्स को चाहिए कि उनके लिए एक कोड वर्ड तैयारी करें। जिसका उपयोग वे असुरक्षित महसूस होने पर कर सकते हैं।

हर बात में हां जी करना ठीक नहीं है। बेटी में गुड गर्ल सिंड्रोम की आदत ना डालें। उसे बताएं कि अगर वह किसी बात से सहमत है, तो उसे ना कहने की पूरी आजादी है। इससे वह उत्पीड़न के खिलाफ लड़ना सीख जाएगी। उसकी हिम्मत देखकर बाकी लड़कियों को भी हौंसला मिलेगा।

आप जो पनीर खा रहे हैं वह असली है या नकली? मार्केट से लाते ही ऐसे करें चेक

वेजिटेरियन लोगों के लिए पनीर एक सुपरफूड है. इसे पूरे देश में बड़े ही चाव के साथ खाया जाता है. पनीर के कई डिशेज आसानी से घर पर बनाएं जा सकते हैं. कोई भी फेस्टिवल हो या पार्टी पनीर की रेसिपी तो रहती ही हैं. टेस्ट के साथ-साथ यह हेल्थ के लिए हिसाब से भी बेस्ट है. पनीर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम और हेल्दी फैट्स पाए जाते हैं इसके अलावा इसमें आयरन भी पाया जाता है. पनीर खाने से मसल्स के विकास में मदद होती है और हड्डियां मजबूत बनती है. लेकिन सवाल यह उठता है कि जितने चाव से हम पनीर खा रहे हैं कहीं वो नकली तो नहीं क्योंकि आजकल बाजार में असली और नकली दोनों चीजें मिल रही है. तो कैसे पता करें कि जिस पनीर को हम पोषक तत्व से भरपूर समझकर खा रहे हैं वह

असली है या नकली? आज हम आपको बताएंगे आसान सी ट्रिक्स जिसके जरिए आप आसानी से पता लगा सकते हैं असली और नकली पनीर में अंतर.

असली और नकली पनीर में ऐसे करें फर्क

आपको इसके लिए सबसे पहले मार्केट से पनीर लाकर इस खास ट्रिक्स से पता करना है.

पनीर खरीदने के ठीक बाद करें ये काम

मार्केट से पनीर लेते वक्त उसे हाथ से मसल कर देखें. अगर पनीर में किसी भी तरह का मिलावट होगा तो वह सत्तू की तरह टूट जाएगा. आमतौर पर दूध के पाउडर और स्किम्ड पाउडर से पनीर बनाया जाता है. इस तरह के पनीर आपके पेट के लिए काफी ज्यादा नुकसानदायक है.

सोयाबीन पाउडर के जरिए भी नकली पनीर की पहचान कर सकते हैं

इसके लिए सबसे पहले गर्म पानी में पनीर को उबाले उसमें सोयाबीन का पाउडर या आटा मिला दें. आटा मिलते ही पनीर का कलर चेंज हो जाएगा. नकली पनीर का कलर ही चेंज हो सकता है.

दोनों के सॉफ्टनेस देखकर लगा सकते हैं पता

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक जब पनीर बनाते समय डिटर्जेंट या यूरिया बनाई जाती है तब भी पनीर को उबालते वक्त उसका रंग लाल हो जाता है. जोकि शरीर के लिए बेहद नुकसानदायक है.असली और नकली में एक खास अंतर यह भी है कि असली पनीर काफी ज्यादा सॉफ्ट होता है वहीं नकली पनीर टाइट होता है. टाइट पनीर रबर की तरह खींच जाता है.

कम होगी महंगाई की मार: बजट में मिल सकता है सस्ते गैस सिलेंडर का तोहफा?

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को लोकसभा में केंद्रीय बजट 2025 पेश करेगी। यह उनका 8 वां बजट होगा। सीतारमण के इस बजट पर करदाताओं से लेकर किसान, महिलाएं और उद्योग आदि की नजर टिकी हुई हैं। बजट में इनके लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की जा सकती हैं। जानकारी के अनुसार, 2025 में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों को लेकर महत्वपूर्ण घोषणाएं होने की उम्मीद है। तेल मंत्रालय ने सरकार से एलपीजी सब्सिडी के लिए 40,000 करोड़ रुपये के आवंटन की मांग की है। जानकारों का मानना है कि सरकार इस मांग को स्वीकार करती है तो इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड जैसी तेल कंपनियों को होने वाले नुकसान की भरपाई की जा सकेगी। इससे घरेलू उपभोक्ताओं को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में राहत मिलने की संभावना है।

अभी घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत लगभग 800 रुपये से अधिक हैं। अगर बजट में सब्सिडी बढ़ाई जाती है तो आम जनता को महंगाई से थोड़ी राहत मिल सकती है। हालांकि इसका अंतिम फैसला बजट प्रस्तुत होने पर ही स्पष्ट होगा। हालांकि इससे पहले 1 जनवरी 2025 को ऑयल एंड गैस मार्केटिंग कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर के दाम में कटौती की थी। गैस सिलेंडर के दाम दिल्ली से मुंबई तक 14-16 रुपये तक कम किए गए हैं। ये कटौती कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में की है, जबकि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर (14 किलोग्राम वाले) की कीमतें नए साल की शुरुआत में भी स्थिर बनी हुई हैं, यानी इनमें कोई बदलाव नहीं किया गया था।

साल 2025 के पहले दिन 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की नई कीमतें जारी की गई थी। आईओसीएल की वेबसाइट पर अपडेट किए गए दाम के मुताबिक, राजधानी दिल्ली में 1 जनवरी से 19 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर अब 1804 रुपये का हो गया है, जो कि बीते 1 दिसंबर को 1818.50 रुपये का था। यानी एक सिलेंडर का दाम 14.50 रुपये घट गया है।

दिहाड़ी कामगारों को भी पेंशन जैसी सामाजिक सुरक्षा का लाभ

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। संगठित क्षेत्रों के कर्मचारियों की तरह ही अब दिहाड़ी कामगार भी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आएंगे। सरकार जल्द ही इन लोगों के लिए एक सामाजिक सुरक्षा योगदान प्रणाली शुरू करने की तैयारी में है। इन श्रमिकों को नियोजित करने वाले प्लेटफार्मों को अपने भुगतान का एक तय हिस्सा काटकर कर्मचारी पेंशन योजना में जमा करना होगा। इसके एवज में सरकार जमा की गई राशि का 3 से 4 फीसदी अतिरिक्त योगदान कर सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस पहल में न केवल फूड डिलीवरी और राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म के कर्मचारी शामिल हैं, बल्कि सॉफ्टवेयर पेशेवर और अन्य कर्मचारी भी शामिल हैं। कुछ साल पहले लागू किए गए श्रम कोड में दिहाड़ी श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा प्रावधानों को शामिल किया गया था।

कैबिनेट ने 16300 करोड़ रुपये के खनिज मिशन को मंजूरी दी, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया एलान

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रीमंडल ने 16,300 करोड़ रुपये के खनिज मिशन को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को इसका एलान किया। इसके साथ ही कैबिनेट ने सी श्रेणी के भारी गुड़ से उत्पादित इथेनॉल की एक्स-मिल कीमत 56.28 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 57.97 रुपये प्रति लीटर करने को भी मंजूरी दे दी है। सरकार की ओर से निर्धारित इथेनॉल की कीमतें 2022-23 इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (नवंबर-अक्तूबर) के बाद से नहीं बढ़ाई गई थी। गन्ने के रस, बी-हैवी गुड़ और सी-हैवी गुड़ से उत्पादित इथेनॉल की वर्तमान दरें क्रमशः 65.61 रुपये, 60.73 रुपये और 56.28 रुपये प्रति लीटर हैं।

इथेनॉल की एक्स-मिल कीमत 1.69 रुपये बढ़ाने का एलान

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को इस वर्ष 31 अक्तूबर को समाप्त होने वाली 2024-25 अवधि के लिए इथेनॉल की कीमतों का एलान किया। सी श्रेणी के

भारी गुड़ से प्राप्त इथेनॉल की एक्स-मिल कीमत 1.69 रुपये बढ़ाकर 57.97 रुपये प्रति लीटर करने को मंजूरी दी गई। बी श्रेणी के भारी गुड़ और गन्ना रस/चीनी/चीनी सिरप से उत्पादित इथेनॉल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया। इनकी कीमतें क्रमशः 60.73 रुपये प्रति लीटर और 65.61 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रखी गईं। इथेनॉल की कीमतें बढ़ाने का फैसला आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने ली। इसकी जानकारी देते हुए सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2024-25 के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए इथेनॉल खरीद मूल्य में संशोधन को मंजूरी दी गई है। सरकार ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य भी 2030 से घटाकर इथेनॉल वर्ष 2025-26 कर दिया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, इस दिशा में एक कदम उठाते हुए, तेल विपणन कंपनियों ने चालू ईएसवाई 2024-25 के दौरान 18 प्रतिशत इथेनॉल के मिश्रण की योजना बनाई है।

कैबिनेट के फैसले से पहले चीनी कंपनियों के शेयरों में दिखा एक्शन

इस बीच, चीनी और इथेनॉल से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी दिखी है। ईआईडी-पैरी, श्री रेणुका शुगर्स, बलरामपुर चीनी मिल्स और त्रिवेणी इंजीनियरिंग के शेयरों में बीएसई सेंसेक्स पर 3.7%, 4.5%, 2.5% और 2.3% की बढ़त दर्ज की गई। सेंसेक्स 0.62% की बढ़त दिखी।

अदाणी समूह को आईटीडी सीमेंटेशन में बहुलांश हिस्सेदारी हासिल करने के लिए सीसीआई की मंजूरी

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने अदाणी समूह की इकाई रिन्यू एक्जिम डीएमसीसी के आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया में करीब 5,757 करोड़ रुपये में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया लिमिटेड एक इंजीनियरिंग और निर्माण कंपनी है जो भारी सिविल, बुनियादी ढांचे और इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) व्यवसाय करती है और भारत और विदेशों में परिचालन करती है।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने एक विज्ञप्ति में कहा, प्रस्तावित सौदे में रिन्यू एक्जिम डीएमसीसी (अधिग्रहणकर्ता) की ओर से आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया लिमिटेड की कुल जारी और वोटिंग इक्विटी शेयर पूंजी के लगभग 46.64 प्रतिशत (8,01,13,180 शेयरों के बराबर) का अधिग्रहण शामिल है।

बैंकों की ओर से लगाए जाने वाले दंडात्मक शुल्कों पर जीएसटी नहीं

सीबीआईसी ने सर्कुलर जारी कर साफ की स्थिति

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने स्पष्ट किया है कि बैंकों और नॉन बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की ओर से ग्राहकों पर लगाए जाने वाले दंडात्मक शुल्कों पर वस्तु एवं सेवा कर नहीं लगता है।

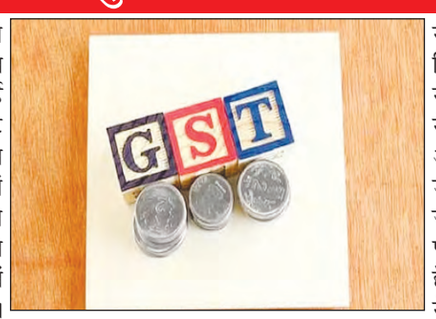

सीबीआईसी ने एक सर्कुलर के जरिये यह भी स्पष्ट किया कि ऑनलाइन भुगतान मंचों पर पेमेंट एग्रीगेटरों की ओर से 2000 रुपये तक भुगतान मुहैया कराने पर भी जीएसटी नहीं लगेगा। सर्कुलर में कहा गया है, रिजर्व बैंक की ओर से शासित इकाइयों की ओर से लगाए जाने वाले दंडात्मक शुल्क अनुबंध की शर्तों के उल्लंघन के कारण लगाए जाने वाली प्रकृति के होते हैं इसलिए इनपर जीएसटी नहीं लगेगा। सीबीआईसी ने कहा, 55वीं जीएसटी परिषद की सिफारिशों के अनुरूप यह स्पष्ट किया जाता है कि विनयमित इकाइयों की ओर से ऋण लेने वालों की तरफ से ऋण अनुबंधों की शर्तों और मैटेरियल शर्तों का उल्लंघन करने पर लगाए जाने वाले दंडात्मक शुल्क पर कोई जीएसटी देय नहीं है। अभी बैंक अपने ग्राहकों से दंडात्मक शुल्क वसूलने के साथ उसपर जीएसटी भी लगाते हैं। मगर अब सीबीआईसी के स्पष्टीकरण के बाद ग्राहकों को राहत मिलेगी। एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के वरिष्ठ साझेदार रजत मोहन ने कहा कि यह स्पष्टीकरण बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह जमीनी स्तर पर विवादों को खत्म करेगा। मोहन ने कहा, यह मानते हुए कि अनुबंध पूरे करने के लिए होते हैं, तोड़ने के लिए नहीं, जीएसटी काउंसिल ने इस तरह शुल्कों पर कराधान को लेकर जारी अस्पष्टता खत्म कर दी थी।

शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन हरे निशान पर बंद

> सेंसेक्स 631 अंक चढ़ा, निफ्टी 23150 के पार

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। दुनियाभर के शेयर बाजार में मजबूत रुख के बीच बुधवार को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), पूंजीगत उत्पाद और औद्योगिक शेयरों में खरीदारी से घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन हरे निशान पर बंद होने में सफल रहा।

सेंसेक्स 631 अंक और निफ्टी करीब 206 अंक चढ़कर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 631.55 अंक यानी 0.83 प्रतिशत उछलकर 76,532.96 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 698.32 अंक चढ़कर 76,599.73 पर पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी 205.85 अंक यानी 0.90 प्रतिशत बढ़कर 23,163.10 पर पहुंच गया।

सेंसेक्स के किन शेयरों में दिखा सबसे अधिक उतार-चढ़ाव?

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से जोमैटो ने लगभग सात प्रतिशत की छलांग लगाई। इसके अलावा टाटा मोटर्स, इन्फोसिस, अल्ट्राटेक सीमेंट, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फाइनेंस के शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी ओर, आईटीसी होटल, भारती एयरटेल, मारुति, एशियन पेंट्स और आईटीसी के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

वैश्विक बाजार का क्या हाल रहा?

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की बढ़त पर रहे। शंघाई और हांगकांग के बाजार छुट्टियों के कारण बंद रहे। यूरोप के अधिकांश बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। मंगलवार को अमेरिकी बाजारों में तेजी का माहौल रहा था।

एफआईआई की बिकवाली और ब्रेंट क्रूड के भाव पर क्या अपडेट?

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 4,920.69 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.93 प्रतिशत गिरकर 76.77 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

10 ग्राम सोने की कीमत 80819 रुपये, चांदी 678 रुपये चढ़ा

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सोना आज यानी 29 जनवरी को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 506 रुपए बढ़कर 80,819 रुपए हो गया है। इससे पहले मंगलवार को इसके दाम 80,313 रुपए प्रति दस ग्राम थे। सोने ने 24 जनवरी को 80,430 प्रति 10 ग्राम का ऑल टाइम हाई बनाया था।

वहीं, चांदी की कीमत में भी आज बढ़त है। ये 678 रुपए बढ़कर 90,428 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 89,750 रुपए पर थी। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को अपना ऑलटाइम हाई बनाया था, तब ये 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी। 31 दिसंबर को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 76,162 रुपए था। बीते 29 दिन में इसमें 4,657 रुपए का इजाफा हुआ है। वहीं, 31 दिसंबर को 1 किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी।

अमेरिका के लोगों को नहीं देना होगा इनकम टैक्स!

> क्या करने जा रहे हैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप?

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। भारत में टैक्सपेयर्स 1 फरवरी को पेश होने वाले बजट में राहत की उम्मीद कर रहे हैं। लेकिन अमेरिका में करदाताओं को इनकम टैक्स से मुक्ति मिल सकती है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में इनकम टैक्स को खत्म करने की वकालत की है। उनका कहना है कि अपने लोगों पर टैक्स लगाकर विदेशों को समृद्ध बनाने बजाय अब विदेशी सामान पर टैरिफ बढ़ाकर अमेरिका के नागरिकों को अमीर बनाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि 1913 से पहले देश में यह व्यवस्था थी और अब फिर से उस व्यवस्था को अपनाने का समय आ गया है। ट्रंप ने देश में इनकम टैक्स की व्यवस्था को खत्म करने का प्रस्ताव रखा है। अगर ऐसा होता है तो देश के लोगों के पास डिस्पोजेबल इनकम यानी खर्च करने लायक आय बढ़ेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति का कहना है कि इससे

देश में उस व्यवस्था की वापसी होगी जिससे अमेरिका अमीर हुआ है। उन्होंने कहा, 'समय आ गया है कि अमेरिका उस सिस्टम में वापसी करे जिसने हमें अमीर और ताकतवर बनाया। हमें अपने लोगों पर टैक्स लगाकर दूसरे देशों को समृद्ध बनाने बजाय विदेशी सामान पर टैरिफ लगाकर अपने लोगों को अमीर बनाना है।

कितनी होगी कमाई

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'अमेरिका अमीर बनने वाला है और यह काम जल्दी होगा। 1870-1913 के बीच टैरिफ के जरिए अमेरिका में सबसे ज्यादा समृद्धि आई थी। हमारे पास इतना पैसा था कि 1887 में सरकार को ग्रेट टैरिफ कमीशन का गठन करना पड़ा। उस समय देश में इनकम टैक्स की व्यवस्था नहीं थी। इनकम टैक्स 1913 में शुरू किया गया।' अमेरिका में कई इनकम टैक्स स्लैब हैं।

ट्रंप ने कनाडा और मेक्सिको से आने वाले सामान पर 25% टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इसी तरह चीन के सामान पर 1 फरवरी के टैरिफ में 10% बढ़ोतरी का प्लान है। भारत और ब्राजील पर भी टैरिफ के बादल मंडरा रहे हैं। टैक्स फाउंडेशन के मुताबिक अमेरिका आने वाले सामान पर 20% टैरिफ लगाने से सरकार को सालाना करीब $300 अरब मिल सकते हैं। अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप ने कुछ प्रोडक्ट्स पर टैरिफ लगाया था और जो बाइडन ने भी इसे काफी हद तक बरकरार रखा। यानी अब मौजूदा टैरिफ के ऊपर टैरिफ लगेगा।

लागत में कटौती के लिए छोटे शहरों में आक्रामक भर्तियां कर रहीं कंपनियां, कम वेतन पर मिल रहे कर्मचारी

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। देश की बड़ी कंपनियां लागत घटाने और प्रतिभाओं तक आसानी से पहुंचने के लिए अब लखनऊ एवं जोधपुर जैसे छोटे शहरों में कार्यालय खोल रही हैं और आक्रामक तरीके से भर्तियां भी कर रही हैं। कंपनियों के छोटे शहरों की ओर रुख करने की तीन बड़ी वजह हैं। पहला...इन शहरों में कम खर्च होता है। दूसरा...परिचालन लागत घटती है।

तीसरा...कम वेतन पर अच्छे कर्मचारी मिल जाते हैं। जानकारी के मुताबिक, वेदांता डिजिटल परिवर्तन, इंजीनियरिंग और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की तलाश कर रही है। आरपीजी समूह विनिर्माण, बिक्री के साथ रिन्यूएबल एनर्जी जैसे उभरते हुए क्षेत्रों पर ध्यान दे रहा है। वेदांता की एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, इस साल कारोबार पुनर्गठन के कारण कंपनी पूरे भारत में अच्छी संख्या में नियुक्तियां करने पर विचार कर रही है। इसमें प्रमुख रूप से टियर-2 और टियर-3 शहर शामिल हैं। वेदांता ने भुवनेश्वर, रांची, झारसुगुड़ा, रायपुर, बाड़मेर और कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में बड़े स्तर पर लोगों की भर्तियां की है। डेलॉय इंडिया के पार्टनर वामसी करावाडी का

कहना है कि टियर-2 और टियर-3 शहरों में भर्तियों से कंपनियों का परिचालन खर्च 10-20 फीसदी तक घट जाता है। इसमें कार्यालयों के किराये, कम वेतन और नौकरी छोड़ने की कम दर प्रमुख हैं। आईबीएम इंडिया व साउथ एशिया के उपाध्यक्ष टी नागराजन ने कहा, छोटे शहरों से प्रतिभाओं को लाकर महानगरों में रखने के बजाय हम अपने कार्यालयों को उनके पास ही लेकर जा रहे हैं।

आईबीएम प्रतिभाओं के लिए शिक्षा संस्थानों की ले रही मदद

आईबीएम ने जिन शहरों में विस्तार किया है, उनमें प्रमुख रूप से गांधीनगर, भुवनेश्वर, कोच्चि, मैसूर और कोयंबतूर हैं। आईबीएम इंडिया तीन वर्षों से प्रतिभाओं को विकसित करने की आक्रामक रणनीति अपना रही है, जो इस साल भी जारी रहेगी। कंपनी छोटे शहरों के स्थानीय शैक्षणिक संस्थानों से प्रतिभाओं का दोहन करने के साथ कुशल पेशेवरों के लिए नौकरी के अवसर बढ़ा रही है।

आईबीएम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, क्लाउड प्लेटफॉर्म, उत्पाद डिजाइन और बिजनेस प्रोसेस सेवाओं में भूमिकाओं पर ध्यान दे रही है। टेक कंपनियां भी टियर-2 और टियर-3 शहरों से आक्रामक रूप से भर्ती कर रही हैं। मुख्य रूप से सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, बुनियादी ढांचे और ग्राहक सहायता भूमिकाओं को लक्षित कर रही हैं। करावाडी ने कहा, मौजूदा अनुमान से पता चलता है कि 15-20 फीसदी तकनीकी कार्यबल पहले से ही कोयंबतूर, तिरुवनंतपुरम, भुवनेश्वर, जयपुर, नागपुर और इंदौर जैसे शहरों से आते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह	स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर	मे	मकर...	05-00 बजे
चंद्र-	मकर	मे	कुंभ...	07-40 बजे
मंगल	मिथुन (व)	मे	मीन...	09-18 बजे
बुध-	मकर	मे	मेष...	10-54 बजे
गुरु-	वृष	मे	वृष...	12-36 बजे
शुक्र-	मीन	मे	मिथुन	14-40 बजे
शनि-	कुंभ	मे	कर्क..	16-52 बजे
राहु-	मीन	मे	सिंह...	19-04 बजे
केतु-	कन्या	मे	कन्या...	21-12 बजे
			तुला....	23-16 बजे
			वृश्चिक..	01-25 बजे
			धनु.....	03-40 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य - उत्तरायणे - ऋतु - शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय -06-52 सूर्यास्त. 18-06
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा . 16-10 तक उपरान्त द्वितीया
मास - माघ कृष्ण , गुरुवार 30 January
नक्षत्र - श्रवण 07-15 तक उपरान्त धनिष्ठा
योग - व्यतिपात 18-33 तक उप वरियान
करण- बव 16-10 तक उप बालव
विशेष:- गुप्त नवरात्रि विधान प्रा.
व्रत -त्योहार - गांधी पुण्य दि.

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:54 से 15:19 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	06:52 - 08:15 शुभ	अमृत.	18:06 - 19:44 शुभ
रोग	08:15 - 09:40 अशुभ	चंचल	19:44 - 21:19 शुभ
उत्पात	09:40 - 11:05 अशुभ	रोग	21:19 - 22:54 अशुभ
चंचल.	11:05 - 12:30 शुभ	काल	22:54 - 00:29 अशुभ
लाभ.	12:30 - 13:54 शुभ	लाभ	00:29 - 02:04 शुभ
अमृत.	13:54 - 15:19 शुभ	उत्पात	02:04 - 03:39 अशुभ
काल.	15:19 - 16:44 अशुभ	शुभ	03:39 - 05:14 शुभ
शुभ .	16:44 - 18:06 शुभ	अमृत.	05:14 - 06:02 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

ऐसा लग रहा है की अपने कार्यस्थल के लिए आपकी यात्रा की लागत में दिन ब दिन बढ़ोतरी हो रही है । इसके अलावा ऑफिस की राजनीति आपके खिलाफ काफी मजबूत है और आप के खिलाफ प्रयुक्त हो रही है, लेकिन आप हमेशा की तरह काम करना जारी रखे और आपको जल्दी ही पदोनत्ति मिल सकती है , हालाँकि समय कैसा भी हो , ईर्ष्या के कारण कार्यालय राजनीति चलती रहेगी।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज आप बहुत महत्वाकांक्षी महसूस करेंगे । नए अवसर आपके कार्य क्षेत्र में खुलेंगे और आप उनका लाभ लेने के लिए उत्सुक होंगे । ध्यान रखे की आपकी उत्सुकता आपके सहयोगियों के बीच ईर्ष्या का कारण न बने इसलिए सावधान रहें। आपको ये एहसास करने की जरूरत है की अपनी परियोजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए , न केवल अपने वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित बल्कि अपने सहकर्मियों का समर्थन हासिल करना भी बहुत आवश्यक है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज आपका भाग्य सट्टा उद्यम एवं उससे जुडी चीज़ो में आपका साथ देगा । अगर आप किसी दुविधा में हैं तो आज का दिन आपको तर्कशक्ति प्रदान करेगा जिससे आप उचित निर्णय ले पाओगे । ये निर्णय आपकी वित्तीय जरुरतो पर भी आगे जाकर अछा प्रभाव डालेगा । आज का दिन भूमि निवेश के लिए भी फायदेमंद रहेगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आपका करियर आपकी योजना के अनुसार नहीं जा रहा है और आप समझ नहीं पा रहे है की ऐसा क्यों हो रहा है । नए सिरे से इसे शुरू करना सबसे अच्छा उपाय है । सबसे पहले आप अपना बायो डेटा ढंग से तैयार करे और इसे सबसे अधिक प्रासंगिक व्यक्ति को दे , जो की आपने अभी तक नहीं किया है । इस समय आपको अपने करियर को नियंत्रण में लेने की जरूरत है बजाय की यादृच्छिक घटनाए आप पर हावी हो ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आप अपने संबंधित काम में गंभीर रूप से तनाव से प्रभावित हो सकते है। आंतरिक दबाव आपके सिर चढ़ कर बोलेगा और अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आपके पास आवश्यक समय की कमी हो सकती है , लेकिन आप इसमें कुछ भी नहीं कर सकते है इसलिये इस समय को आसानी से निकालने का प्रयास करें। आपको एक ऐसे व्यक्ति की बात सुननी पड़ सकती है , जो की आपको मिलनसार नहीं लगता , लेकिन व्यावसायिक कारणों के लिए यह आपको करना होगा।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त है वशर्ते के आपने उस के लिए पहले से ही कुछ नीतिया बनाई हुई हो । किसी के आग्रह पर निवेश करना से आपको सही फल नहीं मिलेगा किन्तु अगर आप गहराई से अनुसंधान करे तो आप सही निष्कर्ष पर पहुंच सकते है । आपके निवेश आपको लम्बी दुरी के लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार साबित होगे इसलिए ध्यानपूर्वक स्थिति को समझकर निवेश करे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आप अपने रास्ते में एक महान अवसर की बाट देख रहे थे और इस तरह के अवसर के लिए ये सबसे अच्छा समय है। अगर आपने साक्षात्कार दिया है, तो उस मोर्चे पर आज अच्छी खबर मिल सकती है । अप्रत्याशित जगहों से नौकरी के अवसर आपको मिल सकते है या कुछ पुराने संपर्कों से भी आप आगे की और बढ़ सकते है । आपने कठिन समय के दौरान उत्कृष्ट भावना का परिचय दिया है और अब उसका अंत नजर आ रहा है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

हालाँकि की आज आप अपने सभी कार्यों को जल्द पूरा करने में बहुत ज्यादा सक्षम हैं लेकिन आप अपने में बेचैनी , असावधानी और सुस्ती महसूस करेंगे और नतीजतन अधिक समय होने के बावजूद आपका बकाया कार्य और जिम्मेदारियां बढ़ती हुई चली जाएंगी । एक दिन की छुट्टी लेना इस का उपाय है ताकि अगले दिन आप तरोताजा महसूस करे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज आपको एक अप्रत्याशित स्रोत से , धन लाभ होने की संभावना है । सट्टा उद्यम, शेयर बाजार में और छोटी अवधि के निवेश में सफलता मिलने की पूरी संभावना है। आपका वित्तीय भाग्य उच्च चल रहा है । बस आप अपने आवेग पर लगाम लगाने की कोशिश करे और आप अपनी वित्तीय सुरक्षा का आनंद भी ले पाएंगे । आज आप कुछ धन दान भी दे सकते हैं ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज के दिन अप्रत्याशित धन की प्राप्ति के योग है । आज का दिन लॉटरी और सट्टा बाजार के लिए भी लाभप्रद है परन्तु ये धन लाभ कई तरह की जिम्मेदारियां भी साथ लायेगा जिसे आपको नजरअंदाज नहीं करना है । आपको इस पैसे के संबंध में आज एक महत्वपूर्ण काम का निर्वहन करना पड़ सकता है। इस अप्रत्याशित उपहार के वजह से आज आप कुछ हलकी फुलकी खरीदारी भी कर सकते है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज आप आत्मविश्वास और सकारात्मक रहेंगे । आज किसी भी साक्षात्कार या ग्राहक के साथ किसी भी सौदे को तय करने के लिए एक अच्छा दिन है। आपको आज एक अछा लाभ मिल सकता है । आप दिन के उत्तरार्ध में किसी कार्य को लेकर कुछ अटक सकते है। कल के लिए मनोरंजन या मनोरंजन के लिए अपनी योजनाओं को स्थगित करे एवं अपने सहयोगी से आज मदद ले ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

पिछले कुछ दिनों से अलग अलग दिशाओं में आपका मन भाग रहा है और निर्णायक निर्णय लेने में आप असमर्थ रहे है। बहरहाल, आज आपको दृष्टि की एक दुर्लभ स्पष्टता का अनुभव होगा और आप अपने कार्यस्थल पर मुद्दों के बारे में स्पष्ट और उचित निर्णय लेने में सक्षम होंगे । आपको किसी से अच्छी करियर सलाह मिलने की भी संभावना है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

रांची-लोहरदगा में आतंकियों के 16 स्लीपर सेल एक्टिव

इनका अलकायदा जैसे बड़े आतंकी संगठनों से लिंक, सबूत जुटाने में लगा झारखंड एटीएस

रांची, 29 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में अलकायदा का मॉड्यूल जड़े जमाने में लगा हुआ है। बीते दो साल से दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और झारखंड एटीएस लगातार गिरफ्तारियां भी कर रही है। अब तक की कार्रवाई में झारखंड एटीएस ने कुल 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। अब झारखंड एटीएस को प्रदेश में काम कर रहे अलकायदा के स्लीपर सेल्स के बारे जानकारी मिली है।

एटीएस के मुताबिक रांची और लोहरदगा जिले में 16 संदिग्ध ऐसे हैं, जिनका अलकायदा कनेक्शन मिला है। ये संदिग्ध रांची के चान्हो और मांडर के अलावा लोहरदगा जिले के कुडू सहित अन्य जगहों पर हैं।

झारखंड एटीएस एसपी ऋषभ झा के मुताबिक अलकायदा के झारखंड मॉड्यूल के 16 संदिग्धों की जानकारी मिली है। इनसे जुड़े सबूत जमा किए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक 16 संदिग्ध जरूर हैं पर सभी एक्टिव नहीं हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार संदिग्ध लोग अलग-अलग पेशे से जुड़े हैं। इनमें कुछ साइकिल रिपेयरिंग दुकान चलाने तो कुछ राजमिस्त्री का काम करते हैं।

सूत्रों की मानें तो एटीएस के पास इन 16 में से कुछ लोगों के बाहर जाने की भी सूचना है। जिन 16 स्लीपर सेल की जानकारी एटीएस को है उनका कनेक्शन उन सभी लोगों से रहा है जिन्हें दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने छापेमारी के क्रम में झारखंड के विभिन्न इलाकों से अरेस्ट किया है। एटीएस सभी की भूमिका की जांच कर रही है। इस पॉइंट पर भी जांच की जा रही है कि उक्त संदिग्ध लोग दूसरे देश के किसी आतंकी संगठन से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संपर्क में तो नहीं आए थे। जांच पूरी होने के बाद मामले में आगे की कार्यवाही की जा सकती है।

झारखंड एटीएस एसपी ऋषभ झा का मीडिया को दिए सवाल के जवाब के मुताबिक अब तक हुई गिरफ्तारियों के बाद से टीम और सजग है। गिरफ्तार लोगों से पूछताछ तो चल ही रही है। साथ ही संदिग्ध लोगों को भी पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा है। उनके मुताबिक अब तक 10 से 15 लोगों से पूछताछ की जा चुकी है।

उन्होंने बताया कि झारखंड एटीएस का उद्देश्य है कि राज्य में चल रहा अलकायदा मॉड्यूल पूरी तरह से खत्म हो। पिछली गिरफ्तारियों के बाद से तकनीकी सेल का भी हमलोग मदद ले रहे हैं और दर्जनों लोगों को सर्विलांस पर रखा गया है। एटीएस की कार्रवाई जारी है।

अलकायदा इन इंडियन सबकंटिनैंट मॉड्यूल की एक्टिविटी झारखंड में बीते दो साल में बढ़ी है। ऐसा नहीं है कि झारखंड में आतंकी संगठनों का कनेक्शन नया-नया सामने आया है। झारखंड में न केवल अलकायदा इन इंडियन सबकंटिनैंट मॉड्यूल की एक्टिविटी रही है बल्कि यहां से ल श क र - ए - तो ए बा , आईएसआईएस, अलकायदा, सिम्मी, इंडियन मुजाहिद्दीन जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन के लोग रहे हैं। जिनकी समय-समय पर गिरफ्तारियां भी होती रही हैं।

झारखंड से आतंकी संगठनों का कनेक्शन 20 साल पुराना है। आतंकी संगठन का पहला कनेक्शन 28 जनवरी 2002 को सामने आया था।

रायपुर, दुर्ग-भिलाई बिलासपुर में आईटी रेड

सत्यम बालाजी राइस मिल ग्रुप के कमीशन एजेंट्स के घर-दफ्तर में कार्रवाई 100 से अधिक अफसर कर रहे जांच

रायपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आयकर विभाग ने छापा मारा है। आयकर विभागों की टीमों ने रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग-भिलाई के कारोबारियों के ठिकानों पर दबिश दी है। रायपुर में सत्यम बालाजी राइस मिल ग्रुप से जुड़े कई कमीशन एजेंट्स के दफ्तर और घर पर रेड पड़ी है। आज (बुधवार) सुबह छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के नंबर प्लेट वाली वाइट और सिल्वर गाड़ियों से अधिकारी पहुंचे हैं। दस्तावेजों की जांच चल रही है। रायपुर के राजीव नगर स्थित घर, जवाहर मार्केट स्थित ऑफिस, राठौर चौक स्थित गोदाम, कमीशन एजेंट्स के ऑफिस और रिंगरोड स्थित जगुआर शोरूम समेत भनपुरी स्थित राइस मिल पर कार्रवाई चल रही है। 100 से अधिक अफसर जांच कर रहे हैं। आयकर विभाग को टैक्स चोरी का इनपुट मिला था। इसकी अब जांच की जा रही है। मप्र, महाराष्ट्र और उड़ीसा समेत तेलंगाना के आईटी अफसर इस कार्रवाई में शामिल हैं।

इंजीनियरिंग, एमबीए पास लड़के-लड़कियों का ठग गैंग

शौक पूरा करने किराए पर लिए खाते, ऑनलाइन सट्टा-साइबर ठगी के जरिए 2 करोड़ 85 लाख का ट्रांजेक्शन

दुर्ग, 29 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग-भिलाई, सूरजपुर और रायपुर के लड़के-लड़कियों ने ऑनलाइन सट्टा और साइबर फ्रॉड के पैसे निकालने के लिए बैंक अकाउंट फ्रॉड का पूरा नेटवर्क बनाया। लोगों को पैसे का लालच देकर उनके बैंक अकाउंट ले लिए, फिर उन अकाउंट से 2 करोड़ 85 लाख रुपए का ट्रांजेक्शन किया।

इस मामले में दुर्ग पुलिस ने 35 लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार किया है। यह आरोपी महंगे शौक पूरे करने के लिए ठगी का काम शुरू किया था। यह सभी युवा काफी पढ़े-लिखे हैं। इनमें मैकेनिकल इंजीनियर और एमबीए होल्डर भी है। जिन खातों से लेन-देन हुआ है, उन पर भी एक्शन लिया गया है। दरअसल, कुछ दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय से दुर्ग पुलिस को एक मेल आया था। उसमें कर्नाटका बैंक की दुर्ग ब्रांच में संचालित 111 संदिग्ध खातों की जांच करने कहा गया। एसपी जितेंद्र शुक्ला ने दुर्ग सीएसपी चिराग जैन के नेतृत्व में मोहन नगर थाने की पुलिस और क्राइम टीम को लगाया।

पुलिस को जांच में पता चला कि, दुर्ग भिलाई के लड़के और लड़कियों ने मिलकर ठगी का नेटवर्क बनाया। यह लोग देशभर के अलग-अलग लोगों से संपर्क कर उन्हें पैसों का लालच देकर उनका बैंक खाता ले लेते थे। इसमें बड़ी संख्या में कॉर्पोरेट करंट अकाउंट तक लोगों से लिए गए। पुलिस को 111 बैंक खातों में से 35 ऐसे अकाउंट मिले, जिसमें 2 करोड़ 85 लाख रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ था। यह पैसा साइबर ठगी और महादेव ऑनलाइन सट्टा के जरिए आया था। पुलिस ने 15 खाता धारकों और 20 खाता उपलब्ध कराने वालों के खिलाफ केस दर्ज किया है। जांच में पता चला कि, खाता उपलब्ध कराकर ऑनलाइन सट्टा ऐप और साइबर ठगी का संचालन भिलाई के हाईली क्वॉलीफाई युवा कर रहे हैं। इस मामले में 5 महिलाएं भी गिरफ्तार की गई है।

35 लाख की अवैध शराब जब्त

कटकमदाग थाना पुलिस ने 9500 विदेशी शराब की बोतलें पकड़ीं, एक तस्कर गिरफ्तार

हजारीबाग, 29 जनवरी (एजेंसियां)। हजारीबाग में पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। एसपी अरविंद कुमार सिंह को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कटकमदाग थाना पुलिस ने कटकमदाग थाना क्षेत्र के ग्राम हरुदाग में छापेमारी की। इस कार्रवाई में पुलिस ने करीब 35 लाख रुपए कीमत की 9500 बोतल अवैध विदेशी शराब बरामद की।

पुलिस ने मौके से 19 वर्षीय क्रिस्टोपाल हंस को गिरफ्तार किया है। आरोपी अवैध रूप से शराब की बिक्री कर राज्य सरकार को राजस्व का नुकसान पहुंचा रहा था।

मुख्यालय डीएसपी अमित कुमार ने बताया कि जिले में अवैध नशे के कारोबार को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस कार्रवाई से क्षेत्र के शराब माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

रायपुर सेंट्रल जेल में अफ्रीकन ड्रग्स डीलर ने की आत्महत्या

गमछे से फांसी पर झूला, खाने की खराब व्यवस्था का विरोध कर रहे थे कैदी

रायपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। रायपुर सेंट्रल जेल में एक अफ्रीकन कैदी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसने पहले गमछे की रस्सी बनाकर सेल की रॉड में फंसाया, फिर फंदे से झूल गया। बताया जा रहा है कि, जेल के अंदर खाने की खराब व्यवस्था को लेकर अफ्रीकन मूल के कैदी लगातार विरोध कर रहे थे। आशंका है कि यही इसकी वजह है। मामला गंज थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक कैदी का नाम पैट्रिक यूबीके बावको था। उसे पुलिस ने 30 अक्टूबर 2020 को एक ड्रग्स केस में जेल भेजा था। पैट्रिक पर आरोप था कि, नाइजीरियन गैंग से मुंबई के रास्ते ड्रग्स लाकर वह रायपुर में सप्लाई करवाता था।

जिसके बाद रायपुर की कोतवाली पुलिस ने आरोपी को एनडीपीएस मामले में अरेस्ट किया था। पैट्रिक का मूल निवास लागोस नाइजीरिया है। लेकिन वह मुंबई में रह रहा था। वहीं से ड्रग्स की सप्लाई चैन ऑपरेट करता था। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मंगलवार की दोपहर जेल के पहरेदार जब सेल के रूटीन चेक पर निकले। तो पैट्रिक अपने ही सेल पर फांसी के फंदे पर लटकता दिखा। जिसके बाद आनन फानन में जेल के अफसरों को सूचना दी गई। जेलकर्मी उसे उतारकर एम्बुलेंस की मदद से मेकाहारा अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसके मौत की पुष्टि कर दी।

पुलिस ने मृतक के परिजनों से संपर्क किया है। जिसके बाद पैट्रिक के परिजन भारत के लिए रवाना हो चुके हैं। पोस्टमॉर्टम के बाद लाश उन्हें सौंपा जाएगा। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से अफ्रीकी मूल के कैदी जेल के भीतर खाने की व्यवस्था को लेकर लगातार विरोध कर रहे थे। लेकिन जेल प्रशासन समस्या दूर नहीं कर रहा था। आशंका है कि, इस वजह से परेशान होकर पैट्रिक में आत्महत्या कर ली होगी। हालांकि यह जांच का विषय है।

इससे पहले, रायपुर सेंट्रल जेल के भीतर कई ऐसी घटनाएं हो चुकी है। जिससे सुरक्षा को लेकर लगातार सवाल उठते रहते हैं। सितंबर 2024 में एक विचाराधीन कैदी आसिफ खान और सजा काट रहे कैदी सैयद के बीच किसी बात पर विवाद हुआ था। जो बाद में गैंगवार में बदल गया। एक दूसरे पर नुकीली चीजों से हमला किया गया। जिसमें कुछ कैदी अस्पताल में भर्ती हुए थे। इसके अलावा जेल के भीतर चेकिंग में कई बार नशीली- प्रतिबंधित सामग्री पकड़ती है। लेकिन स्थिति जस की तस है। ऐसे कई वीडियो भी सामने आए हैं। जिसमें जेल के पहरेदार गंभीर मामले के आरोपियों को पेशी के बहाने बाहर ले जाकर होटलों में ऐश करवाते हैं। बता दें कि, सेंट्रल जेल के बाहर नवंबर 2024 में फायरिंग की भी घटना हुई थी। जिसमें एक युवक बुरी तरह घायल हुआ था। इस मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया था। फिलहाल कैदी की आत्महत्या मामले में जेल प्रशासन के अधिकारी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। अभी तक उनका कोई बयान सामने नहीं आया है।

तेंदुए ने गाय को मार डाला

आधीरात भिलाई स्टील प्लांट में घुसा, कर्मचारी ने बनाया वीडियो, रेलवे ट्रैक के पास टहलते दिखा

भिलाई, 29 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भिलाई स्टील प्लांट में घुसकर तेंदुए ने मंगलवार रात करीब 1 बजे गाय को मार डाला। बताया जा रहा है कि तेंदुए ने बीएसपी के बार एंड रॉड मिल बीआरएम के पास शिकार किया है। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह गाय को नोंचकर खाते दिख रहा है। वीडियो को भिलाई स्टील प्लांट के शंटिंग स्टाफ ने बनाया है। वीडियो में दिख रहा है कि रेलवे लाइन के पास तेंदुआ शिकार कर और टहल रहा है। कर्मचारी ने वीडियो बनाकर जैसे ही अपने साथियों और अधिकारियों को भेजा तो सभी दहशत में आ गए। दरअसल, रोलिंग मिल पोस्ट वे-ब्रिज के पीछे लाइन नंबर 59 टॉप के पास लोको का प्वाइंट बदलते समय शंटिंग स्टाफ भुवन सिंह की नजर तेंदुए पर पड़ी। उसने फौरन इसकी जानकारी लोको पायलट को दी। इस दौरान दोनों ने दूर से तेंदुए का वीडियो बनाया।

वीडियो वायरल होते ही बीएसपी के जीएम टी एंड डी ने वीडियो बनाने वाले कर्मचारी को बुलाया। कर्मचारी से बयान लेने के बाद मैत्रीबाग प्रबंधन को तेंदुए के आने की सूचना दी गई। वहां से 4-5 लोगों की टीम मौके पर पहुंची।

इस दौरान वन विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। मैत्रीबाग के प्रभारी डॉ. एनके जैन ने बताया कि लेपर्ड की तलाश के लिए टीम बुधवार को बीएसपी के भीतर गई है। इस दौरान उन्हें तेंदुए नहीं मिला। आशंका है कि वह प्लांट इलाके से दूर चला गया होगा। मैत्रीबाग प्रबंधन और बीएसपी अलर्ट मोड पर है।

वहीं भिलाई स्टील प्रबंधन ने कहा कि तेंदुआ अचानक भिलाई स्टील प्लांट के अंदर कैसे आया, इसकी जानकारी अभी तक नहीं मिल पाई है।

सोशल मीडिया पर अलर्ट मैसेज जारी किया है। लोगों से अपील की है कि रात में अकेले ना निकलें। सावधानी बरतें। तेंदुआ बीएसपी क्षेत्र में देखा गया है।

रायपुर मेयर के लिए 28 नामांकन भरे गए

70 वार्डों के लिए 419 नॉमिनेशन, कांग्रेस में 5 मुस्लिम को पार्षद टिकट, भाजपा से एक भी नहीं

रायपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। रायपुर नगर निगम चुनाव का मुकाबला इस बार दिलचस्प हो गया है। नामांकन के आखिरी दिन भाजपा ने शक्ति प्रदर्शन किया, वहीं कांग्रेस की नामांकन रैली रद्द हो गई। रायपुर मेयर के लिए 28 लोगों ने नॉमिनेशन फॉर्म भरा है। वहीं, शहर के 70 वार्डों में 419 लोगों ने नामांकन जमा किया है।

नगर निगम चुनाव में महिलाओं के लिए 23 सीटें आरक्षित है। लेकिन भाजपा और कांग्रेस ने 26-26 महिलाओं को मैदान में उतारा है। इस बार भाजपा ने 18 सिटिंग पार्षद और कांग्रेस ने 17 सिटिंग पार्षदों की टिकट काटी है। 70 वार्डों में कांग्रेस ने 5 मुस्लिम कैंडिडेट को टिकट दिया है। जबकि बीजेपी ने एक भी मुस्लिम कैंडिडेट को नहीं उतारा है।

कांग्रेस पार्टी ने वैसे तो 17 सिटिंग पार्षदों के टिकट काटे हैं, इनमें से 4 पार्षदों ने निर्दलीय चुनाव लड़ने के लिए नामांकन डाला है। मेयर इन काउंसिल के सदस्य आकाश तिवारी, जोन 2 के अध्यक्ष हरदीप सिंह (बंटी होरा) एमआईसी सदस्य समीर अख्तर और एमआईसी सदस्य जितेन्द्र अग्रवाल ने निर्दलीय नामांकन दाखिल कर दिया है। बंटी होरा और जितेन्द्र अग्रवाल ने पार्टी छोड़ने का ऐलान भी कर दिया। समीर अख्तर और आकाश पार्टी के नेताओं से नाराज है।

भाजपा ने पिछला चुनाव जितने वाले 29 पार्षदों में 18 के टिकट काट दिए हैं। इनमें से तीन का वार्ड आरक्षित हो गया। इस वजह से वे चुनाव नहीं लड़ पा रहे हैं। बाकी 15 में ज्यादातर महिलाएं हैं। इन्हें पिछले चुनाव में वार्ड महिला आरक्षित होने के कारण टिकट मिला था। इस बार इनके टिकट काटकर कुछ नए और कुछ पूर्व पार्षदों को दिया गया है।

बाकी 14 टिकट या तो पार्षदों को दिए गए हैं या उनके परिवार के किसी सदस्य को। कुछ पार्षदों का टिकट गुड परफार्मेंस नहीं देने के कारण काटा गया है। भाजपा ने पार्षदों के टिकट बंटवारे में नए पुराने का कंबिनेशन किया है।

कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड से भाजपा की तेज-तर्रार पार्षद सुशीला धीवर का टिकट काट दिया गया। बताया जा रहा है कि उनके खिलाफ बहुत से लोग लामबंद थे। रानी लक्ष्मी बाई वार्ड से पार्षद विश्वदिनी पांडे का टिकट कट गया है। वे इस बार महापौर की दौड़ में थीं। ना मेयर की टिकट नहीं मिली और ना पार्षद की। हालांकि पांडे ने कहा कि, वे खुद ही वार्ड की राजनीति नहीं करनी चाहती हैं।

दलमा में फिर लौटा बाघ, मिले पंजे के निशान

जमशेदपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पलामू टाइगर रिजर्व से निकल विभिन्न जगहों पर विचरण कर रहा बाघ फिर से जमशेदपुर के दलमा पहुंच गया है। पटमदा की गोबरघुसी पंचायत के कुकड़ू और ओपो गांव में कई जगहों पर बाघ के पंजे के निशान मिले। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पंजे का निशान बाघ का होने की पुष्टि की। वहीं, कुछ ग्रामीणों ने बाघ के दहाड़ने की आवाज सुनने का दावा भी किया है। इसके बाद से ग्रामीणों में दहशत है। वृकोदर सबर और अजीत सिंह ने बाघ के पंजे के निशान सबसे पहले देखे और फिर ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने को कहा है। वहीं, कई जगहों पर वन विभाग ने कैमरे भी लगाए हैं। कुकड़ू और ओपो गांव होते हुए बाघ दलमा अभ्यारण्य में प्रवेश कर गया है।

मिथिला की होली का आगाज 3 फरवरी से

बाबा बैद्यनाथ को बहनोई मानने वाले श्रद्धालु करेंगे तिलक, सदियों पुरानी परंपरा

देवघर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। देवघर में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर मिथिलावासियों द्वारा बाबा भोलेनाथ को तिलक अर्पित करने की तैयारियां जोरों पर हैं। बुधवार को क्लब ग्राउंड में नेपाल के कुशीनगर से आए श्रद्धालुओं ने बाबा धाम में पूजा-अर्चना के बाद परंपरागत भैरव पूजा की।

आचार्य अशोक झा के नेतृत्व में पूजा संपन्न हुई और सभी को प्रसाद वितरित किया गया। तीर्थ पुरोहितों ने इस वर्ष तिथि को लेकर होने वाली किसी भी भ्रांति को दूर करने के लिए 2 फरवरी को बसंत पंचमी मनाने की घोषणा की है। पूजा का शुभ मुहूर्त 2 फरवरी की सुबह 7:09 बजे से प्रारंभ होकर अगले दिन सुबह 9:35 तक रहेगा। मिथिलावासी उदया तिथि को मानकर बाबा का 3 फरवरी को तिलक अर्पित करेंगे। यह सदियों पुरानी परंपरा है, जिसमें मिथिला से आने वाले श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ को अपना बहनोई मानकर तिलक लगाते हैं। इसके बाद से मिथिलावासियों की होली की शुरुआत हो जाती है। श्रद्धालुओं ने बताया कि पहले की तुलना में आज स्थिति बदल गई है। पहले जहां खुले आसमान के नीचे डेरा डाल सकते थे, अब बाउंड्री वॉल के कारण रहने की जगह खोजने में परेशानी होती है। राम छबीला यादव पिछले तीन वर्षों से इस आयोजन में हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहले ही निकल चुके हैं और 3 फरवरी को बाबा के तिलक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

कुंभ यात्रा में बोकारो के श्रद्धालुओं को परेशानी

टैक्सी का किराया 22 हजार, बस में सीट नहीं, ट्रेन में भी आरक्षण मुश्किल

बोकारो, 29 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज महाकुंभ में स्नान के लिए बोकारो से जाने वाले श्रद्धालुओं को परिवहन की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों को ट्रेनों में आरक्षण नहीं मिल पा रहा है, जिससे वे महंगी टैक्सी या सीमित बस सेवाओं का सहारा लेने को मजबूर हैं। टैक्सी सेवाएं यात्रियों की जेब पर भारी पड़ रही हैं। बोकारो से प्रयागराज तक सामान्य टैक्सी का किराया 15 हजार से 17 हजार रुपए तक है, जबकि डिजायर और अर्टिगा जैसी गाड़ियों का किराया 20 हजार से 22 हजार रुपए तक पहुंच गया है। इन किरायों में टोल टैक्स शामिल है। बस यात्रा के विकल्प भी सीमित हैं। 28 जनवरी से 25 फरवरी के बीच केवल बबुआन बस सेवा उपलब्ध है। इसमें सामान्य सीट 1,500 रुपए और स्लीपर सीट 2,000 रुपए में मिल रही है।

सुरक्षाबलों ने महिला समेत 2 नक्सली मार गिराए

एक जवान घायल, इंसास राइफल और गोलियां बरामद

चाईबासा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच बुधवार को मुठभेड़ हो गई। इस एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने दो नक्सलियों को मार गिराया। इसमें एक महिला भी शामिल है। मुठभेड़ चाईबासा के सोनुआ थाना क्षेत्र के बिलौता, केडाबीर और नचलदा के जंगल में हुई। मुठभेड़ के दौरान एक सीआरपीएफ जवान भी घायल हो गया, जिसे चक्रधरपुर में इलाज के लिए भेजा गया है। मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने मौके से इंसास राइफल और गोलियां बरामद की है। मारे गए नक्सलियों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है।

घटनास्थल पर अपर पुलिस अधीक्षक पारस राणा, एसडीपीओ बहामन टुटी और सोनुआ अंचलाधिकारी मौजूद हैं। इलाके में सर्च अभियान जारी है। एसपी आशुतोष शेखर के अनुसार, जिला पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम नक्सलियों के खिलाफ जंगल में अभियान चला रही थी। इसी दौरान नक्सलियों की नजर सुरक्षाबलों पर पड़ी तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी।

एसीबी ने लेखापाल को रिश्वत लेते रंगेहाथों पकड़ा

दिव्यांग शिक्षक से पोस्टिंग के लिए मांगे 30 हजार, आरोपी बोला था- चढ़ावे से काम हो जाएगा

कोंडागांव, 29 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में जगदलपुर एसीबी ने लेखापाल अरुण सेठिया को रिश्वत लेते रंगेहाथों गिरफ्तार किया है। लेखापाल दिव्यांग टीचर से अच्छी जगह पोस्टिंग दिलाने के नाम पर 30 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। एंटी करप्शन ब्यूरो ने टीम बनाकर पकड़ा है। दिव्यांग शिक्षक दिलीप कुमार ने बताया कि समग्र शिक्षा के प्रभारी लेखापाल अरुण सेठिया रिश्वत के लिए बार-बार परेशान कर रहा था। ऐसे में वह मानसिक रूप से परेशान हो गया था। लेखापाल से प्रताड़ित होकर उसने जगदलपुर एसीबी में शिकायत की।

दरअसल, 2024 अक्टूबर में स्पेशल एजुकेट का फॉर्म निकला था। इसमें दिव्यांग दिलीप कुमार ने भी आवेदन किया था। दिसंबर में इंटरव्यू हुआ। इसके बाद दिव्यांग दिलीप कुमार का टीचर पद पर चयन हो गया, लेकिन पोस्टिंग को लेकर बात फंस गई। दिव्यांग दिलीप कुमार ने बताया कि उसे पोस्टिंग के लिए बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे थे। पोस्टिंग के लिए लेखापाल अरुण सेठिया ने कहा कि चढ़ावा दे दो तो काम हो जाएगा, लेकिन उसके पास डिमांड के मुताबिक रुपए नहीं थे। दिव्यांग दिलीप कुमार ने बताया कि शिक्षा विभाग का समग्र शिक्षा दिव्यांगों के लिए काम करता है। मैं भी दिव्यांग हूं, पैसे मांगे जाने पर मुझे चिंताजनक बात लगी। पैसों को बात नहीं बनी। पोस्टिंग के लिए करप्शन के खिलाफ आवाज उठाने का मन बनाया। जगदलपुर एसीबी में शिकायत दर्ज कराई। एंटी करप्शन ब्यूरो के अधिकारी ने बताया कि पीड़ित ने रिश्वत मांगे जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। इस संबंध में विशेष दल गठित की गई। पीड़ित को आरोपी लेखापाल के पास पैसे लेकर भेजा गया। पीड़ित जैसे ही आरोपी को पैसे दिया। लेखापाल को 20 हजार रुपए के साथ रंगेहाथों पकड़ लिया गया। एसीबी अधिकारी ने बताया कि आरोपी के पास से पैसे जब्त कर लिए गए हैं। साथ ही समग्र शिक्षा के प्रभारी लेखापाल अरुण सेठिया को गिरफ्तार कर लिया गया है। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है।

झारखंड सेंट्रल यूनिवर्सिटी के खाने में मिला मरा हुआ चूहा

रांची, 29 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड सेंट्रल यूनिवर्सिटी में खाने में मरा हुआ चूहा मिलने के बाद छात्रों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध इतना बढ़ गया कि स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी को जांच के लिए भेजा गया। जांच में मेस में इस्तेमाल होने वाली कई चीजें एक्सपायर हो चुकी थीं। छात्रों ने वाइस चांसलर से कई बार बातचीत की और अब एक छात्र कमेटी मेस के खाने पर नज़र रखेगी। एक छात्रा के साथ सिक्योरिटी गार्ड की मारपीट का मामला भी सामने आया है।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ झारखंड (सीयूजे) में सोमवार रात को खाने में मरा हुआ चूहा मिलने से छात्रों में आक्रोश फैल गया। इसके बाद छात्रों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। ले के रहेंगे आज़ादी, भगत सिंह वाली आज़ादी, अम्बेडकर वाली आज़ादी, ले के रहंगे आज़ादी, लड़ के लेंगे आज़ादी, खराब खाने से आज़ादी, चूहे वाले खाने से आजादी॥ जैसे नारे लगाए गए। इस घटना के बाद कई छात्रों की तबीयत भी बिगड़ गई। छात्रों के विरोध को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने तुरंत कार्रवाई की।

बांग्लादेश में यूनुस सरकार के खिलाफ रोष

इस्तीफे की मांग पर अवामी लीग की बड़े आंदोलन की तैयारी

ढाका, 29 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में अलपसंख्यक हिंदू समुदाय पर अत्याचार लगातार बढ़ते जा रहे है। इसी बीच बांग्लादेश की अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर अत्याचार करने के लिए मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के इस्तीफे की मांग करते हुए बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शनों करने की घोषणा की है।

देखा जाए तो ये प्रदर्शन आवामी लीग पहला बड़ा प्रदर्शन होगा। हालांकि पार्टी के अधिकतर नेता पिछले साल 5 अगस्त को छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध आंदोलन के बाद से या तो गिरफ्तार हो चुके हैं या अंडरग्राऊंड हैं। बता दें कि अवामी लीग ने अपने फेसबुक पेज पर एक बयान जारी किया है जिसमें बताया गया है कि वह 1 फरवरी से सड़कों पर उतरकर हड़ताल और नाकाबंदी कार्यक्रमों के माध्यम से अंतरिम सरकार के इस्तीफे के लिए दबाव बनाएगी।

पार्टी द्वारा जारी बयान में बताया गया है कि पार्टी शनिवार से बुधवार तक पर्चे बांटेगी और अपनी मांगों के लिए अभियान चलाएगी। 6 फरवरी को देशभर में विरोध मार्च और रैलियां आयोजित की जाएंगी और 10 फरवरी को प्रदर्शन और रैलियां होंगी। इसके बाद 16 फरवरी को देशभर में नाकेबंदी की जाएगी और 18 फरवरी को पूरे दिन की सख्त हड़ताल होगी। साथ ही पार्टी ने हसीना और अन्य नेताओं के खिलाफ हत्या और अन्य आरोपों को वापस लेने की भी मांग की है, जिन्हें हास्यास्पद मुकदमे करार दिया गया है।

गौरतलब है कि पार्टी ने पहले 10 नवंबर को विरोध शुरू करने की योजना बनाई थी, लेकिन इसे लागू नहीं कर सकी। अवामी लीग 5 अगस्त के बाद से काफी हद तक निष्क्रिय रही है, जब शेख हसीना विद्रोह के बाद भारत भाग गईं थीं। इन दिनों बांग्लादेश में उच्च पेंशन और अन्य लाभ दिए जाने की मांग को लेकर रेलवे कर्मचारी हड़ताल पर हैं। इसके चलते ट्रेनों का संचालन बंद हो गया। यात्री और मालगाड़ियों को रद्द कर दिया। हड़ताल के चलते हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यात्री स्टेशनों पर बसों का इंतजार करते नजर आए। इसके साथ ही माल परिवहन भी प्रभावित हुआ।

सैदुर रहमान ने जताई नाराजगी

साथ ही मामले में बांग्लादेश रेलवे रनिंग स्टाफ और कर्मचारी यूनियन के कार्यवाहक अध्यक्ष सैदुर रहमान ने कहा था कि मांगो को लेकर सोमवार देर रात को मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के साथ बैठक हुई थी, लेकिन मांगों पर सहमति नहीं बन सकी।

रहमान ने कहा कि जब तक सरकार हमारी मांगों को मान नहीं लेती है, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

ब्रिटेन को पसंद आया भारत का एआई मॉडल

स्पीकर हॉयल बोले- इससे यूके की संसदीय प्रक्रिया बेहतर हो सकती

लंदन, 29 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष सर लिंडसे हॉयल ने अपनी संसदीय प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए भारत के एआई मॉडल को अपनाने पर जोर दिया। लंदन के गिल्ड हॉल में प्रवासी समुदाय के एक सम्मेलन में स्पीकर लिंडसे हॉयल ने कहा कि भारत की ओर से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) को लेकर की गई प्रगति का ब्रिटेन की संसदीय प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने में इस्तेमाल किया जा सकता है। लंदन में भारतीय उच्चायोग के वार्षिक गणतंत्र दिवस समारोह में हाल ही में भारत के लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की यात्रा का जिक्र करते हुए लिंडसे हॉयल ने कहा कि उनकी यात्रा के दौरान हमें कई चौंकाने वाली जानकारियां मिलीं। हमें पता चला कि भारत ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के इस्तेमाल में आगे है।

अमेरिका ने पाकिस्तान की मदद रोकी

कई ऊर्जा योजनाएं ठप, हेल्थ-एजुकेशन प्रोग्राम बंद होने का खतरा

वॉशिंगटन, 29 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एग्जीक्यूटिव ऑर्डर के बाद पाकिस्तान को दी जाने वाली अमेरिकी मदद पर अस्थाई रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही पाकिस्तान को दी जा रही सहायता के पुनर्मूल्यांकन का भी आदेश है। जियो न्यूज के मुताबिक इस फैसले की वजह से पाकिस्तान में यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट एजेंसी (यूएसएआईडी) की कई जरूरी योजनाएं पूरी तरह रुक गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस फैसले से पाकिस्तान में एनर्जी सेक्टर से जुड़ी 5 योजनाएं ठप हो गई हैं। इसके अलावा हेल्थ, एग्रीकल्चर, फूड सिक्योरिटी, बाढ़, जलवायु और शिक्षा से जुड़ी कई परियोजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। आशंका है कि इनमें से कुछ प्रोग्राम हमेशा के लिए बंद कर दिए जाएंगे या उनमें काफी कमी कर दी जाएगी।

इससे पहले ट्रम्प प्रशासन ने शुक्रवार से इजराइल, मिस्र और फूड प्रोग्राम को छोड़कर विदेशी देशों को मिलने वाली सभी मदद पर रोक लगा दी है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के इस आदेश में गरीब देशों को मिलने वाली स्वास्थ मदद पर भी रोक लगा दी गई। अमेरिकी की यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट एजेंसी पूरी दुनिया में डेवलपमेंट कार्यों के लिए मदद देती है। इस मकसद लोकतंत्र को बढ़ावा देना और गरीबी कम करना है।

2023 में यूएसएआईडी ने 158 देशों को लगभग 3.89 लाख करोड़ रुपए (45 अरब डॉलर) की विदेशी सहायता दी थी।

हालांकि ट्रम्प के एग्जीक्यूटिव ऑर्डर के बाद विदेश नीति की समीक्षा करने तक 90 दिनों के लिए विदेश में दी जाने वाली सभी प्रकार की सहायता पर रोक लगा दी गई है। अमेरिका सरकार के इस आदेश के बाद दुनियाभर में स्वास्थ्य, शिक्षा, विकास, रोजगार जुड़े कई प्रोजेक्ट्स के बंद होने का खतरा बढ़ गया है। दरअसल, अमेरिका इन सभी विदेशी प्रोजेक्ट्स के लिए सबसे ज्यादा फंड्स मुहैया कराता है।

ट्रम्प की प्रेस ब्रीफिंग में आएंगे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स

व्हाइट हाउस कंटेट क्रिएटर्स को सीट देगा व्हाइट हाउस बना रहा न्यू मीडिया सीट

वॉशिंगटन, 29 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति की प्रेस ब्रीफिंग में अब सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, कंटेंट क्रिएटर्स और पॉडकास्टर्स भी शामिल होंगे। इन्हें प्रेस ब्रीफिंग रूम में जगह भी दी जाएगी। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लीविट ने इसकी जानकारी दी है। फैसले का मकसद का व्हाइट आउस में न्यू मीडिया आउटलेट्स को प्रेस ब्रीफिंग में जगह देना है।

लीविट ने मंगलवार को अपनी पहली प्रेस ब्रीफिंग में कहा लाखों अमेरिकी, खासकर युवा, पारंपरिक टेलीविजन और समाचार पत्रों से हटकर पॉडकास्ट, ब्लॉग, सोशल मीडिया और अन्य स्वतंत्र प्लेटफार्मों के जरिए समाचार प्राप्त कर रहे हैं।

व्हाइट हाउस ने स्वतंत्र पत्रकारों, पॉडकास्टर्स, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और कंटेंट क्रिएटर्स को रजिस्ट्रेशन के लिए कहा है। इसके लिए white-house.gov/newmedia वेबसाइट भी तैयार की गई है। यहां से प्रेस ब्रीफिंग के लिए क्रेडेंशियल के लिए आवेदन किया जा सकता है। रजिस्ट्रेशन करने वाले लोगों की जांच लीविट की टीम करेगी। चुने गए लोगों की सीक्रेट सर्विस सुरक्षा जांच करेगी। इसके बाद उन्हें प्रेस क्रेडेंशियल दिए जाएंगे। प्रेस ब्रीफिंग रूम में प्रेस सेक्रेटरी के स्टॉफ वाली सीट को अब न्यू मीडिया सीट के तौर पर जाना जाएगा। प्रेस सेक्रेटरी लीविट ने बताया कि ट्रम्प प्रशासन 440 पत्रकारों के प्रेस पास बहाल करने की योजना बना रहा है।

अमेरिका का एफ 35 लड़ाकू विमान अलास्का में क्रैश

लैंडिंग के दौरान हादसा, पायलट ने पैराशूट की मदद से जान बचाई

अलास्का, 29 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका का एक एडवांस लड़ाकू विमान एफ35 मंगलवार को अलास्का में क्रैश हो गया है। विमान के पायलट ने पैराशूट की मदद से जान बचाई। हादसा अलास्का के एयेल्सन एयर फोर्स बेस पर प्रशिक्षण दौरान हुआ। हादसा भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह 3 बजकर 19 मिनट (स्थानीय समयानुसार मंगलवार दोपहर 12 बजकर 49 मिनट) हुआ।

एयरफोर्स की 354वीं फाइटर विंग के कमांडर कर्नल पॉल टाउनसेंड ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पायलट को उड़ान के दौरान विमान में गड़बड़ी का सामना करना पड़ा था। इसकी वजह से लैंडिंग के दौरान विमान हादसा हुआ। हादसे के बाद पायलट सुरक्षित है। ये एक सिंगट सीटर लड़ाकू विमान था, जिसमें सिर्फ एक पायलट सवार था।

एफ-35 लड़ाकू विमान 5वीं पीढ़ी का विमान है। इसका निर्माण लॉकहेड मार्टिन ने किया है। इस प्लेन को 2006 से बनाना शुरू किया गया था। 2015 से यह अमेरिकी वायुसेना का एक अहम हिस्सा है। फरवरी 2024 में बेंगलुरु में एयरो इंडिया शो हुआ था। इसमें दुनियाभर के विदेशी विमान शामिल हुए, लेकिन इनमें सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं थीं अमेरिका में बने एफ-35 फाइटर जेट ने। दरअसल, पहली बार अमेरिकी एफ-35 फाइटर भारत आए थे। एक्सपर्ट्स का मानना है कि भारत को रिझाने के लिए अमेरिका की ये एक कोशिश थी।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक- 27 साल के इतिहास में भारत के एयरो इंडिया शो के लिए अमेरिका ने अपने सबसे ज्यादा डेलिगेट्स भेजे थे। जिससे पता चलता है कि अमेरिका के लिए भारत कितना अहम होता जा रहा है। रूसी एक्सपोर्टर रोसोबोरोना एक्सपोर्ट एयरो शो में सेंटर स्टेज पर रहता था। इस बार ये कम था। रिपोर्ट के मुताबिक- अमेरिका हथियारों की खरीद के मामले में भारत की रूस पर निर्भरता को खत्म करना चाहता है। इसी के चलते वो भारत को एफ-35 फाइटर जेट से रिझाने की कोशिश कर रहा है।

यूएस आसानी से किसी देश को एफ-35 जेट नहीं देता है। वहीं जब अमेरिकी दूतावास में रियर एडमिरल माइकल एल बेकर से पूछा गया कि क्या वो ये फाइटर जेट भारत को ऑफर करेंगे? तो इस पर उन्होंने कहा कि भारत इन्हें खरीदने के विचार के शुरूआती स्टेज पर है।

अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के इतिहास में सबसे महंगा विमान एफ-35 ही है। यह लड़ाकू विमान अब तक के सारे विमानों से आधुनिक और महंगा भी है। इसे बनाने का बजट अरबों रुपए था।

2013 में सरकार के अकाउंटेबिलिटी डिपार्टमेंट ने इसे जोखिमभरा फैसला बताया था। पेंटागन को इस बात का अहसास भी है कि इस विमान को वह ज्यादा देशों को नहीं दे सका। शुरुआत से लेकर अब तक इस विमान पर 60 हजार अरब रुपए खर्च किए जा चुके हैं। अगर अमेरिकी वायुसेना इन विमानों का उपयोग करती है, तो इससे पेंटागन का ही खर्च बढ़ेगा। इसका रखरखाव भी मुश्किल है।

इसके बावजूद 2015 के बजट में तब के राष्ट्रपति बराक ओबामा ने इसमें सुधार करने के लिए 80 हजार करोड़ रुपए अमेरिकी संसद से पारित करने की गुजारिश की थी।

पूर्व श्रीलंकाई राष्ट्रपति राजपक्षे के बेटे हेराफेरी मामले में दोषी करार

कोलंबो, 29 जनवरी (एजेंसियां)। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बड़े बेटे को 2015 से पहले भारतीय निवेश से जुड़े हेराफेरीके मामले में हाईकोर्ट ने दोषी ठहराया। 38 वर्षीय नमल राजपक्षे को 2016 में गिरफ्तार किया गया था। उनपर रग्बी के खेल को विकसित करने के लिए कृष होटल परियोजना के पैसे से 70 मिलियन श्रीलंकाई रुपये का दुरुपयोग करने का आरोप लगा है।

कोलंबो के मध्य में स्थि कृष होटल परियोजना को रद्द कर दिया गया और अधूरा निर्माण कार्य अभी भी वैस ही पड़ा हुआ है। राहगीरों के लिए खतरे को देखते हुए एक अन्य अदालत में इसकी असुरक्षित स्थिति को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

अनुरा कुमार दिसानायके के राष्ट्रपति पद संभालने के बाद इस मामले को एक बार फिर उठाया गया, जिसके बाद पुलिस ने एकबार फिर नमल राजपक्षे से पूछताछ की।

इसके एक हफ्ते बाद उनके छोटे भाई योशिथा को इसी तरह के संदिग्ध संपत्ति मामले को लेकर गिरफ्तार किया गया था, लेकिन सोमवार को उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। नमल राजपक्षे को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के बारे में मालूम चला।

इस पोस्ट में कहा गया, यह स्पष्ट है कि वर्तमान सरकार ने राजपक्षे परिवार के खिलाफ राजनीतिक साजिश शुरू कर दी है।

महिंदा राजपक्षे को हाल ही में सरकार के गुस्से का सामना करना पड़ा था, क्योंकि वे सरकारी वास खाली करने में विफल रहे थे।

सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति पर करदाताओं के खर्च पर लाभ उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा में भारी कटौती करने की सरकार की कार्रवाई को पलटने के लिए पहले ही सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दी है। विपक्ष का कहना है कि पूर्व राष्ट्रपति संवैधानिक तौर पर सेवानिवृत्ति लाभ के हकदार हैं।

सर्बिया में प्रधानमंत्री का इस्तीफा

नवंबर में रेलवे स्टेशन का छज्जा गिरने से 15 लोग मरे थे, नाराज छात्र देशभर में प्रदर्शन कर रहे थे

बेलग्रेड, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सर्बिया के प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक ने मंगलवार को पद से इस्तीफा दे दिया। उन्हें हटाने के लिए नवंबर से ही देश में विरोध प्रदर्शन जारी था। दरअसल सर्बिया के दूसरे सबसे बड़े शहर नोवी सैड में 1 नवंबर को रेलवे स्टेशन की छत का एक हिस्सा गिर गया था। इसमें पंद्रह लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद देश में सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। सड़कों पर हजारों लोग उतर आए और इस घटना की जवाबदेही की मांग करने लगे। लोगों का आरोप था कि निर्माण परियोजनाओं में भ्रष्टाचार की वजह से छज्जा गिरने की घटना हुई। नोवी सैड की घटना में 13 लोगों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। इसमें पूर्व परिवहन मंत्री गोरन वेसिक का नाम भी था। हालांकि घटना के कुछ ही दिन बाद उन्होंने भई पद से इस्तीफा दे दिया था। लेकिन प्रदर्शनकारियों का गुस्सा शांत नहीं हुआ। इस विरोध प्रदर्शन में बड़े पैमाने पर छात्र शामिल थे। वे देशभर में हर दिन दोपहर 11 बजकर 52 मिनट पर गाड़ियों का आना-जाना 15 मिनट के लिए रोक देते थे। ये वही वक्त था जब रेलवे स्टेशन पर छज्जा गिरने का हादसा हुआ था। इसके अलावा देश में यूनिवर्सिटी में भी पढ़ाई ठप हो गई थी। देश में 24 जनवरी को विरोध प्रदर्शन और तेज हो गया था। लोगों ने काम पर जाना बंद कर दिया। सोमवार को तनाव तब बढ़ गया जब सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में सबसे व्यस्त सड़क सड़क पर 24 घंटे की नाकाबंदी के दौरान विपक्ष और सत्ताधारी पार्टी के समर्थकों के बीच झड़प में एक लड़की घायल हो गई।

प्रधानमंत्री वुसेविक ने कहा कि वे नहीं चाहते कि देश में तनाव और ज्यादा बढ़े इसलिए वे हालात को शांत करने के लिए अपना पद छोड़ रहे हैं। वुसेविक मई 2024 से प्रधानमंत्री के पद पर थे। इससे पहले वे उपप्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के पद पर रह चुके हैं।

वुसेविक 2012 से 2020 तक नोवी सैड के मेयर थे। इसी दौरान रेलवे स्टेशन पर भवन से जुड़ा काम हुआ था। यही वजह है कि वुसेविक पर पद छोड़ने का भारी दबाव था। मिलोस वुसेविक ने आगे कहा कि नोवी सैड के मेयर मिलन ज्यूरिक भी मंगलवार को पद छोड़ देंगे। हालांकि सर्बिया में असली ताकत राष्ट्रपति के पास होती है। फिलहाल सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक हैं। वुसिक ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री का इस्तीफा प्रदर्शनकारियों के गुस्से को कम करेगा और वे बातचीत के रास्ते पर लौटेंगे। प्रधानमंत्री वुसेविक के इस्तीफे से देश में संसदीय चुनाव समय से पहले होने की संभावना है। सर्बिया के कानून के मुताबिक प्रधानमंत्री के इस्तीफे के बाद इसे सर्बिया की संसद से मंजूरी मिलनी चाहिए। मंजूरी के बाद 30 दिन के भीतर प्रधानमंत्री का चुनाव हो जाना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता तो आम चुनाव हो सकता है।

इस्लाम के गढ़ सऊदी अरब और इजरायल में होगी दोस्ती?

अमेरिका में इजरायल के नए राजदूत ने दिया बड़ा बयान

तेलअवीव, 29 जनवरी (एजेंसियां)। इजरायल को अब तक मान्यता नहीं देने वाले मुस्लिम देशों के अगुवा सऊदी अरब और यहूदी देश के बीच दोस्ती हो सकती है। यह दावा किया है अमेरिका में इजरायल के नए राजदूत येचिएल लेइटर ने। येचिएल ने खुलासा किया है कि इजरायल सऊदी अरब के साथ रिश्ते सामान्य करने के लिए 'इतना करीब है जितना पहले कभी नहीं था।' उन्होंने कहा कि अगर सऊदी अरब और इजरायल के बीच में दोस्ती होती है तो यह पूरे इलाके और बाकी दुनिया के लिए गेमचेंजर साबित हो सकता है। इजरायली राजदूत ने कहा कि सऊदी अरब के साथ रिश्ते सामान्य करना गाजा में हमास, हिज्बुल्ला और ईरान के अन्य प्रॉक्सी संगठनों के पतन के बाद मिडिल ईस्ट में रणनीतिक बदलाव का हिस्सा है। इजरायल के राजदूत ने कहा, 'हम सऊदी अरब के करीब पहुंच गए हैं क्योंकि हमने हमास को तबाह कर दिया है। सीरिया में बशर अल असद की सरकार के पतन और ईरान के प्रभाव के कमजोर होने की वजह से यह अवसर हमारे पास आया है।' येचिएल ने इस संभावित समझौते को इजरायल की हाल की सैन्य सफलता से जोड़ा। उन्होंने कहा, 'इजरायल के अलावा दुनिया में कुछ ही देश हैं जो सऊदी अरब से ज्यादा हमास का पतन देखना चाहते हैं।'

उन्होंने कहा कि जब जब मुस्लिम ब्रदरहूड कमजोर होगा, आधुनिकता बढ़ेगी। हमने इसे मिस्र, सूडान और तुर्की में देखा। सऊदी अरब खुद ही मानता है कि इन तत्वों की खुद उसके आधुनिकीकरण के लिए जरूरी है। येचिएल ने कहा कि यह डील काफी महत्पूर्ण है और इलाके में इजरायल अलग थलग के दौर से आगे निकल चुका है। उन्होंने कहा, '30 साल पहले इस तरह के एक समझौते पर चर्चा करने के बारे में भी कोई सोच नहीं पाता था।

रूस का आरोप- यूक्रेन ने न्यूक्लियर प्लांट को निशाना बनाया

कहा- यूक्रेनी ड्रोन अटैक को नाकाम किया यूक्रेन बोला- रूसी हमले में 4 लोग घायल

मॉस्को, 29 जनवरी (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन ने मंगलवार को एक दूसरे पर ड्रोन अटैक का आरोप लगाया। रूसी शहर स्मोलेंस्क के गवर्नर वसीली अनोखिन का आरोप है कि यूक्रेनी ड्रोन ने शहर में एक न्यूक्लियर प्लांट को निशाना बनाने की कोशिश की। वहीं, यूक्रेन के ओडेसा राज्य के गवर्नर का आरोप है कि रूसी सेना ने रात में ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया, जिसमें 4 लोग घायल हो गए।

रूसी न्यूज एजेंसी आरटी के मुताबिक यूक्रेनी ड्रोन ने शहर में कई पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया है। हालांकि, अभी तक इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। लोगों से खुली जगहों पर जाने से बचने की अपील की गई है।

अनोखिन यह नहीं बताया कि हमला किस प्लांट पर किया गया। कुछ रिपोर्ट में बताया गया कि ड्रोन का मलबा स्मोलेंस्काया न्यूक्लियर एनर्जी प्लांट के पास गिरा था। लोकल अधिकारियों के मुताबिक, रूस के ब्रायंस्क, त्वेर और निजनी नोवगोरोड इलाके में भी रात भर हमले किए गए।

रूसी विदेश मंत्रालय की तरफ से मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि यूक्रेन बार बार रूस के खिलाफ एनर्जी और न्यूक्लियर टेरेरिज्म में शामिल रहा है। मंत्रालय के मुताबिक पिछले एक साल में यूक्रेन के ड्रोन्स ने 3500 से ज्यादा बार एनर्जी प्लांट को निशाना बनाया है। इसमें कुर्स्क न्यूक्लियर एनर्जी प्लांट, जापोरोजे न्यूक्लियर एनर्जी प्लांट और एनर्जोडार में आस-पास के इन्फ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं।

मंत्रालय ने कहा कि बिजली सबस्टेशनों और एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर रोजाना के हमलों की वजह से हजारों लोगों को बिना बिजली के रहना पड़ रहा है। इसके अलावा घरों, अस्पतालों, डिलीवरी वाड्र्स और शैक्षणिक संस्थानों को भी निशाना बनाया गया है। रूस यूक्रेन जंग को करीब 3 साल गुजर चुके हैं।

ट्रम्प ने गाजा में कंडोम बांटने का फंड रोका

मस्क का डिपार्टमेंट कर रहा जांच, बाइडेन सरकार ने दी थी 432 करोड़ की रकम

वॉशिंगटन, 29 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में बाइडेन प्रशासन ने गाजा में 50 मिलियन डॉलर (432 करोड़ रुपए) के एक फंड की मंजूरी दी थी। ट्रम्प सरकार ने इस पर अब रोक लगा दी है। व्हाइट हाउस का आरोप है कि यह फंड गाजा में कंडोम बांटने के लिए मंजूर किया गया था।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले सप्ताह अमेरिका से दी जाने वाली सभी विदेशी सहायता पर रोक लगा दी थी। उनके इस फैसले की आलोचना हो रही है। इसके बाद व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मंगलवार को पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस किया और सरकार के फैसले को सही ठहराया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में लेविट ने गाजा में कंडोम के लिए दिए जाने वाले फंड का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह इलॉन मस्क के डिपार्टमेंट ऑफ गवर्मेंट एफिशियंसी (डीओजीई) और ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट (ओएमबी) गाजा से जुड़े फंडिंग की जांच कर रहे थे। तब यह पता चला कि सिर्फ कंडोम बांटने के लिए इतना बड़ी रकम की मंजूरी दी गई थी। बाइडेन प्रशासन में फिलिस्तीन मामलों के सहायक सचिव एंड्रयू मिलर ने कहा कि यह दावा बिल्कुल गलत है। लगता है कि उन्होंने कोई बुरा सपना देख लिया है। मिलर ने टाइम्स ऑफ इजराइल से कहा कि स्त्री रोग, यौन स्वास्थ्य या फिर बाकी चीजों के लिए इतनी राशि मंजूर की गई होगी। सिर्फ कंडोम बांटने के लिए इतना पैसा कोई भी सरकार नहीं देगी। व्हाइट हाउस के इस बयान के बाद इलॉन मस्क ने हमास के इस कारनामे की एक रिपोर्ट शेयर कर तंज कसते हुए कहा- कोई मुझे बताए कि सभी कंडोम मैगनम ही क्यों ऑर्डर किए गए? मैगनम एक्सट्रा लार्ज साइज कंडोम बेचने वाली कंपनी है। यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक हमास, गाजा में कंडोम का इस्तेमाल हथियारों के तौर पर कर रहा है। हमास ने साल 2017 में कंडोम में खतरनाक गैस भरकर इजराइल के दक्षिणी इलाके में छोड़ना शुरू किया था। इसके अलावा वे कई कंडोम के गुब्बारे बनाकर उसमें विस्फोटक लॉन्च कर रहे थे। विस्फोटकों से जुड़े कंडोम और गुब्बारे स्कूल के मैदानों, खेतों और राजमार्गों पर गिरे थे, जिससे लोगों को चोटें आईं।

झमाडा में आश्रितों का आत्मदाह की चेतावनी

1072 दिनों से अनुकंपा नियुक्ति की मांग, 50 से अधिक लोग पेट्रोल लेकर पहुंचे

धनबाद, 29 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद में झारखंड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार (झमाडा) के मृत कर्मचारियों के आश्रितों का आंदोलन चरम पर पहुंच गया है। बुधवार को 50 से अधिक आश्रित पेट्रोल लेकर आत्मदाह की धमकी देते हुए धरना स्थल पर पहुंचे। पिछले 1072 दिनों से अनुकंपा नियुक्ति की मांग कर रहे आश्रितों ने प्रबंधन पर वादा खिलाफी का आरोप लगाया है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए झमाडा कार्यालय में मजिस्ट्रेट और पुलिस

बल तैनात कर दिया है। सुरक्षा के मद्देनजर 108 एंबुलेंस और दमकल वाहन भी मौके पर तैनात किए गए हैं। मजिस्ट्रेट नारायण राम आंदोलनकारियों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं।

आंदोलनकारी मोहम्मद अजहर अंसारी के अनुसार, 10 दिन पहले ही आत्मदाह की चेतावनी दी गई थी। 15 अक्टूबर को भी आत्मदाह की धमकी के बाद प्रबंधन ने 10 दिनों में नगर विकास विभाग को पत्र भेजने का आश्वासन दिया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

झमाडा पिछले 14 वर्षों से अनुकंपा बहाली नहीं कर रहा है। चार दर्जन से अधिक आश्रित 22 फरवरी 2022 से लगातार धरने पर बैठे हैं। झमाडा के प्रभारी रविराज शर्मा ने बताया कि आश्रितों की मांगों को सरकार के समक्ष रखा गया है और निर्देश की प्रतीक्षा की जा रही है। उन्होंने आंदोलनकारियों से 4 दिन का समय मांगा है।

सरकार ने शुरू की बजट की तैयारी

उधर, राजस्व जुटाने में पिछड़े पर उधार लेने और सब्सिडी में आगे

जयपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में 19 फरवरी को पेश होने वाले अगले वित्तीय वर्ष के बजट की तैयारी तेज हो गई है, लेकिन मौजूदा वित्तीय वर्ष में राजस्व जुटाने की रफ्तार कमजोर है। चुनावी साल होने के बावजूद पिछले वित्तीय वर्ष के पहले 9 माह में राजस्व लक्ष्यों तक पहुंचने की गति मौजूदा वित्तीय वर्ष के मुकाबले तेज रही। अगले माह पेश होने वाले बजट में जनभागीदारी बढ़ाने व राजस्व अधिक जमा कर विकास की रफ्तार बढ़ाने के लिए सरकार संभाग स्तर से राजधानी तक सक्रिय है।

इसके विपरीत बजट लक्ष्यों की प्राप्ति की स्थिति का अध्ययन करने पर सामने आया कि मौजूदा वर्ष में दिसम्बर तक प्रदेश पिछले वित्तीय वर्ष के 9 माह की तुलना में कमजोर रहा। हालांकि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के बजट लक्ष्य प्राप्त करने में मौजूदा वित्तीय वर्ष में आगे रहे। आंकड़ों के अनुसार करों से राजस्व प्राप्ति की रफ्तार पिछले वित्तीय वर्ष में मौजूदा वित्तीय वर्ष के मुकाबले तेज रही।

पिछले वित्तीय वर्ष के पहले 9 माह में बजट लक्ष्यों का करीब 65 प्रतिशत कर राजस्व जमा हुआ, जबकि मौजूदा वित्तीय में बजट लक्ष्यों का करीब 63 प्रतिशत कर राजस्व जमा हुआ। कर और खनन सहित अन्य स्रोतों से प्राप्त कुल आय की स्थिति को देखा जाए तो पिछले वित्तीय वर्ष में दिसम्बर तक बजट लक्ष्यों का 58.68 प्रतिशत राजस्व जमा हुआ।

वहीं मौजूदा वित्तीय वर्ष में दिसम्बर तक लक्ष्यों का 58.23 प्रतिशत राजस्व जमा हुआ। उधर, मौजूदा वित्तीय वर्ष में पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में उधार अधिक लिया गया और सब्सिड़ी पर खर्चा भी चुनावी साल के मुकाबले अधिक हुआ।

नौ जिलों को खत्म करना भजनलाल सरकार के लिए बना सिरदर्द

धीरे-धीरे भड़क रही आंदोलन की आग

जयपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार ने 28 दिसंबर 2024 को कैबिनेट की बैठक में एक चौंकाने वाला फैसला लेते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कार्यकाल में मार्च 2023 में बनाए गए तीन संभाग और नौ जिलों को एक झटके में निरस्त कर दिया। सरकार का तर्क है कि विकास के समूचे दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। लेकिन इस फैसले के बाद राज्य में राजनीतिक और सामाजिक हलचल तेज हो गई है।

बता दें कि नौ जिले अनूपगढ़, दूदू, गंगापुर सिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण, केकड़ी, नीम का थाना, सांचौर और शाहपुरा को निरस्त करने के फैसले ने सरकार के खिलाफ विरोध के स्वर को और तीव्र कर दिया है। वहीं, पूर्ववर्ती सरकार में बनाए गए बालोतरा, ब्यावर, डीग, डीडवाना, कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा, फलौदी और सलूंबर जिले के अस्तित्व को वर्तमान सरकार ने बनाए रखा है।

वहीं, सरकार का यह बड़ा फैसला सबसे बड़ी चुनौती भी बन सकता है। राजस्थान में विपक्ष बहुत आक्रामक है। संभाग और जिलों को खत्म करने का कई जगह भारी विरोध हो रहा है। ये परीक्षा की तरह है, राज्य सरकार के पास यू-टर्न लेने का मौका नहीं है।

विधायक रविंद्र भाटी को हाईकोर्ट से राहत

सीआईडी-सीबी की अग्रिम कार्रवाई पर लगी रोक

जोधपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। जोधपुर राजस्थान हाईकोर्ट जस्टिस फरजंद अली की बेंच ने शिव बाड़मेर के विधायक रविंद्र सिंह भाटी के खिलाफ दर्ज एफआईआर में सीआईडी-सीबी की अग्रिम कार्रवाई पर रोक लगाते हुए राहत दी है। अधिवक्ता नमन मोहनोत ने याचिका पेश कर बताया कि शिव विधानसभा सहित बाड़मेर सोलर कम्पनियों को जमीन देकर प्लांट लगवाए जा रहे हैं। ऐसे में किसान अपनी जमीन का उचित मुआवजा मांग रहे थे।

बता दें कि इसको लेकर सोलर संघ की ओर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को शिकायत दर्ज करवाई गई थी कि विधायक भाटी उनके काम में बांधा बन रहे हैं। वे इस मामले में किसानों के साथ मिलकर एक्सट्रॉर्सन कर रहे हैं। शिकायत को ही सीधे शिव थाने में मुकदमे के रूप में दर्ज किया गया, जिसके खिलाफ विधायक भाटी को अंदेशा था कि पुलिस उनको गिरफ्तार कर सकती है।

पुलिस ने मामला दर्ज किया। लेकिन विधायक से जुड़ा होने की वजह से जॉच सीआईडी सीबी को सौंपी गई थी। ऐसे में कोर्ट ने इस मामले को सुनवाई के लिए रखते हुए सीआईडी सीबी को इस मामले में अगले आदेश तक कार्रवाई करने पर रोक लगा दी है।

ग्रामीण इलाकों में पहुंचे पैंथर का 24 घंटे बाद हुआ रेस्क्यू, पिंजरे में हुआ कैद

जालौर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। जालौर जिले के सांचौर क्षेत्र में गुजरात सीमा से पहुंचे पैंथर को लेकर लोगों में दहशत का माहौल जारी था, लेकिन 24 घंटे बाद वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन के तहत सफलतापूर्वक पैंथर को रेस्क्यू किया गया। बता दें कि पिछले दो दिनों से सांचौर क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में पैंथर के पहुंचने से लोगों में दहशत का माहौल था।

वन विभाग जोधपुर की टीम को पैंथर के आने की सूचना के बाद जोधपुर से पहुंची रेस्क्यू ऑपरेशन टीम ने करीब 24 घंटे तक ऑपरेशन चलाया, लेकिन कल देर शाम तक टीम को सफलता हाथ नहीं लगी। अंधेरे के वजह से ऑपरेशन को रोकना पड़ा। लेकिन दूसरे दिन सुबह से ही पैंथर के पगमार्क के आधार पर खोजबीन जारी रखी और पिंजरा लगाया गया जिसमें कई घंटे तक पैंथर को पकड़ने में सफलता नहीं मिली। इसके बाद एक खेत में पैंथर सेई के बिल में पहुंच गया, वहां बकरी के बच्चे की रोने की आवाज को सुनकर दूसरी ओर भागने लगा तो मौके मौजूद रेस्क्यू टीम ने ट्रेंकुलाइज कर सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया।

रानीवाड़ा रेंजर मनोहर खा ने बताया कि अरणाय के गुड़ावाडी में पैंथर के पगमार्क मिले, इसके बाद रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रखा। पग मार्ग के आधार पर खेत के पास सेई के बिल में पैंथर के घुसने के बाद पिंजरा लगाया गया और उसके अंदर बकरी के बच्चे को रखा, लेकिन पैंथर को रेस्क्यू करने के लिए टीम ने निगरानी रखी, लेकिन कोई हलचल नहीं हुई।

काफी देर बाद पैंथर बिल की दूसरी ओर भागने लगा तो रेस्क्यू टीम ने ट्रेंकुलाइज किया गया। फिलहाल सफलतापूर्वक पैंथर को रेस्क्यू कर लिया गया है।

जेनेटिक टेस्टिंग शुरू करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा राजस्थान

गर्भ में ही बीमारी का चल जाएगा पता

जयपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। माता-पिता के जीन से बच्चों तक पहुंचने वाली रेयर डिजीज का अब गर्भ में ही पता लगाया जा सकेगा। इसके लिए जयपुर के सबसे बड़े सवाई जल्द जेनेटिक टेस्टिंग की शुरुआत होने जा रही है। इसके लिए यहां मेडिकल जेनेटिक्स विभाग की स्थापना की जाएगी। इस प्रस्ताव को वित्त विभाग की मंजूरी मिल चुकी है। विभाग के संचालन के लिए प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर के पद भी सृजित किए जाएंगे। इस टेस्टिंग की शुरुआत करने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य होगा। इस टेस्टिंग के जरिए जहां रेयर डिजीज का इलाज तो किया जाएगा, साथ ही गर्भस्थ शिशु में

जेनेटिक समस्या की जानकारी मिल सकेगी।

इसके लिए जयपुर के जेके लोन अस्पताल में डिपार्टमेंट ऑफ मेडिकल जेनेटिक्स बनाया जाएगा। जहां ओपीडी और आईपीडी की सुविधा आमजन को मिलेगी। वहीं एसएमएस अस्पताल में जेनेटिक टेस्टिंग से जुड़ा इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा। साथ ही सांगानेरी गेट स्थित महिला अस्पताल में फीटल मेडिसिन की शुरुआत की जाएगी। जहां से टेस्टिंग के लिए सैंपल लिए जाएंगे।

केंद्र सरकार ने 63 तरह की ऐसी जेनेटिक डिसआर्डर वाली रेयर बीमारी चिन्हित की हुई हैं। हालांकि इनका इलाज बहुत महंगा होता है। आपने सुना होगा कि स्पाइनल मस्क्यूलर अट्रॉफी नाम की बीमारी के इलाज के लिए दुनिया की सबसे महंगी दवा Zolgensma इंजेक्शन लगाया जाता है। इस एक इंजेक्शन की कीमत करीब 16 करोड़ रुपए से ज्यादा होती है।

रेयर डिजीज सेंटर के नोडल ऑफिसर डॉ प्रियांशु माथुर का कहना है कि दुनिया में अब तक 7 हजार रेयर डिजीज का पता लगाया जा चुका है। इनमें से 400 रेयर डिजीज के इलाज के लिए दवा मौजूद है, लेकिन इनमें से 5% बीमारियों की दवाइयां ही महंगी होती है, जबकि 95% बीमारियों की दवाइयां काफी सस्ती होती है। भारत की बात करें तो भारत में 4 से 6 प्रतिशत जेनेटिक डिसऑर्डर के मामले पाए जाते हैं, आंकड़ों की बात करें तो भारत में हर साल चार लाख से ज्यादा जेनेटिक डिसऑर्डर के साथ बच्चे पैदा होते हैं।

जेनेटिक टेस्टिंग पीपीपी मोड पर चलाया जाएगा और इसे लेकर प्रपोजल तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई तरह के जेनेटिक्स डिसऑर्डर आईडेंटिफाई हो चुके हैं और अलग-अलग डिसऑर्डर में अलग-अलग तरह के लक्षण पाए जाते हैं।

'एक हेलिकॉप्टर दिलाने की कृपा करें'

कलक्टर टीना डाबी के सामने परिवादी ने रखी अजीबोगरीब मांग

बाड़मेर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर में एक परिवादी ने कलक्टर टीना डाबी के सामने अजीबोगरीब मांग रखी है। जिले के सेड़वा में रात्रि चौपाल जनसुनवाई में पहुंचे मांगीलाल नाम के युवक ने टीना डाबी से हेलीकॉप्टर दिलाने की मांग रखी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

दरअसल, मांगीलाल ने एक व्यक्ति पर खेत में जाने के रास्ते में अतिक्रमण का आरोप लगाया और कलक्टर को ज्ञापन सौंपकर रास्ता खुलवाने की मांग की। मांगीलाल का कहना है कि जब तक रास्ता नहीं खुलता है तब तक आने-जाने के लिए हेलीकॉप्टर की व्यवस्था की जाए। जिला कलेक्टर टीना डाबी ने परिवेदनाएं गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित समाधान के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए है।

पीड़ित परिवादी मांगीलाल ने कलक्टर टीना डाबी को पत्र भी लिखा। जिसमें उसने लिखा कि 'मैं ग्राम जोरापुरा (बाधा) का निवासी हूं। घर तक आने-जाने के लिए कोई रास्ता नहीं है। मेरी फसल खेत में पड़ी है तथा फसल को साफ करने के लिए कोई साधन आने का रास्ता नहीं है। हमें कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

मेरे द्वारा राजकीय प्राथमिक विद्यालय फुलासर से खगाशेणि डईयाली की ढाणी तक पैमाइस के समय से रास्ता कराया है। मेरे द्वारा अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर खुलवाने का आदेश करवाया था। इस रास्ते को खोलने के लिए पुलिस ने रास्ता खुलवाया। लेकिन इसी रास्ते पर अध्यापक खेराजराम पुत्र कानाराम PTI ने अतिक्रमण कर लिया है, तथा रास्ते की भूमि पर जीरा बो दिया है।

मुझे घर से बाहर आने-जाने के लिए एक हेलिकॉप्टर की व्यवस्था की जायें क्योंकि मौके पर रास्ता नही बन्द होने के कारण साधन नही आ पा रहे है, एक मात्र हेलिकॉप्टर दिलाने की कृपा करें।

भाई बहन के सिर पहले दीवार पर मारे, फिर फंदे पर लटकाया

आरोपी से पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा

जोधपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। जोधपुर के बोरानाडा थाने में कुछ समय पहले एक बुजुर्ग को दो बच्चों की हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया था। इस मामले को लेकर कई बड़े खुलासे सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी दादा से पूछताछ में खुलासा हुआ है कि दोनों बच्चों को फांसी पर लटकाने से पहले दीवार पर सिर को मारा गया। उसके बाद आरोपी मोपेड लेकर पाली के लिए अपने दोस्त के साथ निकल गया था। हत्या करने के बाद आरोपी मुकुंद थानवी अपने दोस्त के साथ मोपेड से भागा था। वह पाली पहुंचा, जहां होटल में रुका और उसके बाद नाथद्वारा में फैक्टरी में काम करने वाले दोस्त से बात की। मोपेड पाली में ही छोड़कर बस के द्वारा नाथद्वार भाग गया था।

आरोपी मुकुंद ने वर्ष 1991 में शादी की थी। पत्नी में दो बच्चे अलग-अलग फलोदी में रहते हैं। माता-पिता कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड में रहते हैं। काफी समय पहले फलोदी में पड़ोसी के मकान में चोरी करते हुए पकड़ा गया। वर्ष 2006 में वह शादीशुदा महिला को लेकर भाग गया था। इसके बाद परिवार को समाज से काफी बेइज्जती झेलानी पड़ी और आहत होकर पिता ने समाचार पत्र में विज्ञप्ति निकाल कर मुकंद को परिवार व संपत्तियों से बेदखल कर दिया था। आरोपी अलग-अलग नाम सामने आ रहे थे। वह पहले बोरानाडा में श्याम सिंह भाटी उर्फ दादा के नाम से जाना जाता था। पकड़े जाने के बाद उसका नाम मुकुद थानवी के रूप में सामने आया, लेकिन अब स्कूली दस्तावेज से उसका नाम नरेंद्र थानवी होने का पता चला। हत्या से पहले भाई व बहन अपनी जान बचाने के लिए मुकुंद के सामने हाथ पैर जोड़ और गिड़गिड़ा कर जान की भीख मांगी थी, लेकिन बुजुर्ग ने दोनों को पहले पीटा उसके बाद उसके दोनों के सिर दीवार से दे मारा और उसके बाद दोनों को फांसी के फंदे पर लटका दिया गया था। वहीं पुलिस ने यह भी खुलासा किया है कि दीवार पर सिर मारने के बाद उन्हें तेजाब के ड्रम पर खड़ा करके फंदे से लटकाया और ड्रम को नीचे से हटा दिया गया।

शिक्षक द्वारा नाबालिग से दुष्कर्म का मामला

दो पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज; कांस्टेबल और एक एएसआई निलंबित

जालौर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। जालौर जिले के भीनमाल शहर के एक विद्यालय में अध्ययनरत बालिका का शिक्षक द्वारा अपहरण कर उसके साथ बलात्कार करने के पॉक्सो एक्ट के मामले में एएसआई व एक कांस्टेबल के खिलाफ लोकसेवक के कर्तव्य का दुरुपयोग करने, लापरवाही बरतने व पीड़िता का बिना सहमति के वीडियो बनाने पर पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद यादव ने एएसआई व कांस्टेबल को निलंबित किया है। पुलिस अधीक्षक ने भीनमाल थाने में कार्यरत तत्कालीन एएसआई किशनलाल विश्नोई व कांस्टेबल सुरेश कुमार को निलंबित किया है। दोनों के खिलाफ 21 जनवरी को पीड़िता के पिता ने भीनमाल पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया था। पुलिस के मुताबिक पीड़िता के पिता ने 21 जनवरी को पुलिस अधीक्षक को रिपोर्ट पेश कर बताया कि उसकी नाबालिग पुत्री को एक शिक्षक ने अपहरण कर बाड़मेर ले गया था। उसके बाद उसके साथ बलात्कार किया था।

इस सबंध में भीनमाल पुलिस थाने में 404/2023 में पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज था। पीड़िता को बाड़मेर से दस्तयाब करने जाने के दौरान एएसआई किशनलाल व कांस्टेबल सुरेश कुमार ने पीड़िता का बिना सहमति के वीडिया बना दिया था। इस वीडियो की अनुसंधान अधिकारी को भनक तक नहीं लगने दी एवं नहीं फाइल में लगाया। बाद में आरोपी शिक्षक के मार्फत मिलकर उसे न्यायालय में पेश किया। जिस पर न्यायालय ने आरोपी को दोषमुक्त भी कर दिया था। एसपी ज्ञानचंद यादव ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों के खिलाफ भीनमाल थानाधिकारी को मामला दर्ज कर जांच करने के निर्देश दिए थे। जिस पर पुलिस थाने में मामला दर्ज हुआ। पुलिस अधीक्षक ने दोनों को निलंबित कर दिया था। सूत्रों ने बताया कि वीडियो अनुसंधान अधिकारी को नहीं देकर आरोपी पक्ष की ओर से कांस्टेबल सुरेश ने पेश किया। मामला दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

आरोपी शिक्षक को जमानत मिलने पर पीड़िता के पिता ने 21 जनवरी को दोनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ भीनमाल थाने में धारा 166 (क) (ख), 228 (क), पॉक्सो एक्ट की धारा 23 और जेजे एक्ट की धारा 74 में मामला दर्ज कराया था। एसपी ने डिप्टी से जांच करवाई थी। पिता ने एसपी को रिपोर्ट देकर बताया था कि 21 अक्तूबर 2023 को शिक्षक मंगलाराम विश्नोई ने दुष्कर्म किया था। पॉक्सो कोर्ट में कांस्टेबल सुरेश कुमार ने सशपथ बयान दिया कि 22 अक्तूबर को पीड़िता का वीडियो बनाया था। जिसे उसने एएसआई किशनलाल को दिया था।

आरोपी मंगलाराम के भी बयान हैं कि उसे वह वीडियो व्हाट्सएप ग्रुप से प्राप्त हुआ था। कांस्टेबल सुरेश व मंगलाराम की ओर से वायरल वीडियो कोर्ट में पेश किया जा चुका है। जिस दिन वीडियो बनाया गया तब तक पीड़िता के 161 व 164 के बयान नहीं हुए थे। एएसआई किशनलाल ने भी आरोपी को बचाने के लिए खुद जांच अधिकारी होते हुए वीडियो को जांच रिपोर्ट में शामिल नहीं किया कोर्ट के निर्णय से पहले वह वीडियो आरोपी को दे दिया था।

लवली कंडारा एनकाउंटर: जांच करने जोधपुर पहुंची सीबीआई

पुलिस कमिश्नर व परिजनों से दो घंटे तक ली जानकारी

जोधपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। जोधपुर में 3 साल पहले हुए लवली कंडारा एनकाउंटर की जांच करने सीबीआई की टीम आज जोधपुर पहुंची। सीबीआई सबसे पहले लवली के घर पहुंची और परिजनों से 2 घंटे बातचीत कर मामले में पूछताछ की। उसके बाद पुलिस कमिश्नर राजेन्द्रसिंह से भी सीबीआई की टीम ने मुलाकात कर मामले की जानकारी ली। इसके अलावा दोपहर को सीबीआई की टीम रातानाडा थाने में पहुंची थी। बता दें कि लवली कंडारा एनकाउंटर की जांच सीबीआई क्राइम ब्रांच के डीएसपी मोहिंदर सिंह के पास है। इसमें रातानाड़ा थाने के तत्कालीन एसएचओ लीलाराम, कॉन्स्टेबल जितेन्द्र सिंह, किशन सिंह, विश्वास और गनमैन अंकित नामजद हैं। 31 अक्तूबर 2023 को इस मामले की जांच सीबीआई से कराने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा गया था। 9 जनवरी 2025 को सीबीआई ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी। जानकारी के लिए बता दें कि 13 अक्तूबर 2021 को पुलिस से हुई मुठभेड़ में लवली के पेट में गोली लगी थी। उसने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। सीबीआई टीम के डीएसपी मोहिंदर सिंह बहुचर्चित भंवरी देवी अपहरण व हत्या मामले में सीबीआई जांच टीम में शामिल थे और इस मामले का खुलासा करने में कामयाबी हासिल की थी। ऐसे में उम्मीद है कि लवली कंडारा मामले का खुलासा भी जल्द होगा। इसके साथ ही उम्मीद है कि कल से सर्किट हाउस में एक बार फिर से सीबीआई का कैम्प शुरू होगा।

डायन बताकर महिला को बेरहमी से पीटा

पीड़िता बोली- दबंगों ने थूक चाटने को किया मजबूर

भीलवाड़ा, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पारोली थाना क्षेत्र के एक गांव में महिला को डायन बताकर दबंगों द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने रिपोर्ट दी है, जिसमें बताया कि उसकी सास सोमवार को खेत पर जा रही थी। इसी दौरान दबंगों ने देवजी स्थान के समीप महिला को डायन कहकर लकड़ियों तथा मंदिर में रखे भाले से हमला कर घायल कर दिया।

मारपीट में महिला के हाथ-पैर और सिर में चोटें आई है, गंभीर अवस्था में घायल महिला को पारोली सामुदायिक चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रैफर कर दिया। जहां से और हालत खराब होने पर हायर सेंटर रैफर किया गया।

प्रार्थीया ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि आशाराम पुत्र भेरुलाल गुर्जर, अशोक पुत्र भेरुलाल गुर्जर, घीसी पत्नी भेरुलाल गुर्जर, समोक पत्नी आशाराम गुर्जर, काली पुत्री भेरुलाल गुर्जर, पार्वती पत्नी द्वारका गुर्जर ने उसकी सास के साथ मारपीट की जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। आरोपी प्रार्थी महिला की सास को डायन कह कर अपमानित कर रहे थे।

एएसआई गोपाल सिंह मीणा ने बताया कि प्रार्थिया की रिपोर्ट पर देर रात को पुलिस ने इस मामले को लेकर थाने में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आशाराम गुर्जर तथा अशोक गुर्जर को गिरफ्तार किया है। शेष आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पीड़िता बोली- दबंगों ने थूक चाटने को किया मजबूर

अस्पताल में भर्ती महिला ने बताया कि आरोपियों ने उस पर हमला करने के बाद उसे थूक चाटने को मजबूर किया। आरोपी धमकी देने वहां से भाग गए। आरोपियों की गिरफ्तारी और कार्रवाई की मांग को लेकर ग्रामीणों ने थाने के बाहर प्रदर्शन किया।

बड़ी संख्या में समाज के लोग एवं ग्रामीणों ने पारोली पुलिस थाने के बाहर प्रदर्शन किया। प्रतिनिधि मंडल ने एएसआई गोपाल सिंह मीणा को ज्ञापन देकर आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तारी कर कार्रवाई की मांग की।

करोड़ों रुपये का डोडा पोस्त नष्ट

14 थानों ने की थी अवैध मादक पदार्थ जब्त करने की कार्रवाई

पाली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। पाली में पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थ जब्त करने की कार्रवाई की गई। एएसपी विपिन शर्मा ने बताया कि इसमें गांजा, भांग और चरस सहित करीब 70 क्विंटल डोडा पोस्त शामिल है।

जानकारी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार आज इन अवैध मादक पदार्थों को नष्ट किया गया है। इसमें 7006 किलो डोडा, 143 किलो अफीम के पौधे, 12.40 किलो गांजा, 1.880 किलो भांग एवं 06.59 ग्राम चरस शामिल है।

एएसपी विपिन शर्मा ने बताया कि ये अवैध मादक पदार्थ सदर थाना, ट्रांसपोर्ट नगर थाना, औद्योगिक क्षेत्र, सांडेराव, रानी एवं गुड़ा एंदला थाने सहित 14 थानों की पुलिस द्वारा की गई थी। जानकारी के अनुसार गत करीब चार पांच सालों से विभिन्न थानों में नशे का यह जखीरा पड़ा था, जिसे आज एक फैक्ट्री के बॉयलर में डालकर जलाया गया। इस नशे के जखीरे की कीमत करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये आंकी गई है।

आयुष्मान टॉवर में लगी भीषण आग

फायर ब्रिगेड की तत्परता से आग पर काबू; बड़ा हादसा टला

जयपुर, 29 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर के प्रतिष्ठित एसएमएस इलाके में स्थित आयुष्मान टॉवर में बुधवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई। आग चौथे माले पर लगी, जिससे पूरे टॉवर में धुआं फैल गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार आग तारों के बंडलों में लगी थी। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। प्रशासन अभी इसकी जांच कर रहा है। राहत की बात यह है कि आयुष्मान टॉवर अभी पूरी तरह से तैयार नहीं था, जिससे बड़े हादसे की संभावना टल गई। आग की सूचना सुबह 10:20 बजे फायर ब्रिगेड को दी गई। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। आग बुझाने के दौरान किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

संपत्ति अपराधियों समेत तीन गांजा उपभोक्ता गिरफ्तार

9 लाख 56 हजार रुपये की संपत्ति बरामद की

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कीसरा पुलिस और सीसीएस मलकाजगिरी अधिकारियों ने कीसरा पीएस, राचकोंडा की सीमा में तीन संपत्ति अपराधियों सह ड्रग पेडलर्स और तीन गांजा उपभोक्ताओं को गिरफ्तार किया। विश्वसनीय सूचना के आधार पर कीसरा पुलिस और सीसीएस स्टाफ ने चार आरोपियों को रोज गार्डन, रामपल्ली गांव, कीसरा से सूखा गांजा रखते हुए पकड़ा और 1.25 किलोग्राम गांजा जब्त किया। इनमें से दो आरोपियों से चोरी की संपत्ति बरामद की। सीपी राचकोंडा के अनुसार

बरामद की गई कुल संपत्ति में 1.25 किलोग्राम गांजा, 100 ग्राम सोने के आभूषण, 264 ग्राम चांदी के आभूषण, एक लाख रुपए नकद है। गिरफ्तार आरोपियों में चेरुकुपल्ली श्रीकांत निवासी रामपल्ली गांव, कीसरा मंडल, मेडचल-मलकजगिरी, बेगारी वेणु कुमार निवासी राजीव गांधी नगर, सुराराम, मेडचल-मलकजगिरी, चद्रगीर संपत निवासी रामनगर कॉलोनी, घटकेसर, मेडचल, पड़िये भरत निवासी एस्बेस्टस कॉलोनी, आईडीपीएल के पास, बालानगर, मेडचल-मलकजगिरी (उपभोक्ता), मो. अब्दुल रहीम निवासी एस्बेस्टस कॉलोनी, आईडीपीएल के पास, बालानगर, मेडचल-मलकजगिरी (उपभोक्ता), अदल्ला कल्याण कुमार निवासी, एस्बेस्टस कॉलोनी, आईडीपीएल के पास, बालानगर, मेडचल-मलकजगिरी (उपभोक्ता) शामिल हैं। सीपी ने बताया कि चेरुकुपल्ली श्रीकांत कन्नय्या धूम्रपान, शराब पीने और सट्टेबाजी जैसी बुरी आदतों का आदी है।

अपने कर्ज का भुगतान करने के लिए, उसने वर्ष 2019 में संपत्ति अपराध शुरू किया। वह राचकोंडा और साइबराबाद सीमा में 6 संपत्ति अपराधों में शामिल है। बाद में वर्ष 2022 में उसने ड्रग तस्करी शुरू कर दी, राचकोंडा, साइबराबाद और खम्मम सीमा में 4 एनडीपीएस मामलों में शामिल हो गया। हाल ही में वह जेल से रिहा हुआ है और पैसे कमाने और अपनी मादक पदार्थों की तस्करी की गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उसने दो साथियों के साथ कीसरा पीएस में हाउस ब्रेक को अंजाम दिया। उसी क्रम में आज उसे गांजा बेचते हुए पकड़ा गया। दूसरा आरोपी बेगारी वेणु कुमार ने अपनी इंटरमीडिएट शिक्षा पूरी की लेकिन जल्द ही स्कूल छोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने लगभग दो वर्षों तक पैंट्री बॉय के रूप में काम किया। इस दौरान उन्हें ड्रग्स, सिगरेट और गांजे की खतरनाक लत लग गई, जिससे उन पर काफी कर्ज हो गया। अपने कर्ज को चुकाने के लिए बेताब, वेणु कुमार ने संपत्ति अपराध शुरू कर दिया।

2016 में उसने कुकटपल्ली थाना क्षेत्र में पहली चोरी की, जिसके लिए उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस अवधि के दौरान वह ट्राई कमिश्नरेट सीमा में लगभग 31 संपत्ति अपराधों में शामिल रहा। वह श्रीकांत से तब परिचित हुआ जब वे चेरलापल्ली जेल में थे। वर्ष 2022 में, वेणु कुमार ने श्रीकांत की सलाह के बाद ड्रग तस्करी शुरू की। तीसरा आरोपी चंद्रगीर संपत जोडीमेटला गांव में एक मोबाइल की दुकान चलाता था। अन्य तीन आरोपी गांजा के उपभोक्ता हैं जो पहले श्रीकांत से खरीदते थे। आज सुबह रोज़ गार्डन, रामपल्ली के पास उससे मिलने का निर्देश दिया। उन्हें प्रतिबंधित गांजा खरीदने और बेचने की प्रक्रिया में रंगे हाथों पकड़ा गया।

वेश्यावृत्ति रैकेट का भंडाफोड़ कर 9 महिलाओं को बचाया

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विशेष अभियान दल (एसओटी) ने एक अंतरराष्ट्रीय वेश्यावृत्ति रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए विभिन्न देशों की 9 महिलाओं को हैदराबाद में बचाया। स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर एसओटी ने गाचीबोवली के गौलिडोड्डी इलाके में एक रिहायशी अपार्टमेंट पर छापा मारा। छापेमारी में पता चला कि अंतरराष्ट्रीय रैकेट के आयोजक अलग-अलग देशों की पीड़ित महिलाओं को शामिल कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि केन्या, तंजानिया, बैंकॉक की 9 महिलाओं को देह व्यापार से बचाया गया है। माधापुर एसओटी के अधिकारी आयोजकों की तलाश कर रहे हैं।

प्रेमिका से शादी न कर पाने पर फांसी लगाकर आत्महत्या

बेल्लमपल्ली / आसिफाबाद 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक युवक ने प्रेमिका से शादी न कर पाने पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना मंचेरियल जिले के बेल्लमपल्ली कस्बे में घटी। बेल्लमपल्ली टू टाउन के उपनिरीक्षक के. महेंद्र के अनुसार, चिनथला विवेक (21) नामक युवक ने कस्बे के अरागम्बाला बस्ती में अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुल्तानाबाद के कनुला गांव का रहने वाला यह युवक बेल्लमपल्ली के राडागाम्बाला बस्ती में अपनी दादी के घर रहता था। पिछले कुछ दिनों से वह प्रेम में असफलता से ग्रस्त था। सुबह सात बजे जब परिवार के सदस्यों ने विवेक को जगाने के लिए दरवाजा खोला तो उसने घर की छत से लटककर जान दे दी थी। एसआई ने बताया कि मृतक की मां चिनथला राजेश्वरी की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच चल रही है। मां ने बताया कि उनके बेटे की मौत प्रेम में असफलता और जीवन से निराशा के कारण हुई।

श्री प्रसन्नांजनेय स्वामी का 35वां वार्षिक ब्रह्मोत्सव संपन्न

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को कलश स्थापना के साथ शुरू हुए लोतुकुंट श्री प्रसन्नांजनेय स्वामी का 35वां वार्षिक ब्रह्मोत्सव आज सुंदरकांड पाठ, हवन और अन्न प्रसाद वितरण के साथ संपन्न हो गया। लोतुकुंट में रहने वाले इंदिरा नगर कॉलोनी वेलफेयर एसोसिएशन ने 1990 में मंदिर बनवाया था। तब से आगम शास्त्र के अनुसार प्रतिदिन पूजा आदि की जाती है। हर साल बहुल पुष्य त्रयोदशी से अमावस्या तक तीन दिनों तक वार्षिक ब्रह्मोत्सव बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश कश्यप ने बताया कि आज स्वामीजी का महा न्यास रुद्राभिषेक, कुंभ अभिषेक, सुंदरकांड हवन, पूर्णाहुति और तीर्थ प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में बडी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए।

श्री आईमाताजी बडेर में माघ सुदी बीज महोत्सव कल

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा स्थित श्री आईमाताजी बडेर में समाज बन्धुओं के सानिध्य में माघ सुदी बीज महोत्सव शुक्रवार 31 जनवरी पुजा-अर्चनाकर भव्यरुप से आयोजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़ व सचिव नारायणलाल काग ने संयुक्तरुप से बताया कि हर वर्ष की भांति प्रात: वेला में मंदिर को विशेष फूलों से सजाकर, माई का श्रृंगारकर प्रात: 9.15 बजे पुजा-अर्चना व महाआरती के पश्चात् समाज बन्धु व भक्तगण माई के चरणों में श्रीफल भेंटकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करेंगे।

रात्रि 9.15 बजे से जागरण का आयोजन होगा। जिसमें नैनाराम सीरवी एंड पार्टी माई के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। पदाधिकारी व समाज बन्धु सपरिवार कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। सचिव नारायणलाल काग ने समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन किया कि सपरिवार समय पर पधारकर माई के दर्शन, पुजा-अर्चनाकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

सत्यम शिवम सुंदरम गगन पहाड़ स्थित गौशाला में गौ सेवा करते गौ भक्त

तेलंगाना को पाम ऑयल की खेती में अग्रणी बने रहना चाहिए : कृषि मंत्री

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि तेलंगाना राज्य देश भर में पाम ऑयल की खेती में अग्रणी बना रहे। बुधवार को सचिवालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान, मंत्री ने सरकार द्वारा स्थापित खेती के लक्ष्यों का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 16,729 एकड़ क्षेत्र में पाम ऑयल की खेती शुरू की गई है और मार्च तक निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आह्वान किया। मंत्री ने पाम ऑयल के पौधों की कीमतों में वृद्धि पर प्रकाश डाला और किसानों को पाम ऑयल की खेती में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों के कार्यान्वयन का आग्रह किया। अधिकारियों को 1 जून तक सिद्दीपेट जिले में नरमेटा ऑयल पाम प्रोसेसिंग यूनिट को पूरा करने और ऑयल पाम की प्रोसेसिंग शुरू करने का काम सौंपा गया है। इसी तरह, अधिकारियों को बीचपल्ली और कल्लूर गोदामों में प्रोसेसिंग सुविधाओं के निर्माण के लिए निविदाएं शुरू करने का निर्देश दिया गया है, जिसका काम तुरंत शुरू किया जाना है। इस पहल से नए जिलों के किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है, जहां ऑयल पाम की खेती की जा रही है और नए किसानों को इस उद्योग से जुड़ने के अवसर मिलेंगे। मंत्री ने सहकारी विद्युत आपूर्ति संघ लिमिटेड, सिरसिला (सीईएसएस) के अधिकारियों को किसानों और पावरलूम उद्योग के लिए एक विश्वसनीय और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है। तुम्माला नागेश्वर राव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे ट्रांसफार्मर उपलब्ध रखें और समस्या आने पर उन्हें तुरंत बदल दें ताकि बिजली आपूर्ति में कोई रुकावट न आए। उन्होंने कहा कि हथकरघा अभय हस्तमू योजना को योजनानुसार क्रियान्वित किया जाना चाहिए तथा इस योजना को शीघ्र क्रियान्वित करने के लिए बुनकरों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।

तेलंगाना में पूर्व तासा शक्ति सुरक्षा वार्ता आयोजित

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना एवं आंध्र उप क्षेत्र मुख्यालय द्वारा 27 और 28 जनवरी को आयोजित बहु-एजेंसी सुरक्षा वार्ता, एक्स तासा शक्ति में विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के हितधारकों को प्रमुख सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा और विचार-विमर्श के लिए एक साथ लाया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना, तेलंगाना पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड, भारतीय रेलवे, रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बहु-एजेंसी सुरक्षा वार्ता का उद्देश्य उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच अधिक सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देना है।

इस कार्यक्रम ने हितधारकों को जिम्मेदारी वाले क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में अपनी विशेषज्ञता, सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया। तेलंगाना एवं आंध्र के सब जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल एरिया अजय मिश्रा ने सुरक्षा बनाए रखने में अंतर-एजेंसी सहयोग के महत्व पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि आधुनिक सुरक्षा खतरों की जटिलताओं के लिए सभी हितधारकों की ओर से एकीकृत प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। यह वार्ता उस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक कदम है।

सोशल मीडिया प्रतिनिधियों के खिलाफ शिकायत दर्ज

तिरुमला, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुपति तिरुमाला देवस्थानम (टीटीडी) ने प्रसिद्ध विद्वान ब्रह्मश्री चगंती कोटेश्वर राव की तिरुमला यात्रा और धार्मिक प्रवचन कार्यक्रम के खिलाफ झूठी खबर फैलाने के लिए कुछ सोशल मीडिया प्रतिनिधियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि टीटीडी ने प्रसिद्ध आध्यात्मिक विद्वान ब्रह्मर्षि चगंती कोटेश्वर राव की तिरुमाला यात्रा के विवरण की जानकारी दी है, लेकिन हैदराबाद स्थित डायल न्यूज़, पोस्ट 360 और पत्रकार वाईएनआर ने सोशल मीडिया पर उनके दौरे के बारे में बार-बार झूठी खबरें फैलाई हैं, तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया है और विद्वान के साथ-साथ टीटीडी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से झूठ का प्रचार किया है।

मेडचल रोड कालाकल स्थित यादेवी श्रीआईजी गौशाला में गौ सेवा करते हुए सिरवी तारा राम पंवार, चुन्नीलाल सीरवी , भूराराम, बुधाराम , लुंबा राम, प्रकाश , बाबूलाल , प्रकाश , बगदाराम , संजू, मोनी बाई , प्यारी बाई , कैसी बाई, विमला,संगीता, सुकिया, मंजू , रिंकु, कमला बाई व अन्य

शवि मंदिर स्थित गौशाला में गौ सेवा करते हुए भक्त तथा पूजा-अर्चना करते निर्माला बल्दवा द्वारा छःप्पन भोग अर्पित करते हुए।

के.बी.आर. पार्क स्थित गणेश मंदिर में पूजा करते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, विजय, संगीता, दिव्य, कृपा रानी, संध्या रानी, विजय कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, अशोक लखोटिया, भोज रेड्डी, पी.सी. जैन, विट्ठल दस अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, राहुल सिंघल, अशोक अग्रवाल, अशोक रुंगटा, शंकर लाल अग्रवाल, सुभाष कुमार अग्रवाल, डॉ. राधा कृष्ण आदि।

आज मौनी अमावस्या के शुभ अवसर पर विश्व मंगल गौशाला सोमाराम विलेज मेडचल में अमावस्या का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें भजन की प्रस्तुती सोहन नाथ , गिरिधर लाल द्वारा दी गई। भोजन प्रसादी के लाभार्थी सांवलराम सोलंकी , लुंबाराम मुलेवा कानाजीगुडा वाले रहे हरि घास की व्यवस्था विकास स्पेयर्स एंड टूल्स रानीगंज, बालाजी पावर टूल्स अलवाल, भवानी सिंह शेखावत, चंपालाल सीरवी कोमपल्ली द्वारा की गई इसके साथ तेलंगाना कुमावत समाज अध्यक्ष सोहनलाल, जयप्रकाश, जीवाराम, वेनाराम, नारायणराम, केनाराम, महेंद्र सिंह, नेमीचंद, शेषाराम, पारसराम, जयेश सहित सभी गौ भक्तों ने तन मन धन से सेवा देके इस आयोजन को सफल बनाया । मुख्य सचिव शांतिलाल सुथार द्वारा सभी का धन्यवाद किया गया ।

राधे अलबेली सरकार सेवा समिति द्वारा गौ माता के लिए छप्पन भोग का आयोजन शिव मंदिर गौशाला -मालकपेट में किया गया। जिसमें गौ भक्त गोपाल बल्दवा, मिलन वर्मा, सुभाष अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, ऋषभ जैन, सुनील गोयल, गिरीश अग्रवाल, राजू जैन, पमित एवम मंडल के अन्य सेवादार एवं श्याम प्रेमी उपस्थित थे।

जियागुड़ा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गौशाला में गौ सेवा करते गौशाला के प्रभु दत्त महाराज, हरिकिशन मायछ, जगदीश प्रसाद वर्मा, पुरषोत्तम अग्रवाल,पंकज वर्मा, नथमल मायछ, सत्यानारायण मौसून, प्रहलाद नारनोली,सुरेश परवाल,शरद वर्मा,सतीश वर्मा, हंसराज बैवाल, श्रीनिवास परवाल,कमलराज खनवानीया एवं अन्य।

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री और जल शक्ति वी. सोमन्ना रिमोट वीडियो लिंक के माध्यम से यादगीर रेलवे स्टेशन पर ठहराव के प्रावधान के साथ ट्रेन सं. 22692 हजरत निजामुद्दीन - केएसआर बेंगलुरु राजधानी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। जी. कुमार नाइक सांसद, रायचूर भी वीडियो लिंक के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके साथ ही, यादगीर रेलवे स्टेशन पर एक समारोह आयोजित किया गया, जिसमें श शरणगौड़ा कंडकुर, माननीय विधान सभा सदस्य, गुरमितकल, चन्नारेडी पाटिल टुन्नूर, माननीय विधान सभा सदस्य, यादगीर और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

रामकृष्ण, डीआरएम (प्रभारी), गुंटकल और अन्य रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, वी. सोमन्ना ने कहा कि प्रधान मंत्री मोदी के नेतृत्व में, कर्नाटक राज्य सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास देख रहा है। उन्होंने कहा कि 2024-25 के लिए कर्नाटक राज्य के लिए रेल बजट अनुदान 7560 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, कर्नाटक में रेलवे नेटवर्क ने नई लाइनों, विद्युतीकरण, क्षमता वृद्धि आदि के मामले में भारी विकास देखा है। उन्होंने कहा कि यादगीर स्टेशन पर राजधानी एक्सप्रेस के ठहराव के साथ, लोगों की लंबे समय से लंबित आकांक्षा पूरी हुई है।

उन्होंने कहा कि यादगीर के आसपास के लोग देश भर में विभिन्न स्थानों की यात्रा करने के लिए मुख्य रूप से रेल परिवहन पर निर्भर हैं और अधिकांश लोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए बेंगलुरु की यात्रा करते हैं।

उन्होंने कहा कि राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन इस क्षेत्र के लोगों के लिए दिल्ली के साथ-साथ बेंगलुरु की यात्रा करने के लिए एक सुविधाजनक यात्रा विकल्प प्रदान करती है। इसके अलावा, मंत्री ने कहा कि प्रधान मंत्री और माननीय रेल मंत्री के मार्गदर्शन में क्षेत्र के तीन महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों यानी यादगीर, रायचूर और बीदर स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन पर एस्केलेटर, लिफ्ट, पार्किंग, शौचालय, प्रतीक्षालय, फुट ओवर ब्रिज आदि जैसी सभी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि कलबुर्गी - एसएमवीटी बेंगलुरु के बीच चलने वाली स्वदेशी रूप से डिजाइन की गई अत्याधुनिक वंदे भारत ट्रेन को यादगीर स्टेशन पर ठहराव प्रदान किया गया है। गौरतलब है कि संख्या 22692 हजरत निजामुद्दीन - केएसआर बेंगलुरु राजधानी एक्सप्रेस यात्रा 27 जनवरी को शुरू होकर (यादगीर रेलवे स्टेशन पर अगले दिन पहुंचेगी/प्रस्थान करेगी)।ट्रेन संख्या 22691 केएसआर बेंगलुरु - हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस यात्रा 28 जनवरी को शुरू होगी (यादगीर रेलवे स्टेशन पर अगले दिन पहुंचेगी/प्रस्थान करेगी)।

जिया गुड़ा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गौशाला में गौ सेवा करते गौशाला के प्रभु दत्त महाराज, हरिकिशन मायछ, जगदीश प्रसाद वर्मा, पुरषोत्तम अग्रवाल,पंकज वर्मा, नथमल मायछ, सत्यानारायण मौसून, प्रहलाद नारनोली,सुरेश परवाल,शरद वर्मा,सतीश वर्मा, हंसराज बैवाल, श्रीनिवास परवाल,कमलराज खनवानीया एवं अन्य।

गौलीगुडा के इमलीवन गौशाला में गायों को चारा खिलाते माइनारटी कमीशन के पूर्व सरकारी सलाहकार गौतम जैन, राजेंद्र यादव, लक्ष्मण, गजानन चौधरी, रघुनंदन गोप,प्रेमचंद मुणोत,एम. नरसिंग राव आदि।

सब-इंस्पेक्टर को एसीबी ने पकड़ा

कामारेड्डी, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कामारेड्डी जिले के लिंगमपेटा निवासी सब-इंस्पेक्टर सुधाकर को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने एक वाहन परामर्शदाता डीलर से रिश्वत लेते हुए पकड़ा। उन्होंने दोपहिया वाहन बेचने और खरीदने वाले एक व्यक्ति से रिश्वत की मांग की थी। इसके बाद पीड़ित ने एसीबी अधिकारियों से मदद मांगी। उन्हें निजामाबाद जिला मुख्यालय के हनुमान जंक्शन पर एसीबी की एक टीम ने 12,500 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इस बीच, पिछले साल दिसंबर के पहले सप्ताह में तत्कालीन एसआई अरुण कुमार को थाने के जमानत मामले में रिश्वत लेते हुए एसीबी ने पकड़ा था। सुधाकर अपना कार्यभार संभालने के 40 दिन के भीतर रिश्वत लेते पकड़े जाने के बाद चर्चा का विषय बन गए हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

खास बल्ला और 55 मिनट, रणजी में रन बरसाने के लिए विराट कोहली ने की ऐसी तैयारी

मुंबई, 29 जनवरी (एजेंसियां)। विराट कोहली ने मुंबई में टीम इंडिया के पूर्व बैटिंग कोच संजय बांगड़ के साथ अपनी बल्लेबाजी पर काम किया था. ये तो आप जानते ही होंगे. अब रणजी ट्रॉफी के लिए दिल्ली आने के बाद वो एक खास बल्ले से प्रैक्टिस करते दिखे. उन्होंने उस बल्ले से रणजी में रन बरसाने की तैयारी की. उन्होंने उस बल्ले से 55 मिनट तक प्रैक्टिस की. अब सवाल ये है कि जिस बल्ले के साथ विराट ने नेट्स पर इतना वक्त गुजारा उसमें वाकई खास क्या है? और, बड़ी बात ये कि भारत के सुपरस्टार बल्लेबाज ने उस बल्ले के साथ बिताए 55 मिनटों में क्या-क्या किया?

विराट कोहली के खास बल्ले में क्या है अलग?

सबसे पहले तो विराट कोहली के बल्ले की खासियत के बारे में जान लीजिए. विराट ने दिल्ली की नेट्स पर जिस बल्ले से प्रैक्टिस की वो आमतौर पर जो बल्ला होता है, उससे थोड़ा पतला दिखा. उसमें ब्लेड का हिस्सा ना के बराबर था.

55 मिनट में ऐसे की रणजी में रन बरसाने की तैयारी

अब सवाल है कि इस तरह के बल्ले के साथ विराट ने 55 मिनट की ट्रेनिंग में क्या किया? विराट कोहली ने पहले 15 मिनट तक थ्रो डाउन लिया. इसमें 5 मिनट तक वो फ्रंटफुट के आगे की गेंदों को खेलते दिखे वहीं बाकी के 10 मिनट में बैकफुट पर बैक ऑफ़ लेंथ गेंदों को खेलने का रियाज किया. थ्रो डाउन के दौरान विराट ऑफ़ स्टंप की बाहर थोड़े बीट होते भी दिखे. थ्रो डाउन लेने के बाद विराट ने उस नेट्स का रुख किया जहां स्पिनर्स गेंदबाजी कर रहे थे. विराट कोहली ने स्पिनर्स वाली नेट्स पर 20 मिनट बिताए. इस दौरान उन्होंने बाएं हाथ के दो स्पिनरों- सुमित माथुर और हर्ष त्यागी की गेंदों को खेला. इस दौरान कोहली उनकी शॉर्ट गेंदों को ऑफ साइड में कट करते भी दिखे. हर्ष त्यागी ने अपनी गेंदों पर विराट को बीट भी किया. हालांकि, कुल मिलाकर स्पिनर के खिलाफ विराट कंट्रोल में दिखे, जो कि एक बेहतर संकेत है.

स्पिन की नेट्स से विराट वहां पहुंचे जहां तेज गेंदबाज गेंदें डाल रहे थे. विराट ने यहां भी 20 मिनट बिताए. उन 20 मिनटों में उन्होंने नवदीप सैनी, मनी ग्रेवाल, राहुल गहलोत, विवेक गुसैन और बाएं हाथ के एकमात्र पेसर सिद्धांत शर्मा की गेंदों का सामना किया. सिद्धांत शर्मा ने दो बार कोहली को बीट किया. कोहली को पेसर के खिलाफ अभ्यास के दौरान दिल्ली के कोच शरनदीप सिंह से मिडिल और ऑफ़ स्टंप पर गॉर्ड लेने की सलाह भी मिली, जिसे उन्होंने माना और उसके बाद उनकी बल्लेबाजी में फर्क भी नजर आया. वो फिर बड़ी खूबसूरती से गेंद को मिडिल और ड्राइव करते दिखे.

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले आईसीसी में बवाल
सीईओ ज्योफ एलार्डिस ने दिया इस्तीफा

खेल डेस्क, 29 जनवरी (एजेंसियां)। 19 फरवरी से शुरू होने जा रही चैंपियंस ट्रॉफी से कुछ दिन पहले इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) में भूचाल मच गया है, जहां मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ज्योफ एलार्डिस ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। 57 साल के एलार्डिस 2012 में क्रिकेट के जनरल मैनेजर के रूप में आईसीसी में शामिल हुए थे। आठ महीने तक कार्यवाहक सीईओ के रूप में काम करने के बाद नवंबर 2021 में उन्हें आईसीसी का सीईओ नियुक्त किया गया था।

नतीजों पर गर्व है- एलार्डिस

अपने इस्तीफे के बाद एलार्डिस ने एक बयान में कहा, 'आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है और मुझे उन नतीजों पर बहुत गर्व है जो हमने हासिल किए हैं। इसमें क्रिकेट की ग्लोबल पहुंच को बढ़ाने से लेकर आईसीसी सदस्यों के लिए व्यावसायिक आधार तैयार करना शामिल है।'

'क्रिकेट का आने वाला समय रोमांचक है'

ज्योफ एलार्डिस ने आगे कहा, 'मैं आईसीसी अध्यक्ष, निदेशक मंडल और पूरे क्रिकेट समुदाय को पिछले 13 सालों में उनके समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मेरा मानना है कि यह मेरे लिए पद छोड़ने और नई चुनौतियों का सामना करने का सही समय है। मुझे भरोसा है कि क्रिकेट का आने वाला समय रोमांचक है और मैं आईसीसी और वैश्विक क्रिकेट समुदाय को भविष्य में सफलता की कामना करता हूं।'

जय शाह ने की एलार्डिस की तारीफ

इस्तीफ के बाद एलार्डिस की आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा, 'आईसीसी बोर्ड की ओर से मैं ज्योफ को उनके सीईओ के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान उनकी लीडरशिप और प्रतिबद्धता के लिए ईमानदारी से धन्यवाद देना चाहता हूं।

उनके प्रयासों ने ग्लोबल लेवल पर क्रिकेट को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हम उनकी सेवा के लिए वास्तव में आभारी हैं और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।'

वीरेंद्र सहवाग के तलाक की खबरों के बीच
फैंस मलाइका अरोड़ा का नाम क्यों ले रहे हैं?

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग इन दिनों अपने निजी जीवन में उतार चढ़ाव का सामना कर रहे हैं. कुछ दिनों से सहवाग और उनकी पत्नी आरती अहलावत के तलाक की खबरें सुर्खियां बटोर रही हैं. बताया जा रहा है कि दोनों के रिश्ते में अनबन है और दोनों लंबे समय से अलग-अलग रह रहे हैं. दोनों का तलाक तय माना जा रहा है. इसी बीच खबरें है कि सहवाग और आरती ग्रे डिवोर्स लेंगे. इसी के साथ फैंस बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोरा के नाम की चर्चा भी कर रहे हैं. आइए जानते हैं कि आखिर ग्रे डिवोर्स क्या होता है जिसके जरिए सहवाग आरती से अलग हो सकते हैं. और मलाइका का नाम क्यों चर्चा में हैं?

क्या होता है ग्रे डिवोर्स?

बीते कुछ सालों में ग्रे डिवोर्स का चलन भारत में बढ़ता हुआ दिखा है. साधारण शब्दों में कहा जाए तो पति-पत्नी 40 से 50 या इससे ज्यादा की उम्र में अलग होने का फैसला करते हैं तो इसे ग्रे डिवोर्स कहा जाता है. इसे सिल्वर स्प्लिटर्स या फिर डायमंड तलाक के नाम से भी जाना जाता है. कपल शादी के 15 से 20 साल तक साथ रहते हैं और फिर अचानक से अपने रास्ते अलग कर लेते हैं. इसमें कपल ढलती उम्र में अलग हो जाता है. फिलहाल सहवाग 46 साल के हैं और आरती की उम्र 43 साल है. आज के समय में आम तौर पर देखा जाता है कि पति और पत्नी दोनों मिलकर काम करते हैं. ऐसे में जब ग्रे डिवोर्स की बात आती है तो कोर्ट दोनों की संपत्ति, गुजारा भत्ता और रिटायरमेंट बेनिफिट आदि पर भी विचार करता है और इसे ध्यान में रखते हुए तलाक लेने वाले कपल की शादी का समय, उनकी उम्र और उनकी हेल्थ आदि को भी देखता है.

मलाइका-अरबाज ने भी लिया था ग्रे डिवोर्स

ग्रे डिवोर्स के जरिए ही बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोरा और अभिनेता अरबाज खान भी अलग हुए थे. इसी वजह से सहवाग और आरती के ग्रे डिवोर्स की खबरों के बीच मलाइका का नाम चर्चा में आया है. मलाइका ने साल 2017 में तलाक लिया था. इनके अलावा फिल्म मेकर प्रकाश झा और दीप्ति नवल ने भी ग्रे डिवोर्स लिया था.

2004 में हुई थी आरती-सहवाग की शादी

वीरेंद्र सहवाग और आरती एक दूसरे को बचपन से जानते हैं. दरअसल वीरेंद्र के चचेरे भाई की शादी आरती की मौसी से हुई थी. जब सहवाग 7 साल के थे और आरती की उम्र थी 5 साल. बताया जाता है कि सहवाग ने आरती को 2002 में शादी के लिए प्रपोज कर दिया था. लेकिन दोनों का परिवार अपनी रिश्तेदारी के चलते इस रिश्ते से खुश नहीं था. हालांकि फिर भी सहवाग और आरती ने 2004 में शादी की. इसके बाद दोनों दो बेटों आर्यवीर सहवाग और वेदांत सहवाग के पैरेंट्स बने.

भारतीय टीम के नाम जुड़ा शर्मनाक रिकॉर्ड, लिस्ट में महज 4 टीम शामिल

नई दिल्ली, 29 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच इन दिनों पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जा रही है। अभी तक सीरीज के तीन मैच खेले जा चुके हैं। जिसमें 2 टीम इंडिया और एक इंग्लैंड ने जीता है। राजकोट में सीरीज का तीसरा मैच खेला गया। इंग्लैंड ने तीसरे टी20 मैच में भारत को 26 रन से हराया था। इस मैच को हारने के साथ ही टीम इंडिया के नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है।

700 इंटरनेशनल मैच हारने वाली टीम

राजकोट में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। ये इंटरनेशनल क्रिकेट में टीम इंडिया की 700वीं हार थी। टीम इंडिया का ये 1686वां इंटरनेशनल मैच था। अब भारतीय टीम 700 इंटरनेशनल मैच हारने वाली वर्ल्ड की तीसरी टीम बन गई है। भले ही इंग्लैंड ने तीसरे टी20 मैच में टीम इंडिया को हरा दिया हो, लेकिन हारने के मामले में इंग्लिश टीम अभी भी पहले पायदान पर है। इंग्लैंड की टीम 2090 इंटरनेशनल मैच खेल चुकी है, जिसमें से उसको 777 मैचों में हार सामना करना पड़ा है।

दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज

इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज का नाम आता है। जिसमें अभी तक 1682 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। जिसमें से वेस्टइंडीज को टेस्ट, वनडे और टी20 के मिलाकर 740 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

मेगा ऑक्शन में आरसीबी से हो गई भारी चूक!
टूट सकता है ट्रॉफी जीतने का सपना

मुंबई, 29 जनवरी (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 का आगाज 21 मार्च से होगा। नए सीजन के लिए इस बार सभी टीमों ने मेगा ऑक्शन में शानदार खिलाड़ियों को खरीदा हैं। इस बार बहुत सारे खिलाड़ियों की टीमें भी बदल गई हैं। वहीं, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इस बार मेगा ऑक्शन में इंग्लैंड के खिलाड़ियों पर ज्यादा भरोसा जताया है, लेकिन अब इंग्लैंड के खिलाड़ियों की खराब फॉर्म आरसीबी के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

क्या आरसीबी ने किया घाटे का सौदा?

इन दिनों भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जा रही है। सीरीज के अभी तक तीन मैच हो चुके हैं। जिसमें से 2 भारत और 1 इंग्लैंड ने जीता है। इन तीनों ही मैचों में इंग्लैंड के सलामी विस्फोटक बल्लेबाज फिल सॉल्ट का बेहद खराब प्रदर्शन देखने को मिला है। अभी तक खेले गए तीन मैचों में से किसी भी मैच में सॉल्ट डबल डिजिट में स्कोर नहीं बना पाए हैं।

तीसरे मैच में फिल सॉल्ट के बल्ले से महज 7 रन निकले थे। अभी तक इस सीरीज में सॉल्ट बल्लेबाजी करते हुए महज 9 रन ही बना पाए हैं। जो नए आईपीएल सीजन से पहले अब आरसीबी की टेंशन को बढ़ा रहा है।

आरसीबी ने खर्च किए 11.50 करोड़ रुपये

पिछले सीजन फिल सॉल्ट को कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलते हुए देखा गया था। जिसमें उन्होंने कमाल की बल्लेबाजी का नजारा पेश किया, लेकिन फिर भी केकेआर ने इस खिलाड़ी को रिलीज कर दिया था।

आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में आरसीबी ने फिल सॉल्ट पर भरोसा जताया। आरसीबी ने इस खिलाड़ी को 11.50 करोड़ रुपये में खरीदा है, लेकिन अगर नए सीजन में भी फिल सॉल्ट का प्रदर्शन ऐसा ही रहता है तो आरसीबी का पहला खिताब जीतने का सपना एकबार फिर से टूट सकता है।

टेस्ट में टी-20 जैसी ताबड़तोड़ बैटिंग
भारत के बाद श्रीलंका पर बरसे ट्रेविस हेड, ठोकी तूफानी फिफ्टी

मेलबर्न, 29 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अपने बल्ले से आग उगलने के बाद अब ट्रेविस हेड के निशाने पर श्रीलंका के गेंबाज रहे. श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहले टेस्ट में ट्रेविस हेड ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से फैंस का दिल जीत लिया. उन्होंने एक बार फिर टेस्ट में टी-20 जैसी तूफानी बल्लेबाजी की और सिर्फ 40 गेंदों में 57 रन ठोक दिए. इस तूफानी फिफ्टी में हेड ने 11 बाउंड्री लगाई. पहले टेस्ट में हेड ने सिर्फ 35 गेंदों में तूफानी फिफ्टी ठोक कर श्रीलंकाई गेंदबाजों का बुरा हाल कर दिया.

हेड ने ठोकी तूफानी फिफ्टी

भारत को अपने घर में 5 मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में करारी हार सौंपने और डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 का टिकट कटाने के बाद अब ऑस्ट्रेलिया की टीम श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है. पहले मैच की शुरुआत 29 जनवरी, बुधवार से हुई. ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के लिए उस्मान ख्वाजा के साथ मिलकर ओपनिंग की. इस दौरान हेड ने सिर्फ 35 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया.

10 चौके और एक छक्का लगाया

ट्रेविस हेड ने श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच की पहली पारी में 57 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने चालीस गेंदों का सामना किया. 57 में से 46 रन तो हेड ने चौकों-छक्कों से ही बटोर लिए. इस ताबड़तोड़ पारी में ट्रेविस ने 10 चौके और 1 छक्का लगाया. उनका स्ट्राइक रेट 142 से ज्यादा का रहा. हेड का कैच दिनेश चांदीमल ने प्रभात जयसूर्या की गेंद पर पकड़ा. हेड और ख्वाजा ने पहले विकेट के लिए 14.3 ओवरों में 92 रनों की पार्टनरशिप की.

भारत के खिलाफ भी हेड ने मचाया था धमाल

श्रीलंकाई गेंदबाजों की खबर लेने से पहले हेड ने अपनी धरती पर टीम इंडिया के खिलाफ जमकर धूम मचाई थी. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हाल ही में खत्म हुई टेस्ट सीरीज में ट्रेविस हेड का बल्ला जमकर गरजा था. वो इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. हेड ने पांच मैचों में टोटल 448 रन बनाए थे. इस दौरान उन्होंने दो शतक और एक हाफ सेंचुरी बनाई. टीम इंडिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में हेड का बल्लेबाजी औसत 56 का रहा था. उन्होंने एडिलेड में खेले गए पिंक बॉल टेस्ट में 141 गेंदों में 140 रन बनाए थे. इसके अलावा गाबा में खेले गए तीसरे टेस्ट में उनके बल्ले से 160 गेंदों में 152 रनों की शानदार पारी निकली थी.

स्टीव स्मिथ ने 1 रन से रच दिया इतिहास
कोहली और विलियमसन को एक साथ पछाड़ा

मेलबर्न, 29 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने टेस्ट क्रिकेट में एक बड़ा कारनामा कर दिखाया है. श्रीलंका के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट में स्मिथ ने पहला रन बनाते ही इतिहास रच दिया. अब स्मिथ के क्रिकेट के इस सबसे लंबे फॉर्मेट में 10 हजार रन पूरे हो गए हैं. ये कारनामा टेस्ट में विराट कोहली और केन विलियन जैसे दिग्गज भी नहीं कर पाए हैं. दोनों दिग्गजों को पछाड़कर ये ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज उनसे आगे निकल चुका है. इतना ही नहीं स्मिथ दोनों से टेस्ट शतकों के मामले में भी आगे हैं.

स्मिथ ने श्रीलंका की धरती पर टेस्ट क्रिकेट में एक खास रिकॉर्ड अपने नाम किया वो भी सिर्फ एक रन बनाकर. भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी खत्म होने तक स्मिथ के टेस्ट में 9999 रन हो चुके थे. उन्हें 10 हजार टेस्ट रन के लिए सिर्फ एक रन की दरकार थी. श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने पहला रन बनाते ही ये खास मुकाम भी हासिल कर लिया. उन्होंने ये कारनामा 115 मैचों की 205 पारियों में किया. अब स्मिथ टेस्ट में 10 हजार रन बनाने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई और ओवरऑल 15वें बल्लेबाज बन गए हैं. विराट कोहली, केन विलियमसन, जो रूट और स्टीव स्मिथ की गिनती 'फैब फोर' में होती हैं. टेस्ट फॉर्मेट में चारों में से जो रूट सबसे आगे हैं. उनके नाम चारों में से सबसे ज्यादा टेस्ट रन (12972) और सबसे ज्यादा टेस्ट शतक (36) दर्ज है. अब स्मिथ ने भी 10 हजार रनों का आंकड़ा पार कर लिया है. लेकिन भारत के दिग्गज विराट कोहली और न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन अभी इस आंकड़े से दूर हैं. कोहली के नाम टेस्ट में 9230 और विलियमसन के नाम 9276 रन दर्ज है.

टेस्ट रन के अलावा स्मिथ कोहली और विलियमसन से टेस्ट शतकों के मामले में भी आगे चल रहे हैं. केन विलियमसन ने 105 मैचों की 186 पारियों में 9276 रन बनाते हुए 33 शतक लगाए हैं. वहीं विराट कोहली की बात करें तो उन्होंने 123 मैचों की 210 पारियों में 9230 रन बनाते हुए 30 शतक बनाए हैं. जबकि स्मिथ के नाम इस फॉर्मेट में 34 शतक है.

अल हिलाल से नाता तोड़ने के बाद ब्राजील के क्लब से जुड़ेंगे नेमार, 12 साल बाद करेंगे टीम में वापसी

खेल डेस्क, 29 जनवरी (एजेंसियां)। स्ट्राइकर नेमार सऊदी अरब के क्लब अल हिलाल से नाता तोड़ने के बाद ब्राजील के सांतोस टीम से जुड़ने के लिए तैयार हो गए हैं। नेमार करीब 12 साल बाद इस टीम के लिए खेलेंगे। क्लब के अध्यक्ष मार्सेलो तेइजेरिया ने सोशल मीडिया चैनल्स पर इसकी पुष्टि की है। अल-हिलाल ने हाल ही में बताया था कि उसकी नेमार के साथ आपसी सहमति से अनुबंध समाप्त करने के लिए सहमति बनी है। किसी भी पक्ष ने अनुबंध समाप्त करने के विवरण की पुष्टि नहीं की थी। कभी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले ब्राजील के 32 वर्षीय नेमार ने अल हिलाल के लिए केवल सात मैच खेले जिसमें उन्होंने केवल एक गोल किया और दो गोल करने में मदद की। एसीएल (पैर की चोट) चोट के कारण अक्टूबर 2023 से बाहर रहने के बावजूद बार्सीलोना और पेरिस सेंट जर्मेन टीम के पूर्व खिलाड़ी नेमार को पिछले सत्र में सऊदी लीग जीतने वाली टीम में शामिल किया गया था। इस साल के फीफा क्लब विश्व कप में अल-हिलाल के हिस्सा लेने के बाद नेमार के साथ उनका करार समाप्त होने वाला था। क्लब विश्व कप 15 जून से 13 जुलाई के बीच अमेरिका में खेला जाएगा।

मार्सेलो नेमार के स्वागत के लिए उत्सुक

32 वर्षीय नेमार ने सांतोश के लिए छह खिताब जीते हैं जिसमें 2011 में कोपा लिबरताडोर्स ट्रॉफी जीतना शामिल है। मार्सेलो ने अपने सोशल मीडिया चैनल्स पर कहा, नेमार के लिए यह वापसी का समय है। यह समय है कि वह अपने लोगों के लिए वापस आए। अपने घर आए और उस क्लब में वापसी करे जो हमारे दिल के करीब है। नेमार का स्वागत है। व्हाइट एंड ब्लैक शर्ट में खुशी-खुशी वापसी करें। सांतोस आपका स्वागत करने के लिए बेताब है।

स्ट्राइकर नेमार अगस्त 2023 में पेरिस सेंट जर्मेन से सऊदी क्लब में नौ करोड़ यूरो (नौ करोड़ 40 लाख डॉलर) में शामिल हुए। यह उन कई करार में से एक था जिसने अरब देश को दुनिया के नए बड़े फुटबॉल बाजारों में से एक बना दिया। लेकिन नेमार को अपने करियर की सबसे गंभीर एसीएल चोट लग गई जब वह अल-हिलाल में शामिल होने के कुछ ही महीनों बाद ब्राजील के लिए खेल रहे थे।

साइबर क्राइम पुलिस का जालसाजों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी साइबर क्राइम यूनिट ने गुजरात (सूरत), कर्नाटक, आंध्र प्रदेश (नेल्लोर), नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार और हैदराबाद सहित विभिन्न राज्यों में सात टीमों के साथ एक विशेष अभियान सफलतापूर्वक चलाया है। इस अभियान के परिणामस्वरूप 52 आरोपियों की गिरफ़्तारी हुई, जिनमें तीन प्रमुख मास्टरमाइंड शामिल हैं। इस महत्वपूर्ण अभियान के कारण साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन द्वारा 33 प्रमुख मामलों का पता लगाया गया। जिसमें ट्रेडिंग धोखाधड़ी: 3 मामले, डिजिटल धोखाधड़ी गिरफ्तारी: 4 मामले, निवेश धोखाधड़ी: 6 मामले, डेटा चोरी धोखाधड़ी: 2 मामले, सोशल मीडिया: 3 मामले, अंशकालिक नौकरी: 1 मामले, एपीके फ़ाइल धोखाधड़ी 1 मामला, यूएसडीटी खरीद धोखाधड़ी 1 मामला, नौकरी धोखाधड़ी 3 ,मामलेटिपलाइन (सीएसएएम) 9 मामलों को सुलझाया गया। कुल धोखाधड़ी राशि 8,83,258,511 रही है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति भारत भर में कुल 576 मामलों और तेलंगाना से 74 मामलों में वांछित हैं। इस दौरान 47,90,000 रुपये की शुद्ध नकदी (सैंतालीस लाख और नब्बे हजार मात्र, क्रिप्टो करेंसी का मूल्य 40,00,000 रुपये (चालीस लाख) बरामद की गई। इसके अतिरिक्त, आरोपियों के बैंक खातों में 2,87,24,776/- (दो करोड़ अस्सी लाख चौबीस हजार सात सौ छिहत्तर रुपये मात्र) फ्रीज कर दिए गए हैं। 2.98 करोड़ रुपये के ट्रेडिंग धोखाधड़ी के लिए बैंक अधिकारी गिरफ्तार शुभम कुमार झा - डिप्टी मैनेजर, आरबीएल बैंक, बैंगलोर, हारून रशीद इमामुद्दीन धारवाड़ - सहायक उपाध्यक्ष, एक्सिस बैंक, बैंगलोर, काटा श्रीनिवास राव - बिक्री प्रबंधक, कोटक महिंद्रा बैंक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने कहा कि टीमों ने आरोपियों को ट्रैक करने और उन्हें पकड़ने के लिए विभिन्न राज्यों की पुलिस इकाइयों के साथ समन्वय किया। इन धोखाधड़ी योजनाओं के पीछे के नेटवर्क को उजागर करने के लिए विस्तृत खुफिया जानकारी और उन्नत जांच विधियों के आधार पर ऑपरेशन चलाए गए।

साइबर अपराध जागरूकता अभियान शुरू

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए और धोखाधड़ी को रोकने के लिए, हैदराबाद सिटी पुलिस ने फाइनेंस कंपनी के साथ मिलकर एक व्यापक साइबर अपराध जागरूकता अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी और डिजिटल खतरों से खुद को बचाने के लिए सशक्त बनाना है। आज अभियान का आधिकारिक उद्घाटन किया गया।

डीजी व पुलिस आयुक्त हैदराबाद शहर सी.वी. आनंद ने बताया कि साइबर अपराध जागरूकता अभियान: हैदराबाद में अभियान इस चल रहे मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है। 15 दिनों तक चलने वाले इस अभियान में टैग लाइन सब की नीयत साफ नहीं होती शामिल है: नुक्कड़ नाटक: लोगों को जोड़ने और शिक्षित करने के लिए अधिक भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर प्रदर्शन किया जाता है।

रणनीतिक ब्रांडिंग: अधिकतम दृश्यता के लिए प्रमुख स्थानों पर बैनर, पोस्टर और अन्य संचार सामग्री का उपयोग। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए नागरिकों को शामिल करते हुए इंटरैक्टिव सत्र। डिजिटल प्रवर्धन: एक मजबूत सोशल मीडिया अभियान यह सुनिश्चित करेगा कि महत्वपूर्ण संदेश पूरे शहर में व्यापक दर्शकों तक पहुँचें। हैदराबाद पुलिस आज के डिजिटल युग में साइबर अपराध के बारे में जागरूकता बढ़ाने की महत्वपूर्ण आवश्यकता को पहचानते हुए इस प्रयास में पिरामल फाइनेंस के साथ सहयोग करके प्रसन्न है। लक्षित प्रयासों और नवीन आउटरीच विधियों के साथ, इस अभियान का उद्देश्य हैदराबाद के नागरिकों के लिए एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण बनाना है।

ध्यान भटकाने वाली चोरियों में शामिल अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने कई बार ध्यान भटकाने वाली चोरियों के लिए जिम्मेदार एक अंतरराज्यीय गिरोह को सफलतापूर्वक पकड़ा है, जो वृद्ध और मध्यम आयु वर्ग की महिलाओं को निशाना बनाता है। यह गिरोह विभिन्न स्थानों पर काम कर रहा था, और धोखे से पीड़ितों से उनके कीमती सामान लूटने के लिए भ्रामक तकनीकों का इस्तेमाल कर रहा था। बीते 21 जनवरी को भोंनगीर टाउन पुलिस स्टेशन में चोरी और डकैती का मामला दर्ज किया गया था। घटना भोंनगीर बस स्टैंड पर हुई, जहाँ पीड़िता के पास पाँच आरोपी आए और उन्होंने उसे भ्रमित करने वाली बातचीत में उलझा दिया। उन्होंने उसका ध्यान भटकाया और बातचीत के दौरान उसकी सोने की गले की चेन लूट ली। सीपी राचकोंडा सुधीर बाबू ने बताया कि गिरोह की मुख्य रणनीति में एक आरोपी, एक युवा लड़का, सार्वजनिक स्थानों पर पीड़ितों से रास्ता पूछने या सहायता मांगने के बहाने संपर्क करता है। लड़का नकदी का बंडल दिखाता है, जिसमें असली नोटों के बीच में कागज के नोट भरे होते हैं, और पीड़ित के आभूषणों के बदले में पैसे देने का वादा करता है। जब पीड़ित का ध्यान भटक जाता है, तो गिरोह के अन्य सदस्य उस पर उसके कीमती सामान सौंपने का दबाव बनाते हैं। इससे पहले कि पीड़ित को धोखाधड़ी का एहसास हो, गिरोह मौके से भाग जाता है। पीड़ितों को प्रभावित करने के लिए अल्प्राजोलम के इस्तेमाल का भी आरोप है और वही अल्प्राजोलम आरोपी के पास पाया गया है। पुलिस ने इस मामले में गुजराती किशन, निवासी सरस्वती नगर कॉलोनी, गुंडला पोचमपल्ली, मेडचल-मलकाजगिरी (मूल निवासी गुजरात) , राम लाल, निवासी, बेगमपुर, टमाटर कॉलोनी, दिल्ली, श्याम लाल निवासी सुल्तानपुरी, नई दिल्ली, कोली निवासी बेगमपुर, राजीव नगर एक्सटेंशन, नई दिल्ली, एक किशोर को गिरफ्तार किया है। शेष दो आरोपी गुलशन उर्फ गुल्लू और दीपक दोनों दिल्ली निवासी, फिलहाल फरार हैं। उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि

जांच के दौरान, गिरोह से कुल 232.75 ग्राम वजन की 7 चोरी की सोने की चेन बरामद की गईं, जिनकी कुल कीमत 17 लाख रुपये है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि आरोपी देश भर में इसी तरह की चोरियों में शामिल रहे हैं।

सीएम ने इसरो को 100वें सफल प्रक्षेपण पर दी बधाई

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने एनवीएस-02 उपग्रह को ले जाने वाले जीएसएलवी-एफ15 रॉकेट के 100वें सफल प्रक्षेपण पर इसरो टीम को बधाई दी।

उन्होंने इसे देश के लिए गौरव का क्षण बताया और मिशन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए पूरी टीम की प्रतिबद्धता की सराहना की। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि की सराहना करते हुए इसे स्वदेशी प्रौद्योगिकी में उल्लेखनीय प्रगति बताया, जिससे भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की वृद्धि और सफलता को बढ़ावा मिलेगा।

नशे में धुत कार सवार ने की मारपीट

संगारेड्डी, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को जोगजपेट कस्बे के हनुमान जंक्शन पर कथित रूप से नशे में धुत एक व्यक्ति ने अपनी कार से कई लोगों को घायल कर दिया और कई वाहनों को नुकसान पहुंचाया।

घटना में दो लोगों को गंभीर चोटें आईं, जबकि कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। घायलों में से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें इलाज के लिए जोगीपेट के क्षेत्रीय अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है और मामला दर्ज कर लिया है।

केटीआर ने की इसरो के 100वें प्रक्षेपण की सराहना

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने इसरो को 100वां अंतरिक्ष प्रक्षेपण करने पर बधाई दी और इसे अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की उल्लेखनीय यात्रा का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि साइकिल पर रॉकेट के पुर्जे ले जाने से लेकर 100 सफल प्रक्षेपणों तक, इसरो का सफर वाकई प्रेरणादायक है। उन्होंने विक्रम साराभाई जैसे दूरदर्शी लोगों के योगदान को याद किया और इसरो वैज्ञानिकों के समर्पण, दृढ़ता और जुनून की प्रशंसा की, जिन्होंने चुनौतियों का सामना करते हुए भारत को अंतरिक्ष अनुसंधान में वैश्विक नेता बनाया।

रामा राव ने कहा कि आर्यभट्ट से लेकर मंगलयान तक इसरो की उपलब्धियों ने देश को बहुत गौरवान्वित किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि एजेंसी के निरंतर नवाचार अंतरिक्ष अन्वेषण के भविष्य को आकार देंगे और लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हम और भी कई मील के पत्थर और सफलताएं हासिल करने की कामना करते हैं।

एमएलसी चुनाव कार्यक्रम घोषित, आचार संहिता लागू

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में एक स्नातक और दो शिक्षक एमएलसी निर्वाचन क्षेत्रों के लिए चुनाव का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है, जिसके तहत 27 फरवरी को मतदान होगा और 3 मार्च को नतीजे घोषित किए जाएंगे। चुनाव अधिसूचना 3 फरवरी को जारी की जाएगी। संबंधित जिलों में आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो जाएगी। दो शिक्षक एमएलसी सीटों और एक स्नातक एमएलसी सीट के लिए चुनाव कराए जाएंगे। चुनाव में जाने वाले निर्वाचन क्षेत्रों में वारंगल-खम्मम-नलगोंडा (शिक्षक), मेदक-निजामाबाद-आदिलाबाद-करीमनगर (शिक्षक), और मेदक-निजामाबाद-आदिलाबाद-करीमनगर (स्नातक) शामिल हैं। इस प्रकार, महबूबनगर, रंगारेड्डी और हैदराबाद के पूर्ववर्ती जिलों को छोड़कर, राज्य के अधिकांश हिस्सों में आदर्श आचार संहिता लागू की जाएगी।

वर्तमान में, टी जीवन रेड्डी (कांग्रेस) मेदक-निजामाबाद-आदिलाबाद-करीमनगर स्नातक सीट पर हैं, जबकि के राघोत्तम रेड्डी और अलुगुबेल्ली नरसी रेड्डी संबंधित शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से हैं। उनका कार्यकाल 29 मार्च को समाप्त होगा। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन 3 फरवरी से 10 फरवरी तक दाखिल किए जाएंगे, 11 फरवरी को जांच होगी और 13 फरवरी को नाम वापस लेने की अंतिम तिथि होगी। मतदान 27 फरवरी को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा और उसके बाद 3 मार्च को मतगणना होगी।

हैदराबाद में मेट्रो सेवाएं बाधित

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार सुबह मेट्रो सेवाएं कथित तौर पर एक घंटे तक बाधित रहने के कारण बड़ी संख्या में यात्री फंस गए।

जानकारी के अनुसार मेट्रो सेवाएं मुख्य रूप से सुबह के व्यस्ततम यातायात समय के दौरान हाईटेक सिटी-अमीरपेट खंड पर प्रभावित हुईं। बताया जा रहा है कि सुबह सात बजे के आसपास हाईटेक सिटी से अमीरपेट की ओर कोई सेवा नहीं चल रही थी और इससे सेवाएं प्रभावित होने लगीं। बताया जा रहा है कि मेट्रो सेवा में बाधा तकनीकी समस्याओं के कारण जुबली हिल्स स्टेशन पर मेट्रो ट्रेन के फंस जाने के कारण आई।

नागोबा जात्रा की भव्य शुरुआत

सात दिवसीय पवित्र अनुष्ठान

आदिलाबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज गोंड समुदाय के मेसराम वंश का एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन, वार्षिक नागोबा जतरा मंगलवार रात को इंद्रवेल्ली मंडल के केसलापुर गांव में भव्य रूप से शुरू हुआ।

मेसराम वेंकट राव और पुजारी कोसू की देखरेख में कबीले के सदस्यों ने महापूजा और साठेक पूजा की और रात 10 बजे से 11.30 बजे के बीच मंदिर के द्वार बंद करके सात दिवसीय पवित्र अनुष्ठान की शुरुआत की। अनुष्ठान के बाद मेसराम ने कलेक्टर राजर्षि शाह, विधायक वेदमा बोज्जू और एसपी गौश आलम का अभिनंदन किया। उन्होंने आदिवासियों को रात 12 बजे से मंदिर में जाने की अनुमति दी।

इससे पहले, नागोबा मंदिर के पास बरगद के पेड़ों के नीचे चार दिनों तक डेरा डाले रहने वाले मेसराम ने गांव में स्थित एक पुराने मंदिर, मुराडी का दौरा किया। कबीले की महिलाएं पहले मिट्टी के बर्तनों में एक पवित्र तालाब से पानी लाती थीं और इसका इस्तेमाल विभिन्न अनुष्ठानों और व्यंजन बनाने में करती थीं। दामाद नागोबा मंदिर के पास एक जगह से मिट्टी लेकर आए।

इस आयोजन के तहत कबीले की महिला सदस्यों ने नागोबा मंदिर के परिसर में मिट्टी का उपयोग करके चींटियों के टीले बनाए। मेसराम ने मंचेरियल जिले में गोदावरी नदी से लाए गए पवित्र गंगा जल से मंदिर को साफ किया। उन्होंने विशेष प्रार्थना की और सर्प देवता की पूजा की। अनुष्ठान और प्रार्थना करते समय आदिवासी लोगों ने पारंपरिक संगीत वाद्ययंत्र, कलिकोम, पेपरे, थुदुम और ढोल बजाए, जिससे वातावरण आध्यात्मिक उल्लास से भर गया। गुरुवार को पर्सपेन और बांकापेन पूजा की जाएगी, जबकि 31 जनवरी को प्रजा दरबार, शिकायत निवारण का आयोजन किया जाएगा। 3 और 4 फरवरी को बेताल पूजा और मंडागजलिंग पूजा आयोजित की जाएगी।

एमएससी रसायन विज्ञान कार्यक्रम में प्रवेश शुरू

हैदराबाद, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जनवरी 2025 सत्र के लिए दो वर्षीय एमएससी रसायन विज्ञान कार्यक्रम में प्रवेश की घोषणा की है। एमएससी रसायन विज्ञान कार्यक्रम को विज्ञान स्नातकों को रसायन विज्ञान में उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करने, शिक्षार्थियों को अपनी शैक्षणिक योग्यता बढ़ाने में सक्षम बनाने तथा शिक्षण, अनुसंधान और उद्योग में कैरियर की उन्नति में सहायता करने के लिए डिजाइन किया गया है। 80 क्रेडिट (सेमेस्टर आधारित संरचना) वाला यह कार्यक्रम अकादमिक कठोरता और लचीलेपन का एक अनूठा मिश्रण प्रदान करता है। शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। कार्यक्रम की फीस 20,000 रुपये प्रति वर्ष है।

रसायन विज्ञान में बीएससी (मेजर/ऑनर्स) डिग्री, किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बीएससी डिग्री या समकक्ष डिग्री जिसमें रसायन विज्ञान तीन समान रूप से भारित विज्ञान विषयों में से एक हो या रसायन विज्ञान पाठ्यक्रम में न्यूनतम 20 क्रेडिट के साथ किसी ओपन यूनिवर्सिटी से बीएससी डिग्री रखने वाले उम्मीदवार आवेदन करने के पात्र हैं। नामांकन के लिए कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं है।

कोत्तागुडेम के जंगलों में बाघ की आवाजाही फिर शुरू

कोत्तागुडेम, 29 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पिनापाका मंडल के करकागुडेम और जनमपेट-पोटलापल्ली के जंगलों में बाघों की गतिविधियां देखी गईं। बाघ को देखने वाले एक किसान ने स्थानीय वन अधिकारियों को इसकी सूचना दी। बुधवार को अधिकारियों ने उस वन क्षेत्र का दौरा किया जहां बाघ के घूमने की बात कही गई थी और उसके पैरों के निशानों की जांच की। जानवर की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे।

जंगल के आस-पास रहने वाले ग्रामीणों और किसानों को चेतावनी दी गई है कि वे अकेले जंगल में न जाएं और इस जीव को नुकसान न पहुंचाएं। गौरतलब है कि दिसंबर 2024 में जिले के गुंडाला और अल्लापल्ली मंडलों में बाघ की गतिविधियां देखी गई थीं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.